

LVNATIONVM seu Coniunctionum Solis et Lunæ

EPOCHÆ.

EPACTÆ in annis solutis

| Anno ante Christum deficiente, qui proxime incepturo, unitate maior est in numeratione retrograda. | Tempus ante finem Anni in margine | Anni soluti. | Novilunium præcedit finem Anni in margine, Epactis | Anni soluti. | Novilunium præcedit finem Anni in margine, Epactis |
|--|-----------------------------------|--------------|--|--------------|--|
| | D. H. M. S. | | D. H. ' " ' " | | D. H. ' " ' " |
| 4001 | 14. 6.34.54 | 1 | 10.15.11.21.49.53 | 61 | 13.22.24. 1.44.12 |
| 3001 | 0. 9. 3.12 | 2 | 21. 6.22.43.39.46 | 62 | 24.13.35.23.34. 5 |
| 2001 | 16. 0.15.32 | 3 | 2. 8.50. 2.18.48 | 63 | 5.16. 2.42.13. 7 |
| 1001 | 2. 2.43.50 | 4 | 14. 0. 1.24. 8.41 | 64 | 17. 7.14. 4. 3. 0 |
| 901 | 27. 7.14.19 | 5 | 24.15.12.45.58.34 | 65 | 27.22.25.25.52.53 |
| 801 | 22.23. 0.44 | 6 | 5.17.40. 4.37.36 | 66 | 9. 0.52.44.31.55 |
| 701 | 18.14.47.10 | 7 | 16. 8.51.26.27.29 | 67 | 19.16. 4. 6.21.48 |
| 601 | 14. 6.33.35 | 8 | 28. 0. 2.48.17.22 | 68 | 1.18.31.25. 0.50 |
| 501 | 9.22.20. 1 | 9 | 9. 2.30. 6.56.24 | 69 | 12. 9.42.46.50.43 |
| 401 | 5.14. 6.26 | 10 | 19.17.41.28.46.17 | 70 | 23. 0.54. 8.40.36 |
| 301 | 1. 5.52.52 | 11 | 0.20. 8.47.25.19 | 71 | 4. 3.21.27.19.38 |
| 201 | 26.10.23.21 | 12 | 12.11.20. 9.15.12 | 72 | 15.18.32.49. 9.31 |
| 101 | 22. 2. 9.46 | 13 | 23. 2.31.31. 5. 5 | 73 | 26. 9.44.10.59.24 |
| I | 17.17.56.12 | 14 | 4. 4.58.49.44. 7 | 74 | 7.12.11.29.38.26 |
| 100 | 13. 9.42.37 | 15 | 14.20.10.11.34. 0 | 75 | 18. 3.22.51.28.19 |
| 200 | 9. 1.29. 3 | 16 | 26.11.21.33.23.53 | 76 | 0. 5.50.10. 7.21 |
| 300 | 4.17.15.28 | 17 | 7.13.48.52. 2.55 | 77 | 10.21. 1.31.57.14 |
| 400 | 0. 9. 1.54 | 18 | 18. 5. 0.13.52.48 | 78 | 21.12.12.53.47. 7 |
| 500 | 25.13.32.23 | 19 | 28.20.11.35.42.41 | 79 | 2.14.40.12.26. 9 |
| 600 | 21. 5.18.48 | 20 | 10.22.38.54.21.43 | 80 | 14. 5.51.34.16. 2 |
| 700 | 16.21. 5.14 | 21 | 21.13.50.16.11.36 | 81 | 24.21. 2.56. 5.55 |
| 800 | 12.12.51.39 | 22 | 2.16.17.34.56.38 | 82 | 5.23.30.14.44.57 |
| 900 | 8. 4.38. 5 | 23 | 13. 7.28.56.40.31 | 83 | 16.14.41.36.34.50 |
| 1000 | 3.20.24.29 | 24 | 24.22.40.18.30.24 | 84 | 28. 5.52.58.24.42 |
| 1100 | 29. 0.54.57 | 25 | 6. 1. 7.37. 9.26 | 85 | 9. 8.20.17. 3.44 |
| 1200 | 24.16.41.22 | 26 | 16.16.18.58.59.19 | 86 | 19.23.31.38.53.37 |
| 1300 | 20. 8.27.48 | 27 | 27. 7.30.20.49.12 | 87 | 1. 1.58.57.32.39 |
| 1400 | 16. 0.14.13 | 28 | 9. 9.57.39.28.14 | 88 | 12.17.10.19.22.32 |
| 1500 | 11.16. 0.39 | 29 | 20. 1. 9. 1.18. 7 | 89 | 23. 8.21.41.12.25 |
| 1600 | 7. 7.47. 4 | 30 | 1. 3.36.19.57. 9 | 90 | 4.10.48.59.51.27 |
| 1700 | 2.23.33.30 | 31 | 11.18.47.41.47. 2 | 91 | 15. 2. 0.21.41.20 |
| 1800 | 28. 4. 4. 8 | 32 | 23. 9.59. 3.36.55 | 92 | 26.17.11.43.31.14 |
| 1900 | 23.19.50.24 | 33 | 4.12.26.22.15.57 | 93 | 7.19.39. 2.10.16 |
| 2000 | 19.11.36.49 | 34 | 15. 3.37.44. 5.50 | 94 | 18.10.50.24. 0. 9 |
| 2100 | 15. 3.23.15 | 35 | 25.18.49. 5.55.43 | 95 | 29. 2. 1.45.50. 1 |
| In Mensibus | Epactæ | 36 | 7.21.16.24.34.46 | 96 | 11. 4.29. 4.29. 4 |
| Januarius | 1.11.15.57 | 37 | 18.12.27.46.24.38 | 97 | 21.19.40.26.18.57 |
| Februarius | 29.11.15.57 | 38 | 29. 3.39. 8.14.31 | 98 | 2.22. 7.44.57.59 |
| Martius | 30.22.31.54 | 39 | 10. 6. 6.26.53.33 | 99 | 13.13.19. 6.47.52 |
| Martius | 1. 9.47.50 | 40 | 21.21.17.48.43.26 | 100 | 25. 4.30.28.37.45 |
| Aprilis | 1.21. 3.47 | 41 | 2.23.45. 7.22.28 | 200 | 20.20.19.54. 4.25 |
| Maius | 3. 8.19.44 | 42 | 13.14.56.29.12.21 | 300 | 16.12. 3.19.31. 5 |
| Iunius | 3.19.35.41 | 43 | 24. 6. 7.51. 2.14 | 400 | 12. 3.49.44.57.45 |
| Iulius | 5. 6.51.38 | 44 | 6. 8.35. 9.41.17 | 500 | 7.19.36.10.24.25 |
| Augustus | 6.18. 7.35 | 45 | 16.23.46.31.31.10 | 600 | 3.11.22.35.51. 5 |
| September | 7. 5.23.31 | 46 | 27.14.57.53.21. 3 | 700 | 28.15.53. 4.28.50 |
| October | 8.16.39.28 | 47 | 8.17.25.12. 0. 5 | 800 | 24. 7.39.29.55.30 |
| November | 9. 3.55.25 | 48 | 20. 8.36.33.49.57 | 900 | 19.23.25.55.22.10 |
| December | 10.15.11.22 | 49 | 1.11. 3.52.28.59 | 1000 | 15.15.12.20.48.50 |
| Canonion Syzygiarum. | D. H. ' " ' " | 50 | 12. 2.15.14.18.52 | 2000 | 1.17.40.38.26.30 |
| I | 29.12.44. 3.10.51 | 51 | 22.17.26.36. 8.45 | 3000 | 17. 8.52.59.15.20 |
| II | 59. 1.28. 6.21.41 | 52 | 4.19.53.54.47.48 | 4000 | 3.11.21.16.53. 1 |
| III | 88.14.12. 9.32.32 | 53 | 15.11. 5.16.37.41 | 5000 | 19. 2.33.37.41.50 |
| IV | 118. 2.56.12.43.22 | 54 | 26. 2.16.38.27.34 | 6000 | 5. 5. 1.55.19.31 |
| V | 147.15.40.15.54.13 | 55 | 7. 4.43.57. 6.36 | 7000 | 20.20.14.16. 8.21 |
| VI | 177. 4.24.19. 5. 4 | 56 | 18.19.55.18.56.28 | 8000 | 6.22.42.33.46. 1 |
| VII | 206.17. 8.22.15.54 | 57 | 29.11. 6.40.36.21 | 9000 | 22.13.54.54.34.51 |
| VIII | 236. 5.52.25.26.45 | 58 | 10.13.33.59.15.23 | 10000 | 8.16.23.12.12.31 |
| IX | 265.18.36.28.37.35 | 59 | 21. 4.45.21. 5.16 | 11000 | 24. 7.35.33. 1.21 |
| X | 295. 7.20.31.48.26 | 60 | 3. 7.12.39.54.19 | 12000 | 10.10. 3.50.39. 2 |
| XI | 324.20. 4.34.59.17 | | | | |
| XII | 354. 8.48.38.10. 7 | | | | |
| XIII | 383.21.32.41.20.58 | | | | |

Anno ante Christum deficiente, qui proxime incepturo, unitate maior est in numeratione retrograda.

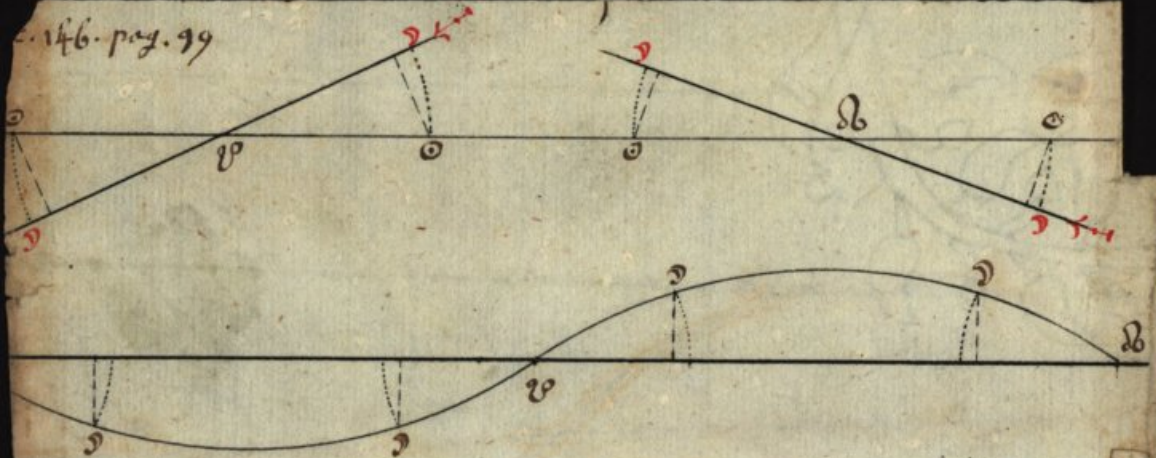
Anno post Christum deficiente, qui proxime incepturo, unitate dimittitur, in numeratione scilicet directa.

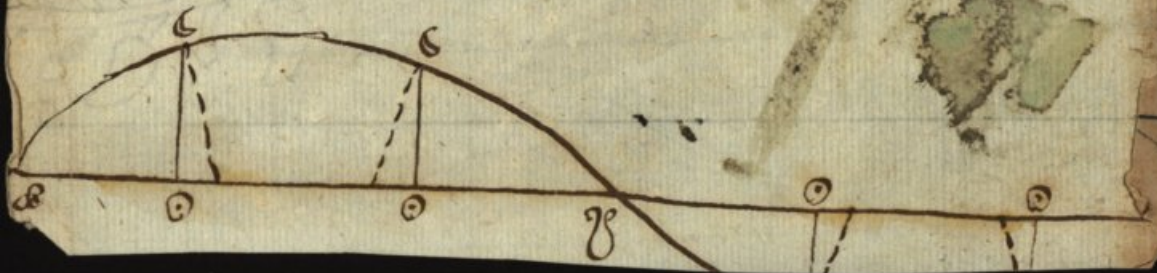
Anno bissexti dice uno plus.

Klem

N 2

146. pag. 99





CANON Sexagenarius Dierum

| Quarta | In Quartis Partibus Refitutionum | | | | In Refitutionibus integris | | | |
|-------------|----------------------------------|----------------------|----------------------|--------------------|----------------------------|---------|-------------------|---------|
| | Lunae ad ☉. | | Lunae ad SOLEM. | | Mercurii ad SOLEM. | | Veneris ad SOLEM. | |
| | Sex. D. | " " " " | Sex. D. | " " " " | Sex. D. | " " " " | Sex. D. | " " " " |
| 1 | 0 6.48.10.59.58.46 | 0 7.22.57.31.59.16 | 0 1.55.52.37.41.21 | 0 9.43.54.56 4 | | | | |
| 2 | 0.13.36.21.59.57.31 | 0.14.45.55 3.58.33 | 0 3.51.45.15.22.43 | 0.19.27.49.52 9 | | | | |
| 3 | 0.20.24.32.59.56.17 | 0.22 8.52.35.57.50 | 0 5.47.37.53 4 4 | 0.29.11.44.48.13 | | | | |
| 4 | 0.27.12.43.59.55 3 | 0.29.31.50 7.57 6 | 0 7.43.30.30.45.26 | 0.38.55.39.44.17 | | | | |
| 5 | 0.34 0.54.59.53.49 | 0.36.54.47.39.56.23 | 0 9.39.23 8.26.47 | 0.48.39.34.40.22 | | | | |
| 6 | 0.40.49 5.59.52.34 | 0.44.17.45.11.55.40 | 0.11.35.15.46 8 9 | 0.58.23.29.36.26 | | | | |
| 7 | 0.47.37.16.59.51.20 | 0.51.40.42.43.54.56 | 0.13.31 8.23.49.30 | 1 8 7.24.32.30 | | | | |
| 8 | 0.54.25.27.59.50 6 | 0.59 3.40.15.54.13 | 0.15.27 1 1.30.51 | 1.17.51.19.28.35 | | | | |
| 9 | 1 1.13.38.59.48.52 | 1 6.26.37.47.53.30 | 0.17.22.53.39.12.13 | 1.27.35.14.24.39 | | | | |
| 10 | 1 8 1.49.59.47.37 | 1.13.49.35.19.52.46 | 0.19.18.46.16.53.34 | 1.37.19 9.20.44 | | | | |
| 11 | 1.14.50 0.59.46.23 | 1.21.12.32.51.52 3 | 0.21.14.38.54.34.56 | 1.47 3 4.16.48 | | | | |
| 12 | 1.21.38.11.59.45 9 | 1.28.35.30.23.51.19 | 0.23.10.31.32.16.17 | 1.56.46.59.12.52 | | | | |
| 13 | 1.28.26.22.59.43.55 | 1.35.58.27.55.50.36 | 0.25 6.24 9.57.38 | 2 6.30.54 8.57 | | | | |
| 14 | 1.35.14.33.59.42.40 | 1.43.21.25.27.49.53 | 0.27 2.16.47.39. 0 | 2.16.14.49 5 1 | | | | |
| 15 | 1.42 2.44.59.41.26 | 1.50.44.22.59.49 9 | 0.28.58 9.25.20.21 | 2.25.58.44 1 5 | | | | |
| 16 | 1.48.50.55.59.40.12 | 1.58 7.20.31.48.26 | 0.30.54 2 3 1.43 | 2.35.42.38.57.10 | | | | |
| 17 | 1.55.39 6.59.38.57 | 2 5.30.18 3.47.43 | 0.32.49.54.40.43 4 | 2.45.26.33.53.14 | | | | |
| 18 | 2 2.27.17.59.37.43 | 2.12.53.15.35.46.59 | 0.34.45.47.18.24.26 | 2.55.10.28.49.18 | | | | |
| 19 | 2 9.15.28.59.36.29 | 2.20.16.13 7.46.16 | 0.36.41.39.56 5.47 | 3 4.54.23.45.23 | | | | |
| 20 | 2.16 3.39.59.35.15 | 2.27.39.10.39.45.32 | 0.38.37.32.33.47 8 | 3.14.38.18.41.27 | | | | |
| 21 | 2.22.51.50.59.34 0 | 2.35 2 8.11.44.49 | 0.40.33.25.11.28.30 | 3.24.22.13.37.31 | | | | |
| 22 | 2.29.40 1.59.32.46 | 2.42.25 5.43.44 6 | 0.42.29.17.49 9.51 | 3.34 6 8.33.36 | | | | |
| 23 | 2.36.28.12.59.31.32 | 2.49.48 3.15.43.22 | 0.44.25.10.26.51.13 | 3.43.50 3.29.40 | | | | |
| 24 | 2.43.16.23.19.30.18 | 2.57.11 0.47.42.39 | 0.46.21 3 4.32.34 | 3.53.33.58.25.44 | | | | |
| 25 | 2.50 4.34.59.29 3 | 3 4.33.58.19.41.56 | 0.48.16.55.42.13.55 | 4 3.17.53.21.49 | | | | |
| 26 | 2.56.52.45.59.27.49 | 3.11.56.55.51.41.12 | 0.50.12.48.19.55.17 | 4.13 1.48.17.53 | | | | |
| 27 | 3 3.40.56.59.26.35 | 3.19.19.53.23.40.29 | 0.52 8.40.57.36.38 | 4.22.45.43.13.57 | | | | |
| 28 | 3.10.29 7.56.25.21 | 3.26.42.50.55.39.45 | 0.54 4.33.35.18 0 | 4.32.29.38.10 2 | | | | |
| 29 | 3.17.17.18.59.24 6 | 3.34 5.48.27.39 2 | 0.56 0.26.12.59.21 | 4.42.13.33 6 6 | | | | |
| 30 | 3.24 5.29.59.22.52 | 3.41.28.45.59.38.19 | 0.57.56.18.50.40.43 | 4.51.57.28 2.11 | | | | |
| 31 | 3.30.53.40.59.21.38 | 3.48.51.43.31.37.35 | 0.59.52.11.28.22 4 | 5 1.41.22.58.15 | | | | |
| 32 | 3.37.41.51.59.20.23 | 3.56.14.41 3.36.52 | 1 1.48 4 6 3.25 | 5.11.25.17.54.19 | | | | |
| 33 | 3.44.30 2.59.19 9 | 4 3.37.38.35.36 9 | 1 3.43.56.43.44.47 | 5.21 9.12.50.24 | | | | |
| 34 | 3.51.18.13.59.17.55 | 4.11 0.36 7.35.25 | 1 5.39.49.21.26 8 | 5.30.53 7.46.28 | | | | |
| 35 | 3.58 6.24.59.16.41 | 4.18.23.33.39.34.42 | 1 7.35.41.59 7.30 | 5.40.37 2.42.32 | | | | |
| 36 | 4 4.54.35.59.15.26 | 4.25.46.31.11.33.58 | 1 9.31.34.36.48.51 | 5.50.20.57.38.37 | | | | |
| 37 | 4 11.42.46.59.14.12 | 4.33 9.28.43.33.15 | 1.11.27.27.14.30.12 | 6 0 4.52.34.41 | | | | |
| 38 | 4.18.30.57.59.12.58 | 4.40.32.26.15.32.32 | 1.13.23.19.52.11.34 | 6 9.48.47.30.45 | | | | |
| 39 | 4.25.19 8.59.11.44 | 4.47.55.23.47.31.48 | 1.15.19.12.29.52.55 | 6.19.32.42.26.50 | | | | |
| 40 | 4.32 7.19.59.10.29 | 4.55.18.21.19.31 5 | 1.17.15 5 7.34.17 | 6.29.16.37.22.54 | | | | |
| 41 | 4.38.55.30.59 9.15 | 5 2.41.18.51.30.22 | 1.19.10.57.45.15.38 | 6.39 0.32.18.58 | | | | |
| 42 | 4.45.43.41.59 8 1 | 5.10 4.16.23.29.38 | 1.21 6.50.22.57 0 | 6.48.44.27.15 3 | | | | |
| 43 | 4.52.31.52.59 6.47 | 5.17.27.13.55.28.55 | 1.23 2.43 0.38.21 | 6.58.28.22.11 7 | | | | |
| 44 | 4.59.20 3.59 5.32 | 5.24.50.11.27.28.11 | 1.24.58.35.38.19.42 | 7 8.12.17 7.11 | | | | |
| 45 | 5 6 8.14.59 4.18 | 5.32.13 8.59.27.28 | 1.26.54.28.16 1 4 | 7.17.56.12 3.16 | | | | |
| 46 | 5.12.56.25.59 3 4 | 5.39.36 6.31.26.45 | 1.28.50.20.53.42.25 | 7.27.40 6.59.20 | | | | |
| 47 | 5.19.44.36.59 1.49 | 5.46.59 4 3.26 1 | 1.30.46.13.31.23.47 | 7.37.24 1.55.24 | | | | |
| 48 | 5.26.32.47.59 0.35 | 5.54.22 1.35.25.18 | 1.32.42 6 9 5 8 | 7.47 7.56.51.29 | | | | |
| 49 | 5.33.20.58.58.59.21 | 6 1.44.59 7.24.35 | 1.34.37.58.46.46.29 | 7.56.51.51.47.33 | | | | |
| 50 | 5.40 9 9.58.58 7 | 6 9 7.56.39.23.51 | 1.36.33.51.24.27.51 | 8 6.35.46.43.38 | | | | |
| 51 | 5.46.57.20.58.56.52 | 6.16.30.54.11.23 8 | 1.38.29.44 2 9.12 | 8.16.19.41.39.41 | | | | |
| 52 | 5.53.45.31.58.55.38 | 6.23.53.51.43.22.24 | 1.40.25.36.39.50.34 | 8.26 3.36.35.46 | | | | |
| 53 | 6 0.33.42.58.54.24 | 6.31.16.49.15.21.41 | 1.42.21.29.17.31.55 | 8.35.47.31.31.50 | | | | |
| 54 | 6 7.21.53.58.53.10 | 6.38.39.46.47.20.58 | 1.44.17.21.55.12.17 | 8.45.31.26.27.55 | | | | |
| 55 | 6.14.10 4.58.51.55 | 6.46 2.44.19.20.14 | 1.46.13.14.32.54.38 | 8.55.15.21.23.59 | | | | |
| 56 | 6.20.58.15.58.50.41 | 6.53.25.41.51.19.31 | 1.48 9 7.10.35.59 | 9 4.59.16.20 4 | | | | |
| 57 | 6.27.46.26.58.49.27 | 7 0.48.39.23.18.47 | 1.50 4.59.48.17.21 | 9.14.43.11.16 8 | | | | |
| 58 | 6.34.34.37.58.48.23 | 7 8.11.36.55.18 4 | 1.52 0.52.25.58.42 | 9.24.27 6.12.12 | | | | |
| 59 | 6.41.22.48.58.46.58 | 7.15.34.34.27.17.21 | 1.53.56.45 3.40 4 | 9.34.11 1 8.17 | | | | |
| 60 | 6.48.10.59.58.45.14 | 7.22.57.31.59.16.37 | 1.55.52.37.41.21.25 | 9.43.54.56 4.21 | | | | |
| Sexagenaria | " Sex. Di. " " " " | " Sex. Di. " " " " | " " " Sex. Di. " " " | " " " Sex. Di. " " | | | | |
| | " " " Sex. Di. " " " | " " " Sex. Di. " " " | " " " " Sex. Di. " " | " " " " Sex. Di. " | | | | |
| | " " " " Sex. Di. " " | " " " " Sex. Di. " " | Restitutionum. | | | | | |

Quartarum.

CANON Sexagenarius Dierum in Restitutionibus integris

| Restitu- tiones. | SOLIS ad Martem. | | | SOLIS ad Iovem. | | | SOLIS ad Saturnum. | | | SOLIS ad ♄ Lunæ | | |
|---------------------|--------------------|-------|-----|--------------------|------|-----|--------------------|---------|-----|--------------------|-----|-----|
| | " Sex. D. " | " " | " " | " Sex. D. " | " " | " " | " Sex. D. " | " " | " " | " Sex. D. " | " " | " " |
| 1 | 0.12.59.56 | 6.23 | | 0.6.38.53 | 3.23 | | 0.6.18 | 5.30.35 | | 0.5.46.37.11 | 8 | |
| 2 | 0.25.59.52 | 12.45 | | 0.13.17.46 | 6.45 | | 0.12.36.11 | 1.10 | | 0.11.33.14.22.15 | | |
| 3 | 0.38.59.48 | 19.8 | | 0.19.56.39.10. | 8 | | 0.18.54.16.31.45 | | | 0.17.19.51.33.23 | | |
| 4 | 0.51.59.44 | 25.30 | | 0.26.35.32.13.31 | | | 0.25.12.22 | 2.19 | | 0.23.6.28.44.30 | | |
| 5 | 1.4.59.40 | 31.53 | | 0.33.14.25.16.54 | | | 0.31.30.27.32.54 | | | 0.28.53.5.55.38 | | |
| 6 | 1.17.59.36 | 38.15 | | 0.39.53.18.20.16 | | | 0.37.48.33.3.29 | | | 0.34.39.43.6.46 | | |
| 7 | 1.30.59.32 | 44.38 | | 0.46.32.11.23.39 | | | 0.44.6.38.34.4 | | | 0.40.26.20.17.53 | | |
| 8 | 1.43.59.28 | 51.0 | | 0.53.11.4.27.2 | | | 0.50.24.44.4.39 | | | 0.46.12.57.29.0 | | |
| 9 | 1.56.59.24 | 57.23 | | 0.59.49.57.30.24 | | | 0.56.42.49.35.13 | | | 0.51.59.34.40.9 | | |
| 10 | 2.9.59.21 | 3.45 | | 1.6.28.50.33.47 | | | 1.3.0.55.5.48 | | | 0.57.46.11.51.16 | | |
| 11 | 2.22.59.17 | 10.8 | | 1.13.7.43.37.10 | | | 1.9.19.0.36.23 | | | 1.3.32.49.2.24 | | |
| 12 | 2.35.59.13 | 16.30 | | 1.19.46.36.40.33 | | | 1.15.37.6.6.58 | | | 1.9.19.26.13.11 | | |
| 13 | 2.48.59.9 | 22.53 | | 1.26.25.29.43.55 | | | 1.21.55.11.37.33 | | | 1.15.6.3.24.39 | | |
| 14 | 3.1.59.5.29.15 | | | 1.33.4.22.47.18 | | | 1.28.13.17.8.7 | | | 1.20.52.40.35.47 | | |
| 15 | 3.14.59.1.35.38 | | | 1.39.43.15.50.41 | | | 1.34.31.22.38.42 | | | 1.26.39.17.46.54 | | |
| 16 | 3.27.58.57.42.1 | | | 1.46.22.8.54.3 | | | 1.40.49.28.9.17 | | | 1.32.25.54.58.2 | | |
| 17 | 3.40.58.53.48.23 | | | 1.53.1.1.57.26 | | | 1.47.7.33.39.52 | | | 1.38.12.32.9.10 | | |
| 18 | 3.53.58.49.54.46 | | | 1.59.39.55.0.49 | | | 1.53.25.39.10.27 | | | 1.43.59.9.20.17 | | |
| 19 | 4.6.58.46.1.8 | | | 2.6.18.48.4.11 | | | 1.59.43.44.41.2 | | | 1.49.45.46.31.25 | | |
| 20 | 4.19.58.42.7.31 | | | 2.12.57.41.7.34 | | | 2.6.1.50.11.36 | | | 1.55.32.23.42.32 | | |
| 21 | 4.32.58.38.13.53 | | | 2.19.36.34.10.57 | | | 2.12.19.55.42.12 | | | 2.1.19.0.52.40 | | |
| 22 | 4.45.58.34.20.16 | | | 2.26.15.27.14.20 | | | 2.18.38.1.12.46 | | | 2.7.5.38.4.40 | | |
| 23 | 4.58.58.30.26.38 | | | 2.32.54.20.17.42 | | | 2.24.56.6.43.21 | | | 2.12.52.15.15.55 | | |
| 24 | 5.11.58.26.33.1 | | | 2.39.33.13.21.5 | | | 2.31.14.12.13.56 | | | 2.18.38.52.27.3 | | |
| 25 | 5.24.58.22.39.23 | | | 2.46.12.6.24.28 | | | 2.37.32.17.44.31 | | | 2.24.25.29.38.10 | | |
| 26 | 5.37.58.18.45.46 | | | 2.52.50.59.27.50 | | | 2.43.50.23.15.5 | | | 2.30.12.6.49.18 | | |
| 27 | 5.50.58.14.52.8 | | | 2.59.29.52.31.13 | | | 2.50.8.28.45.40 | | | 2.35.58.44.0.26 | | |
| 28 | 6.3.58.10.58.31 | | | 3.6.8.45.34.36 | | | 2.56.26.34.16.15 | | | 2.41.45.21.11.33 | | |
| 29 | 6.16.58.7.4.53 | | | 3.12.47.38.37.59 | | | 3.2.44.39.46.50 | | | 2.47.31.58.22.41 | | |
| 30 | 6.29.58.3.11.16 | | | 3.19.26.31.41.21 | | | 3.9.2.45.17.25 | | | 2.53.18.24.22.48 | | |
| 31 | 6.42.57.59.17.39 | | | 3.26.5.24.44.44 | | | 3.15.20.50.48.0 | | | 2.59.5.12.44.50 | | |
| 32 | 6.55.57.55.24.1 | | | 3.32.44.17.48.7 | | | 3.21.38.56.18.34 | | | 3.4.51.49.56.3 | | |
| 33 | 7.8.57.51.30.24 | | | 3.39.23.10.51.29 | | | 3.27.57.1.49.9 | | | 3.10.38.27.7.11 | | |
| 34 | 7.21.57.47.36.46 | | | 3.46.2.3.54.52 | | | 3.34.15.7.19.44 | | | 3.16.25.4.10.9 | | |
| 35 | 7.34.57.43.43.9 | | | 3.52.40.56.58.15 | | | 3.40.33.12.50.19 | | | 3.22.11.41.29.27 | | |
| 36 | 7.47.57.39.49.31 | | | 3.59.19.50.1.38 | | | 3.46.51.18.20.54 | | | 3.27.58.18.40.24 | | |
| 37 | 8.0.57.35.55.54 | | | 4.5.58.43.5.0 | | | 3.53.9.23.51.29 | | | 3.33.44.55.51.42 | | |
| 38 | 8.13.57.32.2.16 | | | 4.12.37.36.8.23 | | | 3.59.27.29.22.3 | | | 3.39.31.33.2.49 | | |
| 39 | 8.26.57.28.8.39 | | | 4.19.16.29.11.46 | | | 4.5.45.34.52.38 | | | 3.45.18.10.12.57 | | |
| 40 | 8.39.57.24.15.1 | | | 4.25.55.22.15.8 | | | 4.12.3.40.23.13 | | | 3.51.4.47.25.9 | | |
| 41 | 8.52.57.20.21.24 | | | 4.32.34.15.18.31 | | | 4.18.21.45.53.48 | | | 3.56.51.24.36.12 | | |
| 42 | 9.5.57.16.27.46 | | | 4.39.13.8.21.54 | | | 4.24.39.51.24.23 | | | 4.2.38.1.4.20 | | |
| 43 | 9.18.57.12.34.9 | | | 4.45.52.1.25.16 | | | 4.30.57.56.54.58 | | | 4.8.24.38.58.28 | | |
| 44 | 9.31.57.8.40.31 | | | 4.52.30.54.28.39 | | | 4.37.16.2.25.32 | | | 4.14.11.16.9.35 | | |
| 45 | 9.44.57.4.46.54 | | | 4.59.9.47.32.2 | | | 4.43.34.7.56.7 | | | 4.29.57.53.20.43 | | |
| 46 | 9.57.57.0.53.16 | | | 5.5.48.40.35.25 | | | 4.49.52.13.26.42 | | | 4.25.44.30.31.50 | | |
| 47 | 10.10.56.56.59.39 | | | 5.12.27.33.38.47 | | | 4.56.10.18.57.17 | | | 4.31.31.7.42.58 | | |
| 48 | 10.23.56.53.6.2 | | | 5.19.6.26.42.10 | | | 5.2.28.24.27.52 | | | 4.37.17.44.54.6 | | |
| 49 | 10.36.56.49.12.24 | | | 5.25.45.19.45.33 | | | 5.8.46.29.58.27 | | | 4.43.4.22.5.13 | | |
| 50 | 10.49.56.45.18.46 | | | 5.32.24.12.48.55 | | | 5.15.4.35.29.1 | | | 4.48.50.59.16.21 | | |
| 51 | 11.2.56.41.25.9 | | | 5.39.3.5.52.18 | | | 5.21.22.40.59.36 | | | 4.54.37.26.27.28 | | |
| 52 | 11.15.56.37.31.32 | | | 5.45.41.58.55.41 | | | 5.27.40.46.30.11 | | | 5.0.24.13.38.36 | | |
| 53 | 11.28.56.33.37.54 | | | 5.52.20.51.59.4 | | | 5.33.58.52.0.46 | | | 5.6.10.50.49.44 | | |
| 54 | 11.41.56.29.44.17 | | | 5.58.59.45.2.26 | | | 5.40.16.57.31.21 | | | 5.11.57.28.0.51 | | |
| 55 | 11.54.56.25.50.39 | | | 6.5.38.38.5.49 | | | 5.46.35.3.1.55 | | | 5.17.44.5.11.59 | | |
| 56 | 12.7.56.21.57.2 | | | 6.12.17.31.9.12 | | | 5.52.53.8.32.30 | | | 5.23.30.42.23.7 | | |
| 57 | 12.20.56.18.3.24 | | | 6.18.56.24.12.34 | | | 5.59.11.14.3.5 | | | 5.29.17.19.34.14 | | |
| 58 | 12.33.56.14.9.47 | | | 6.25.35.17.15.57 | | | 6.5.29.19.33.40 | | | 5.35.3.56.45.22 | | |
| 59 | 12.46.56.10.16.9 | | | 6.32.14.10.19.20 | | | 6.11.47.25.4.15 | | | 5.40.50.33.56.29 | | |
| 60 | 12.59.56.6.22.32 | | | 6.38.53.3.22.43 | | | 6.18.5.30.34.50 | | | 5.46.37.11.7.37 | | |
| | " " " Sex. Di. " | | | " " " Sex. Di. " | | | " " " Sex. Di. " | | | " " " Sex. Di. " | | |
| | " " " " Sex. Di. " | | | " " " " Sex. Di. " | | | " " " " Sex. Di. " | | | " " " " Sex. Di. " | | |
| Sexag. Restit. | | | | | | | | | | | | |

CANON Sexagenarius Dierum

| Anni | In anis Iulianis. | In annis Tropicis. | In annis Sideriis. |
|--------------|----------------------|----------------------|----------------------|
| | " Sex. Di. ' " | " Sex. Di. ' " " | " Sex. Di. ' " " |
| 1 | 0. 6. 5.15 | 0. 6. 5.14.32.24 | 0. 6. 5.15.24. 9 |
| 2 | 0.12.10.30 | 0.12.10.29. 4.48 | 0.12.10.30.48.17 |
| 3 | 0.18.15.45 | 0.18.15.43.37.12 | 0.18.15.46.12.26 |
| 4 | 0.24.21. 0 | 0.24.20.58. 9.36 | 0.24.21. 1.36.35 |
| 5 | 0.30.26.15 | 0.30.26.12.42. 0 | 0.30.26.17. 0.43 |
| 6 | 0.36.31.30 | 0.36.31.27.14.24 | 0.36.31.32.24.52 |
| 7 | 0.42.36.45 | 0.42.36.41.46.48 | 0.42.36.47.49. 0 |
| 8 | 0.48.42. 0 | 0.48.41.56.19.12 | 0.48.42. 3.13. 9 |
| 9 | 0.54.47.15 | 0.54.47.10.51.36 | 0.54.47.18.37.18 |
| 10 | 1. 0.52.30 | 1. 0.52.25.24. 0 | 1. 0.52.34. 1.26 |
| 11 | 1. 6.57.45 | 1. 6.57.39.56.24 | 1. 6.57.49.25.35 |
| 12 | 1.13. 3. 0 | 1.13. 2.54.28.48 | 1.13. 3. 4.49.44 |
| 13 | 1.19. 8.15 | 1.19. 8. 9. 1.12 | 1.19. 8.20.13.52 |
| 14 | 1.25.13.30 | 1.25.13.23.33.36 | 1.25.13.35.38. 1 |
| 15 | 1.31.18.45 | 1.31.18.38. 6. 0 | 1.31.18.51. 2. 9 |
| 16 | 1.37.24. 0 | 1.37.23.52.38.24 | 1.37.24. 6.26.18 |
| 17 | 1.43.29.15 | 1.43.29. 7.10.48 | 1.43.29.21.50.27 |
| 18 | 1.49.34.30 | 1.49.34.21.43.12 | 1.49.34.37.14.35 |
| 19 | 1.55.39.45 | 1.55.39.36.15.36 | 1.55.39.52.38.44 |
| 20 | 2. 1.45. 0 | 2. 1.44.50.48. 0 | 2. 1.45. 8. 2.53 |
| 21 | 2. 7.50.15 | 2. 7.50. 5.20.24 | 2. 7.50.23.27. 1 |
| 22 | 2.13.55.30 | 2.13.55.19.52.48 | 2.13.55.38.51.10 |
| 23 | 2.20. 0.45 | 2.19. 0.34.25.12 | 2.19. 0.54.15.18 |
| 24 | 2.26. 6. 0 | 2.26. 5.48.57.36 | 2.26. 6. 9.39.27 |
| 25 | 2.32.11.15 | 2.32.11. 3.30. 0 | 2.32.11.25. 3.36 |
| 26 | 2.38.16.30 | 2.38.16.18. 2.24 | 2.38.16.40.27.44 |
| 27 | 2.44.21.45 | 2.44.21.32.34.48 | 2.44.21.55.51.53 |
| 28 | 2.50.27. 0 | 2.50.26.47. 7.12 | 2.50.27.11.16. 2 |
| 29 | 2.56.32.15 | 2.56.32. 1.39.36 | 2.56.32.26.40.10 |
| 30 | 3. 2.37.30 | 3. 2.37.16.12. 0 | 3. 2.37.42. 4.19 |
| 31 | 3. 8.42.45 | 3. 8.42.30.44.24 | 3. 8.42.57.28.27 |
| 32 | 3.14.48. 0 | 3.14.47.45.16.48 | 3.14.48.12.52.36 |
| 33 | 3.20.53.15 | 3.20.52.59.49.12 | 3.20.53.28.16.45 |
| 34 | 3.26.58.30 | 3.26.58.14.21.36 | 3.26.58.43.40.53 |
| 35 | 3.33. 3.45 | 3.33. 3.28.54. 0 | 3.33. 3.59. 5. 2 |
| 36 | 3.39. 9. 0 | 3.39. 8.43.26.24 | 3.39. 9.14.29.11 |
| 37 | 3.45.14.15 | 3.45.13.57.58.48 | 3.45.14.29.53.19 |
| 38 | 3.51.19.30 | 3.51.19.12.31.12 | 3.51.19.45.17.28 |
| 39 | 3.57.24.45 | 3.57.24.27. 3.36 | 3.57.25. 0.41.37 |
| 40 | 4. 3.30. 0 | 4. 3.29.41.36. 0 | 4. 3.30.16. 5.45 |
| 41 | 4. 9.35.15 | 4. 9.34.56. 8.24 | 4. 9.35.31.29.54 |
| 42 | 4.15.40.30 | 4.15.40.10.40.48 | 4.15.40.46.54. 2 |
| 43 | 4.21.45.45 | 4.21.45.25.13.12 | 4.21.46. 2.18.11 |
| 44 | 4.27.51. 0 | 4.27.50.39.45.36 | 4.27.51.17.42.20 |
| 45 | 4.33.56.15 | 4.33.55.54.18. 0 | 4.33.56.33. 6.28 |
| 46 | 4.40. 1.30 | 4.40. 1. 8.50.24 | 4.40. 1.48.30.37 |
| 47 | 4.46. 6.45 | 4.46. 6.23.22.48 | 4.46. 7. 3.54.46 |
| 48 | 4.52.12. 0 | 4.52.11.37.55.12 | 4.52.12.19.18.54 |
| 49 | 4.58.17.15 | 4.58.16.52.27.36 | 4.58.17.34.43. 3 |
| 50 | 5. 4.22.30 | 5. 4.22. 7. 0. 0 | 5. 4.22.50. 7.11 |
| 51 | 5.10.27.45 | 5.10.27.21.32.24 | 5.10.28. 5.31.20 |
| 52 | 5.16.33. 0 | 5.16.32.36. 4.48 | 5.16.33.20.55.29 |
| 53 | 5.22.38.15 | 5.22.37.50.37.12 | 5.22.38.36.19.37 |
| 54 | 5.28.43.30 | 5.28.43. 5. 9.36 | 5.28.43.51.43.46 |
| 55 | 5.34.48.45 | 5.34.48.19.42. 0 | 5.34.49. 7. 7.55 |
| 56 | 5.40.54. 0 | 5.40.53.34.14.24 | 5.40.54.22.32. 3 |
| 57 | 5.46.59.15 | 5.46.58.48.46.48 | 5.46.59.37.56.12 |
| 58 | 5.53. 4.30 | 5.53. 4. 3.19.11 | 5.53. 4.53.20.20 |
| 59 | 5.59. 9.45 | 5.59. 9.17.51.35 | 5.59.10. 8.44.29 |
| 60 | 6. 5.15. 0 | 6. 5.14.32.23.59 | 6. 5.15.24. 8.38 |
| | ''' " Sex. Di. ' " | ''' " Sex. Di. ' " | ''' " Sex. Di. ' " |
| | v ''' " Sex. Di. ' " | v ''' " Sex. Di. ' " | v ''' " Sex. Di. ' " |
| Añorú Sexag. | | | |

T A B U L A R V M
R U D O L P H I A S T R O -
N O M I C A R V M
P A R S Q U A R T A,

De Obliquitatis Eclipticae, Praecessionis Aequinoctiorum et Latitudinis Fixarum Prosthaphaeresibus.

Epochae Argumenti Obliquitatis et Prosthaphaereseos Aequinoctiorum forma quintuplici.

| I. Ex fide Observationum antiquarum tota. | | | | | II. Archetypica tota ex Epitome. | | | | | III. Mixta Epochae ex observatis. | | | | | IV. Mixta circelli diametro ex observatis. | | | | | V. Mixta diametro Circel. minore ex observ. | | | | |
|---|-----------------|----------------|--------------------------|----------|----------------------------------|------------------------|--------------|--------------|--------------|-----------------------------------|-----------|------------------------|-----------|-----------|--|-----------|------------------------|-----------|-----------|---|------|--------------|--------------|--------------|
| Annó | | Argu- mentú | Obliquitas Ecliptica. | | Prosth. Æquin | Anni com- pleti. | Argumētú. | Argumētú. | Argumētú. | Argumētú. | Argumētú. | Anni com- pleti. | Argumētú. | Argumētú. | Argumētú. | Argumētú. | Anni com- pleti. | Argumētú. | Argumētú. | Argumētú. | | | | |
| Ante Christú. | Post Christ. | | Sig. Gr. | Par. ' " | | | | | | | | | | | | | | | | | Adde | Sig. Gr. ' " | Sig. Gr. ' " | Sig. Gr. ' " |
| 2661 | 6 | 0.0 | 23.53.16 | 0.0" | 4000 | 3.1.56 | 2.21.52 | 11.29.45 | 8.29.28 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2587 | 80 | 0.10 | 53.5 | 5.16 | 3000 | 3.6.34 | 2.28.18 | 1.1.47 | 10.17.42 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2513 | 154 | 0.20 | 52.31 | 10.28 | 2000 | 3.11.12 | 3.4.43 | 2.3.48 | 0.5.56 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2439 | 228 | 1.0 | 51.37 | 15.18 | 1000 | 3.15.50 | 3.11.9 | 3.5.50 | 1.24.10 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2365 | 302 | 1.10 | 50.23 | 19.43 | 900 | 3.16.17 | 3.11.48 | 3.9.2 | 1.28.59 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2291 | 376 | 1.20 | 48.52 | 23.30 | 800 | 3.16.45 | 3.12.26 | 3.12.14 | 2.3.48 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2217 | 450 | 2.0 | 47.6 | 26.33 | 700 | 3.17.13 | 3.13.5 | 3.15.26 | 2.8.38 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2143 | 524 | 2.10 | 45.10 | 28.54 | 600 | 3.17.41 | 3.13.43 | 3.18.38 | 2.13.27 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2069 | 598 | 2.20 | 43.4 | 30.22 | 500 | 3.18.9 | 3.14.22 | 3.21.50 | 2.18.17 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1995 | 672 | 3.0 | 23.40.55 | 30.31 | 400 | 3.18.36 | 3.15.0 | 3.25.13 | 2.23.6 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1921 | 746 | 3.10 | 38.46 | 30.27 | 300 | 3.19.4 | 3.15.39 | 3.28.15 | 2.27.56 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1847 | 820 | 3.20 | 36.39 | 29.4 | 200 | 3.19.32 | 3.16.8 | 4.1.27 | 3.2.45 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1773 | 894 | 4.0 | 34.42 | 26.47 | 100 | 3.20.0 | 3.16.56 | 4.4.39 | 3.7.34 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1699 | 968 | 4.10 | 32.55 | 23.43 | Christi | 3.20.27 | 3.17.35 | 4.7.51 | 3.12.24 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1625 | 1042 | 4.20 | 31.23 | 19.58 | Pol. | 3.20.55 | 3.18.13 | 4.11.3 | 3.17.13 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1551 | 1116 | 5.0 | 30.9 | 15.32 | 200 | 3.21.23 | 3.18.52 | 4.14.15 | 3.22.3 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1477 | 1190 | 5.10 | 29.13 | 10.40 | 300 | 3.21.51 | 3.19.30 | 4.17.28 | 3.26.52 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1403 | 1264 | 5.20 | 28.30 | 5.21 | 400 | 3.22.19 | 3.20.9 | 4.20.40 | 4.1.41 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3993.1329 | 1338 | 6.0 | 23.28.28 | 0. sub | 500 | 3.22.46 | 3.20.47 | 4.23.52 | 4.6.31 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3919.1255 | 1412 | 6.10 | 28.30 | 5.21" | 600 | 3.23.14 | 3.21.26 | 4.27.4 | 4.11.20 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3845.1181 | 1486 | 6.20 | 29.13 | 10.40 | 700 | 3.23.42 | 3.22.5 | 5.0.16 | 4.16.9 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3771.1107 | 1560 | 7.0 | 50.9 | 15.32 | 800 | 3.24.10 | 3.22.43 | 5.3.28 | 4.20.59 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3697.1033 | 1634 | 7.10 | 31.23 | 19.58 | 900 | 3.24.37 | 3.23.22 | 5.6.40 | 4.25.48 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3623.959 | 1708 | 7.20 | 32.55 | 23.43 | 1000 | 3.25.5 | 3.24.0 | 5.9.53 | 5.0.38 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3549.885 | 1782 | 8.0 | 34.42 | 26.47 | 1100 | 3.25.33 | 3.24.39 | 5.13.5 | 5.5.27 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3475.811 | 1856 | 8.10 | 36.39 | 29.4 | 1200 | 3.26.1 | 3.25.17 | 5.16.17 | 5.10.16 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3401.737 | 1930 | 8.20 | 38.46 | 30.27 | 1300 | 3.26.29 | 3.25.56 | 5.19.29 | 5.15.6 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3327.663 | 2004 | 9.0 | 23.40.55 | 30.31 | 1400 | 3.26.56 | 3.26.35 | 5.22.41 | 5.19.55 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3253.589 | 2078 | 9.10 | 43.4 | 30.22 | 1500 | 3.27.24 | 3.27.13 | 5.25.53 | 5.24.45 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3179.515 | 2152 | 9.20 | 45.10 | 28.54 | 1600 | 3.27.52 | 3.27.52 | 5.29.6 | 5.29.34 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3105.441 | 2226 | 10.0 | 47.6 | 26.33 | 1700 | 3.28.20 | 3.28.30 | 6.2.18 | 6.4.23 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3031.367 | 2300 | 10.10 | 48.52 | 23.30 | 1800 | 3.28.47 | 3.29.9 | 6.5.30 | 6.9.13 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2957.293 | 2374 | 10.20 | 50.23 | 19.43 | 1900 | 3.29.15 | 3.29.47 | 6.8.42 | 6.14.2 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2883.219 | 2448 | 11.0 | 51.37 | 15.18 | 2000 | 3.29.43 | 4.0.26 | 6.11.54 | 6.18.51 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2809.145 | 2522 | 11.10 | 52.31 | 10.28 | 2100 | 4.0.11 | 4.1.4 | 6.15.6 | 6.23.41 | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2735.71 | 2596 | 11.20 | 53.5 | 5.16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2661. | 2670 | 12.0 | 23.53.16 | 0.0 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Ante Ch.4000 | | 5.28.58.40 | Accu | | Semid. | 1.47.40 | 1.47.40 | 0.47.10 | 0.23.35 | | | | | | | | | | | | | | | |
| Christi | | | rate | | Circelli | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Epocha | | 11.29.14.40 | | | Obliq. | 24.17.40 | 24.17.40 | 24.17.40 | 23.54.5 | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | Media. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Semidiameter Circelli fit | | 0.12'.24" | | | Annó | ante Chri- | stum | 3993.24 | Iulii. | | | | | | | | | | | | | | | |
| Obliquitas Media | | 23.40.55 | | | Argum. | 3.1.58 | 1.21.55 | 0.0.0 | 8.29.48 | | | | | | | | | | | | | | | |
| Annó ante Christum 3993. die 24. Iulii. | | | | | Obliquitas præcise | | Obliquitas | Obliquitas | Obliquitas | | | | | | | | | | | | | | | |
| Argumentum Sig. 6. 0. 0. 0." | | | | | media, quæ superfici | | Minor Me- | Maxi. præ- | Media præ- | | | | | | | | | | | | | | | |
| Obliquitas Minima præcise. | | | | | em orbis Terrarú sic | | dia, ubi me- | cise ubi me- | cise ubi ma- | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | dividit, ut duæ Zonæ | | dia ponitur | dia ponitur | xima poni- | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | téperataz tãtundé oc- | | ut Forma II. | ut Forma II | tur superfi- | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | cupét, quãtú tres in- | | | | em orbis sic | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | téperataz. Vbi mini- | | | | dividere ut | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | ma ponitur 22.30' | | | | For. II. Me- | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | sedecima circuli. | | | | dia dividit. | | | | | | | | | | | | | | | |

TABVLA Motus Medii Argumenti Obliquitatis Eclipticæ, pro Forma Obliquationis quintuplici.

| In Annis solutis. | I | | II | | III | | IV | | V | |
|-------------------|-----------------------|-------------------------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|-------------------------------------|-----------------------|-------------------------------------|--|
| | Motus Argu- menti. | Pēfatio mo- tus stellar. Adde | Motus Argu- menti. | Motus Argu- menti. | Motus Argu- menti. | Motus Argu- menti. | Pēfatio mo- tus stellar. Adde | Motus Argu- menti. | Pēfatio mo- tus stellar. Adde | |
| | Sig.Gr. ° | Gr. ° | Sig.Gr. ° | Sig.Gr. ° | Sig.Gr. ° | Sig.Gr. ° | Gr. ° | Sig.Gr. ° | Gr. ° | |
| 4 | 0. 0.32.25 | 1 | 0. 0. 1. 7 | 0. 0. 1.33 | 0. 0. 7.41 | 0. 0.10 | 0. 0.11.35 | 0. 0. 5 | | |
| 8 | 1. 4.50 | 2 | 0. 2.13 | 0. 3. 5 | 0.15.22 | 0. 0.19 | 0.23. 9 | 0. 0.10 | | |
| 12 | 1.37.15 | 2 | 0. 3.20 | 0. 4.38 | 0.23. 4 | 0. 0.29 | 0.34.44 | 0. 0.15 | | |
| 16 | 2. 9.40 | 3 | 0. 4.27 | 0. 6.10 | 0.30.45 | 0. 0.39 | 0.46.18 | 0. 0.20 | | |
| 20 | 0. 2.42. 5 | 4 | 0. 0. 5.33 | 0. 0. 7.43 | 0. 0.38.26 | 0. 0.48 | 0. 0.57.53 | 0. 0.25 | | |
| 24 | 3.14.30 | 4 | 0. 6.40 | 0. 9.15 | 0.46. 7 | 0. 0.58 | 1. 9.27 | 0. 9.30 | | |
| 28 | 3.46.55 | 5 | 0. 7.47 | 0.10.48 | 0.53.48 | 0. 1. 7 | 1.21. 2 | 0. 0.35 | | |
| 32 | 4.19.20 | 6 | 0. 8.53 | 0.12.20 | 1. 1.30 | 0. 1.17 | 1.32.36 | 0. 0.40 | | |
| 36 | 4.51.45 | 6 | 0.10. 0 | 0.13.53 | 1. 9.11 | 0. 1.27 | 1.44.11 | 0. 0.45 | | |
| 40 | 0. 5.24.10 | 7 | 0. 0.11. 7 | 0. 0.15.25 | 0. 1.16.52 | 0. 1.36 | 0. 1.55.45 | 0. 0.50 | | |
| 44 | 5.56.35 | 8 | 0.12.13 | 0.16.58 | 1.24.33 | 0. 1.46 | 2. 7.20 | 0. 0.55 | | |
| 48 | 6.29. 0 | 8 | 0.13.20 | 0.18.31 | 1.32.14 | 0. 1.55 | 2.18.54 | 0. 1. 0 | | |
| 52 | 7. 1.24 | 9 | 0.14.27 | 0.20. 4 | 1.39.56 | 0. 2. 5 | 2.30.29 | 0. 1. 5 | | |
| 56 | 7.33.49 | 9 | 0.15.33 | 0.21.36 | 1.47.37 | 0. 2.15 | 2.42. 4 | 0. 1.10 | | |
| 60 | 0. 8. 6.14 | 10 | 0. 0.16.40 | 0. 0.23. 9 | 0. 1.55.18 | 0. 2.24 | 0. 2.53.38 | 0. 1.15 | | |
| 64 | 8.38.39 | 11 | 0.17.47 | 0.24.41 | 2. 2.59 | 0. 2.34 | 3. 5.13 | 0. 1.20 | | |
| 68 | 9.11.14 | 11 | 0.18.53 | 0.26.14 | 2.10.40 | 0. 2.44 | 3.16.47 | 0. 1.25 | | |
| 72 | 9.43.29 | 12 | 0.20. 0 | 0.27.46 | 2.18.22 | 0. 2.53 | 3.28.21 | 0. 1.30 | | |
| 76 | 10.15.54 | 13 | 0.21. 7 | 0.29.19 | 2.26. 3 | 0. 3. 3 | 3.39.56 | 0. 1.35 | | |
| 80 | 0.10.48.19 | 13 | 0. 0.22.13 | 0. 0.30.51 | 0. 2.33.44 | 0. 3.12 | 0. 3.51.30 | 0. 1.40 | | |
| 84 | 11.20.44 | 14 | 0.23.20 | 0.32.24 | 2.41.25 | 0. 3.22 | 4. 3. 5 | 0. 1.45 | | |
| 88 | 11.53. 9 | 15 | 0.24.27 | 0.33.56 | 2.49. 6 | 0. 3.32 | 4.14.39 | 0. 1.50 | | |
| 92 | 12.25.34 | 15 | 0.25.33 | 0.35.29 | 2.56.47 | 0. 3.41 | 4.26.14 | 0. 1.55 | | |
| 96 | 12.57.59 | 16 | 0.26.40 | 0.37. 1 | 3. 4.28 | 0. 3.51 | 4.37.48 | 0. 2. 0 | | |
| 100 | 0.13.30.24 | 17 | 0. 0.27.47 | 0. 0.38.34 | 0. 3.12. 9 | 0. 4. 1 | 0. 4.49.23 | 0. 2. 5 | | |
| 200 | 0.27. 0.48 | 34 | 0.55.33 | 1.17. 7 | 6.24.17 | 0. 8. 2 | 9.38.47 | 0. 4.10 | | |
| 300 | 1.10.31.12 | 51 | 1.23.20 | 1.55.41 | 9.36.26 | 0.12. 4 | 0.14.28.10 | 0. 6.14 | | |
| 400 | 1.24. 1.36 | 1. 9 | 1.51. 7 | 2.34.14 | 12.48.34 | 0.16. 5 | 0.19.17.33 | 0. 8.18 | | |
| 500 | 2. 7.32. 0 | 1.26 | 2.18.53 | 3.12.47 | 16. 0.43 | 0.20. 6 | 0.24. 6.57 | 0.10.24 | | |
| 600 | 2.21. 2.24 | 1.43 | 2.46.40 | 3.51.21 | 19.12.52 | 0.24. 8 | 0.28.56.20 | 0.12.29 | | |
| 700 | 3. 4.32.48 | 2. 0 | 3.14.27 | 4.29.55 | 22.25. 0 | 0.28. 9 | 1. 3.45.43 | 0.14.33 | | |
| 800 | 3.18. 3.12 | 2.17 | 3.42.13 | 5. 8.28 | 25.37. 9 | 0.32.10 | 1. 8.35. 7 | 0.16.38 | | |
| 900 | 4. 1.33.36 | 2.34 | 4.10. 0 | 5.47. 2 | 0.28.49.17 | 0.36.12 | 1.13.24.30 | 0.18.43 | | |
| 1000 | 4.15. 4. 0 | 2.51 | 0. 4.37.47 | 0. 6.25.36 | 1. 2. 1.26 | 0.40.13 | 1.18.13.53 | 0.20.48 | | |
| 2000 | 9. 0. 8. 0 | 5.42 | 9.15.34 | 12.51.12 | 2. 4. 2.52 | 1.20.26 | 3. 6.27.46 | 0.41.36 | | |
| 3000 | 1.15.12. 0 | 8.33 | 13.53.21 | 19.16.48 | 3. 6. 4.18 | 2. 0.39 | 4.24.41.39 | 1. 2.24 | | |
| 4000 | 6. 0.16. 0 | 11.24 | 18.31. 8 | 0.25.42.24 | 4. 8. 5.44 | 2.40.52 | 6.12.55.32 | 1.23.12 | | |
| 5000 | 10.15.20. 0 | 14.15 | 23. 8.55 | 1. 2. 8. 0 | 5.10. 7.10 | 3.21. 5 | 8. 1. 9.25 | 1.44. 0 | | |
| 6000 | 3. 0.24. 0 | 17. 6 | 0.27.46.42 | 1. 8.33.36 | 6.12. 8.36 | 4. 1.18 | 9.19.23.18 | 2. 4.48 | | |
| 7000 | 7.15.28. 0 | 19.57 | 1. 2.24.29 | 1.14.59.12 | 7.14.10. 2 | 4.41.31 | 11. 7.37.11 | 2.25.36 | | |
| 8000 | 0. 0.32. 0 | 22.48 | 1. 7. 2.16 | 1.21.24.48 | 8.16.11.28 | 5.21.44 | 0.25.51. 4 | 2.46.24 | | |
| 9000 | 4.15.36. 0 | 25.39 | 1.11.40. 3 | 1.27.50.24 | 9.18.12.54 | 6. 1.57 | 2.14. 4.57 | 3. 7.12 | | |
| 10000 | 9. 0.40. 0 | 28.30 | 1.16.17.50 | 2. 4.16. 0 | 10.20.14.20 | 6.42.10 | 4. 2.18.50 | 3.28. 0 | | |
| 11000 | 1.15.44. 0 | 31.21 | 1.20.55.37 | 2.10.41.36 | 11.22.15.46 | 7.22.23 | 5.20.32.43 | 3.48.48 | | |
| 12000 | 6. 0.48. 0 | 34.12 | 1.25.33.24 | 2.17. 7.12 | 12.24.17.12 | 8. 2.36 | 7. 8.46.36 | 4. 9.36 | | |

Ante Ch.4000. Initium

Ante Ch.4000.Sub.3.47.0 Ante Ch.4000.Sub.1.57.5

TABELLA CORRECTIONIS OBLIQUITATIS.

| Aggregatū | Corr. | Aggregatū | Corr. | Aggregatū | Corr. | Aggregatū | Corr. | Aggregatū | Corr. | Aggregatū | Corr. |
|-----------|-------|-----------|-------|-----------|-------|-----------|-------|-----------|-------|-----------|-------|
| 620000 | 0'.1" | 496000 | 0'12 | 443000 | 0'33 | 411000 | 1'.4" | 384000 | 1'45 | 365000 | 2'36 |
| 584 | 2 | 488 | 14 | 438 | 36 | 407 | 8 | 382 | 50 | 363 | 42 |
| 563 | 3 | 481 | 16 | 434 | 39 | 404 | 12 | 380 | 55 | 362 | 48 |
| 550 | 4 | 476 | 18 | 430 | 42 | 401 | 16 | 378 | 2'.0" | 360 | 54 |
| 538 | 5 | 471 | 20 | 427 | 45 | 398 | 20 | 376 | 5 | 358 | 3'.0" |
| 528 | 6 | 466 | 22 | 424 | 48 | 396 | 24 | 374 | 10 | 357 | 6 |
| 520 | 7 | 461 | 24 | 421 | 51 | 393 | 28 | 372 | 15 | 355 | 12 |
| 514 | 8 | 456 | 26 | 419 | 54 | 391 | 32 | 370 | 20 | 352 | 24 |
| 509 | 9 | 452 | 28 | 416 | 0'57 | 389 | 36 | 369 | 25 | 349 | 36 |
| 504000 | 0.10 | 448000 | 0.30 | 414000 | 1'.0" | 387000 | 1'40 | 367000 | 2'30 | 346000 | 3'48 |

CATALOGUS STELLARUM FIXARUM MILLE, EX ACCURATIS TYCHONIS BRAHE OBSERVATIONIBUS ET CALCULO AD ANNUM INCARNATIONIS MDC. COMPLETUM.

Cum aliis nonnullis ex Hemisphærio Australi; quæ Uraniburgi ob magnam Poli Borei altitudinem, aut omnino aut commode videri non possunt.

DENOMINATIO STELLARUM. Longitudo G.M.S. Latitudo G.M. DENOMINATIO STELLARUM. Longitudo G.M.S. Latitudo G.M.

I URSA MINOR, CYNOSURA.

Ultima caudæ

Informis inter caudas hujus & Ω

Illa quæ in dorso

In sinistro pede posteriori

Informis int. urf. & cap. Leonis

Illa quæ supra hanc ad ortum

Illa quæ hanc præcedit

Sequens duarum ante has

Earum præcedens

Inter extremum pedem & cap. Ω

Sequens borealis

Sequens australis

Præced. duarum in basi oxygonii

Sequens

Tertia borealis in oxygonio

Quæ inter crura ursæ

Prima inter caudam & corpus

Secunda

Tertia

Prima inter ursam & cap. Leonis

Secunda

Tertia

Quarta

Quinta

Sexta

Septima

Octava

Nona

Parvula quæ contingit coxam

III DRACO.

Quæ est in lingua

In ore

Duarum lucidarum in capite præcedens

Quæ ad genam [cedens

Sequens lucidarum

In prima colli inflexione trium boreal. vulgò lucida capitis

Australis

Media earundem

Quæ sequitur ad ortum

Quæ est propè secundâ flexuram

Borea [secundâ flexuræ

Borea lateris sequentis

Australis ejusdem lateris

Sequentis Trianguli præcedens

Quæ sequitur ad austrum

Quæ supra hanc

In reliquo Triangulo sequens

Australis ejusdem

Præcedens ac borealis Trianguli

Quæ in flexura nodi tertii

| | | | | |
|----|--|-----------|----------|---|
| 1 | In extremo caudæ, vulgò Polaris | 23. 2f II | 66. 2 B | 2 |
| 2 | Penultima caudæ | 25. 36 II | 69. 50 f | 4 |
| 3 | Quæ in caudæ radice | 3. 24 Ω | 73. 50 | 4 |
| 4 | Superior duarum in □ sequentiū | 21. 29 Ω | 75. 0 | 4 |
| 5 | Earundem inferior | 24. 52 Ω | 77. 38 f | 5 |
| 6 | Superior duarū in □ præcedentiū | 7. 16 f Ω | 72. 51 f | 2 |
| 7 | Earundem inferior | 14. 41 Ω | 75. 23 f | 3 |
| 8 | Informis duarū Aust. ad cap. Ursæ | 2. 54 Ω | 71. 23 | 6 |
| 9 | Quæ supra hanc Informis, principii earum, quæ sunt in linea recta cum Polo | 27. 20 Ω | 70. 18 | 6 |
| 10 | | 17. 17 II | 35. 50 | 6 |
| 11 | Secunda | 17. 28 II | 37. 20 | 6 |
| 12 | Tertia obscura | 17. 45 II | 40. 13 | 6 |
| 13 | Quarta | 18. 3 II | 42. 56 | 6 |
| 14 | Prima informis circa Polarem | 21. 38 Ω | 57. 55 | 6 |
| 15 | Secunda | 21. 55 II | 70. 42 | 6 |
| 16 | Tertia | 24. 31 II | 69. 3 | 6 |
| 17 | Quarta | 15. 7 II | 68. 4 | 6 |
| 18 | Quinta | 7. 22 II | 67. 43 | 6 |
| 19 | Sexta | 9. 57 II | 67. 22 | 6 |
| 20 | Vicinissima Polo | 26. 30 II | 63. 55 B | 6 |

| | | |
|---------|---------|---|
| 21.12 m | 54.25 B | 2 |
| 17.43 m | 40. 6 | 2 |
| 28.10 Ω | 41.30 | 4 |
| 21. 2 Ω | 33. 1 | 5 |
| 6.17 Ω | 17.55 | 3 |
| 8.10 Ω | 20.42 | 4 |
| 5. 0 Ω | 20. 5 | 7 |
| 1.57 Ω | 20.51 | 4 |
| 29.42 Ω | 23.41 | 7 |
| 14.12 Ω | 21.53 | 4 |
| 18.55 Ω | 25. 4 | 7 |
| 19.57 Ω | 24.50 | 3 |
| 23.22 Ω | 21.28 | 3 |
| 26. 9 Ω | 20.44 | 3 |
| 25.19 Ω | 24.58 | 4 |
| 12.16 m | 40.30 | 5 |
| 21.29 Ω | 58. 8 | 6 |
| 23.55 Ω | 47.14 | 6 |
| 19.49 Ω | 47.30 | 6 |
| 23.17 Ω | 46.50 | 6 |
| 3.58 Ω | 47.55 | 6 |
| 6. 0 m | 48.40 | 6 |
| 6.30 m | 49.42 | 6 |
| 6.19 m | 49.42 | 6 |
| 19. 5 m | 49. 0 | 6 |
| 18. 1 m | 49.27 | 6 |
| 25.42 m | 48.11 | 6 |
| 16. 2 m | 52.25 | 6 |
| 1.41 Ω | 35.40 B | 6 |

II. URSA MAIOR, HELICE.

| | | | | |
|----|---|-----------|-----------|---|
| 1 | Quæ in rostro | 17.36 f Ω | 40. 2 f B | 4 |
| 2 | Sub oculo sinistro | 17.10 Ω | 43.55 f | 4 |
| 3 | Contigua sub hac | * 16. 8 Ω | 44.22 | 5 |
| 4 | Supra oculum dextrum | 18.25 Ω | 47.50 f | 4 |
| 5 | Supra oculum sinistrum | 19.44 f Ω | 47.44 f | 4 |
| 6 | Ad aurem sinistram | 24.42 f Ω | 51.36 f | 5 |
| 7 | Infima & præced. in parvo Δ colli | 23.50 Ω | 42.30 | 5 |
| 8 | Sequens in eodem Triangulo | 25. 2 Ω | 45. 3 | 4 |
| 9 | Suprema in apice ejusdem Δ * | 28. 0 Ω | 46.21 f | 5 |
| 10 | In collo, dicto Δ succedens | 0.38 Ω | 42.36 | 4 |
| 11 | Sequens infra hanc | 3.38 f Ω | 38.15 f | 4 |
| 12 | In genu sinistro anteriori | 0.32 f Ω | 34.34 f | 3 |
| 13 | Duarū in dextro pede borealior | 25.56 Ω | 29.15 f | 3 |
| 14 | Australior | 27.10 Ω | 28.38 | 3 |
| 15 | Infra genu dextrum | 27. 7 Ω | 33.30 | 5 |
| 16 | In ipso genu dextro | 27.26 Ω | 36. 6 | 5 |
| 17 | Superior præced. in □ majori | 9.34 Ω | 49.40 | 2 |
| 18 | Inferior ejusdem □ | 13.43 f Ω | 45. 3 f | 2 |
| 19 | Superior sequentium quadrati | 25.25 f Ω | 51.37 | 2 |
| 20 | Inferior earundem | 24.45 Ω | 47. 6 f | 2 |
| 21 | Superior sinistri pedis posteriorū | 13.56 f Ω | 29.51 f | 4 |
| 22 | Sequens & australior | 15. 4 f Ω | 28.45 | 4 |
| 23 | In genu præcedente pedum posterioris [de posteriore | 22.33 Ω | 35.14 | 4 |
| 24 | Præcedens duarum in dextro pede | 0.55 m | 26.14 | 4 |
| 25 | Sequens & australior | 1.36 m | 24.54 | 4 |
| 26 | Antepenultima caudæ | 3.10 m | 54.18 | 2 |
| 27 | Penultima | 9.56 f m | 56.22 B | 2 |

| | | |
|-----------|-----------|---|
| 18.56 f m | 76.17 B | 4 |
| 4.14 f + | 78.15 f | 4 |
| 6.19 f + | 75.21 | 3 |
| 19. 3 + | 80.21 f | 4 |
| 22.24 + | 75. 3 f | 3 |
| 17. 4 f | 81.53 | 5 |
| 24.31 f | 77.57 | 5 |
| 20.33 f f | 79.51 f | 5 |
| 9.29 m | 80.53 f | 4 |
| 28.33 m | 81.51 | 4 |
| 12.26 f v | 82.49 | 3 |
| 15.21 v | 78. 9 f | 4 |
| 27.47 v | 79.25 | 3 |
| 15.18 v | 83. 5 | 4 |
| 19.40 f v | 80.38 | 4 |
| 26.44 v | 80.54 | 4 |
| 6.34 f Ω | 83. 4 f | 4 |
| 1.28 Ω | 83.28 f | 4 |
| 5.31 II | 84.48 | 4 |
| 29.44 f Ω | 81. 4 f B | 3 |

O Polo

Sat. 47.

Sat. 49

| DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|-------------------------------|---|------------------|---------------|------|-----------------------------------|-------------------------------------|------------------|---------------|--------|
| 1 | Polo Zodiaci proxima | 6.26 Ω | 86.53 B | 4 | 1 | Quæ sequitur lucidam | 9.14 M | 44.33 B | 4 5 |
| | Quæ 24 sequitur | 28.21 M | 83.18 | 5 | 2 | Proximè sequens | 11.25 M | 44.52 | 4 6 |
| | Succedens huic | 28.22 M | 81.41 | 5 | 3 | Quæ hanc rursus comitatur | 13.32 M | 46.9 f | 4 7 |
| | Polo vicinior, mediocriter lucida | 26.51 f M | 84.46 | 3 | 4 | Omnium ultima | 13.2 M | 48.24 B | 6 8 |
| | Præcedens antepenultimā ab extrema flexione | 7.55 Ω | 78.32 | 3 | VII ENGONASI, HERCULES. | | | | |
| | Antepenult. flexuram præcedens | 12.28 f Ω | 74.11 f | 3 | 1 | In capite | 10.31 + | 37.23 B | 3 1 |
| | Penultima ad flexuram | 29.22 M | 71.4 | 3 | 2 | In humero dextro | 25.27 M | 42.48 | 3 2 |
| | Quæ flexuram sequitur, secunda | 29.17 Ω | 65.18 | 5 | 3 | Penultima dextri brachii | 23.36 M | 40.5 f | 3 3 |
| | Quæ flexuram proximè sequitur | 2.10 f M | 66.36 | 2 | 4 | Infima in dextro brachio | 20.6 f M | 37.19 | 4 4 |
| | Penultima caudæ | 10.26 Ω | 61.33 | 3 | 5 | In sinistro humero | 9.10 + | 47.47 | 3 5 |
| | Ultima caudæ | 4.37 f Ω | 57.7 | 3 | 6 | In sinistro brachio | 14.22 + | 49.23 | 4 6 |
| | Interi & brach. Cephei, infor. * | 1.4 V | 77.31 f B | 5 | 7 | Præcedens in exuviis Leonis | 19.36 + | 51.16 f | 4 7 |
| IV CEPHEUS. | | | | | 8 | Sequens in triangulo exuviarum | 27.19 + | 52.19 | 4 8 |
| 1 | In cingulo | 0.13 Ω | 71.7 B | 3 | 9 | In basi trianguli ad Boream | 23.57 + | 53.46 | 4 9 |
| 2 | Lucidam humero | 7.13 V | 68.54 | 3 | 10 | Media earum, quæ in exuviis | 23.38 + | 52.47 | 4 10 |
| 3 | In sinistro humero | 27.53 f V | 62.35 | 4 | 11 | Quæ in coxa sinistra | 26.2 M | 53.10 f | 3 11 |
| 4 | Quæ in triara sequitur ad Boream | 8.29 V | 61.3 | 4 | 12 | Hæc orientior in fœmore finist. | 2.45 f + | 53.21 | 3 12 |
| 5 | Australis | 7.53 f V | 59.59 | 4 | 13 | Præcedens trium contig. in fœm. | 6.21 f + | 59.38 | 4 13 |
| 6 | Quæ versus Ortum | 13.39 V | 58.46 | 4 | 14 | Media | 7.19 + | 60.11 f | 4 14 |
| 7 | Duarum in flexu brachii, Austral. | 29.21 X | 71.49 | 4 | 15 | Sequens | 9.47 f + | 60.13 f | 4 15 |
| 8 | Borealis | 29.54 X | 74.0 f | 4 | 16 | In genu sinistro | 22.56 + | 60.47 | 3 16 |
| 9 | Illa quæ in humeris | 18.46 V | 65.42 | 5 | 17 | Quæ in finist. sura prope cap. Dra. | 14.17 + | 69.22 | 3 17 |
| 10 | In dextro pede | 27.33 Ω | 75.27 | 4 | 18 | Præc. trium obscur. in pede finist. | 7.5 f + | 71.20 | 6 18 |
| 11 | In sinistro pede | 24.23 Ω | 64.28 B | 3 | 19 | Media earundem | 11.7 + | 71.13 f | 6 19 |
| V BOOTES, ARCTOPHYLAX. | | | | | 20 | Ultima | 18.0 + | 71.5 | ne 20 |
| 1 | Trium in sinistra manu præcedēs | 24.9 f M | 58.53 B | 4 | 21 | In superiore fœmore dextro | 23.8 f M | 60.22 f | 3 21 |
| 2 | Secunda | 25.33 M | 58.51 | 4 | 22 | Borealior in eodem fœmore | 17.39 f M | 63.14 | 4 22 |
| 3 | Tertia | 26.59 f M | 60.5 | 4 | 23 | Quæ est in dextro genu | 8.43 f M | 65.55 | 4 23 |
| 4 | Quæ in ulna sinistra | 1.18 Ω | 54.40 | 4 | 24 | Quæ est in superiore sura | 5.57 M | 63.51 | 4 24 |
| 5 | In humero sinistro | 13.5 f Ω | 49.33 f | 4 | 25 | Quæ in crure | 2.43 M | 64.23 | 4 25 |
| 6 | In capite | 18.43 f Ω | 54.15 f | 3 | 26 | Præcedens in dextro crure * | 16.32 M | 62.29 | 5 26 |
| 7 | In dextro humero supra coronā | 27.29 f Ω | 49.1 | 3 | 27 | Quæ in tibia dextri pedis | 2.28 f M | 60.15 f | 4 27 |
| 8 | In coxendice infra brachiū dextr. | 22.29 f Ω | 40.40 | 3 | 28 | Extrema in dextro pede | 27.6 Ω | 57.15 f B | 4 28 |
| 9 | Infima duarum in dorso | 18.16 Ω | 42.11 | 4 | VIII. LYRA, VULTUR CADENS. | | | | |
| 10 | Superior earum | 17.17 f Ω | 42.35 f | 4 | 1 | Lucida Lyrae | 9.43 P | 61.47 f B | 1 1 a |
| 11 | Quæ in crure dextro | 27.26 f Ω | 27.57 | 3 | 2 | Quæ supra lucidam ad Aquilonē | 13.14 P | 62.27 | 5 2 e |
| 12 | Superior cruris | 13.42 Ω | 28.9 | 3 | 3 | Quæ infra lucidam ad Eurum | 12.26 P | 60.26 | 5 3 y |
| 13 | Media | 12.25 Ω | 26.33 | 4 | 4 | Quæ in medio educationis cornuū | 16.10 f P | 59.26 | 4 4 z |
| 14 | Infima | 13.37 Ω | 25.14 | 4 | 5 | Duarum contiguarū ad Boream | 24.32 f P | 60.46 | 5 5 a |
| 15 | In fimbria, ARCTURUS | 18.39 Ω | 31.2 f | 1 | 6 | Quæ ad Austrum | 25.2 P | 59.41 | 5 6 b |
| 16 | Circa genu infima trium infor. * | 26.13 f Ω | 30.27 f | 4 | 7 | Duarum præced. in jugo, Boreal. | 13.16 f P | 56.5 | 3 7 c |
| 17 | Media * | 27.11 Ω | 31.22 | 4 | 8 | Parva sub hac | 13.3 f P | 55.16 | 6 8 d |
| 18 | Superior * | 27.52 Ω | 33.52 | 4 | 9 | In jugo duarū sequentium Borea | 16.11 P | 55.6 | 3 9 e |
| 19 | Præcedens ex 4 dextræ manus | 28.11 Ω | 40.14 f | 5 | 10 | Parva quæ huic subest | 16.20 P | 54.31 f | 6 10 f |
| 20 | Sequens Australis | 29.40 Ω | 40.31 f | 5 | 11 | Quæ in medio ferè corpore | 20.52 P | 58.6 B | 5 11 l |
| 21 | Borealis | 27.53 Ω | 42.16 | 5 | IX. OLOR, CYGNUS. | | | | |
| 22 | Quæ hanc sequitur | 29.16 Ω | 41.55 | 6 | 1 | In rostro | 25.44 P | 49.2 B | 3 1 |
| 23 | Præcedens Austr. duarū in color. | 29.34 f Ω | 45.6 | 5 | 2 | In capite | 29.20 P | 50.42 | 5 2 |
| 24 | Sequens | 1.26 f M | 46.52 | 5 | 3 | In medio colli | 7.33 M | 54.19 | 4 3 |
| 25 | Superior in colorobo | 27.32 Ω | 53.27 f | 4 | 4 | In pectore | 19.25 M | 57.9 f | 3 4 |
| 26 | Informis circa hanc | 2.35 Ω | 54.0 | 4 | 5 | In cauda [superioris alæ | 29.53 f M | 59.56 f | 2 5 |
| 27 | Informis è duabus supra caput | 11.49 Ω | 60.40 | 6 | 6 | Prima, & lucidissima in ancone | 10.53 M | 64.28 | 3 6 |
| 28 | Secunda ipsarum | 12.33 Ω | 60.57 B | 6 | 7 | Trium in superiori ala Austr. | 13.21 M | 69.42 | 4 7 |
| VI CORONA BOREA. | | | | | 8 | Penultima superioris alæ | 12.39 f M | 71.31 | 4 8 |
| 1 | Lucida coronæ | 6.38 f M | 44.23 B | 2 | 9 | Extrema superioris alæ | 9.36 f M | 73.50 f | 4 9 |
| 2 | Præcedens | 3.37 M | 46.8 | 4 | 10 | Quæ in ancone inferioris alæ | 22.9 f M | 49.26 | 3 10 |
| 3 | Illa quæ supra hanc | 3.10 f M | 48.25 | 5 | 11 | In medio ipsius | 24.18 M | 51.41 f | 4 11 |
| 4 | Quæ sequitur ad Septentrionem | 8.2 M | 50.21 B | 6 | 12 | Extrema inferioris alæ | 27.43 M | 43.44 | 3 12 |
| | | | | | 13 | Præcedens in inferiori pede | 0.32 X | 54.59 B | 4 13 |

DENOMINATIO STELLARUM.

Longitudo G.M.S. Latitudo G.M.

| | | | | | |
|----|--|-------|-------|---|---|
| 14 | Quæ sequitur in inferiori genu | 5.21 | 56.36 | B | 4 |
| 15 | Aust. & præced. duarum contig. in superiori pede | 22.50 | 63.37 | | 4 |
| 16 | Superior earundem, & Borealis | 24.34 | 64.17 | | 4 |
| 17 | Inferior duarum infor. dextram alam sequens. | 3. 3 | 50.33 | | 4 |
| 18 | Superior earundem | 4.53 | 51.31 | | 4 |
| 19 | Infra alam versus pedem Pegasi | 4.33 | 38.39 | | 3 |
| 20 | Duarum versus lyram præcedens | 19.57 | 66.15 | | 4 |
| 21 | Sequens borealior | 24.49 | 68.52 | | 4 |
| 22 | Ad volam alæ parvula | 13.31 | 69.35 | | 4 |
| | | 28.44 | 25.11 | | 6 |
| | | 28.22 | 35.35 | | 6 |
| | Ad inferiorem alam | 18.15 | 53.12 | | 6 |
| | Ad superiorem | 13.18 | 69.42 | | 6 |
| | Nova an: 1600. in pectore Cygni | 16.15 | 55.30 | B | |

Ad 23 & 24 in meo exemplari invenio signum δ inclusum circulo. Id utrum sit ex originali, an à me ipso inter describendum appositum, non memini. Certè locuserat dubitandi, quia 23 multum excedit metas Oloris, & appropinquat Equuleo. Quin etiam 26 cum 7, numeris indicibus, eadem esse videtur. Sed fidem Astronomis meam approbo, communicatione Exemplaris. In 12. & 14. secutus sum consensum Exemplaris mei cum Longimontani. Id semper spectavi.

X. CASSIOPEIA.

| | | | | | |
|----|---|-------|-------|---|---|
| 7 | 1 In capite | 29.35 | 44.40 | B | 4 |
| 2 | 2 In pectore. Schedir | 2.17 | 46.35 | | 3 |
| 3 | 3 In cingulo | 4.38 | 47. 5 | | 4 |
| 4 | 4 In flexura ad coxas | 8.27 | 48.46 | | 3 |
| 5 | 5 Ad genu | 12.21 | 46.22 | | 3 |
| 6 | 6 In crure | 19.13 | 47.29 | | 3 |
| 7 | 7 Extrema pedis | 26.39 | 48.54 | | 4 |
| 8 | 8 In brachio sinistro | 6.14 | 43. 6 | | 4 |
| 9 | 9 In cubito sinistro | 5.16 | 43.28 | | 5 |
| 10 | 10 In cubito dextro | 24.39 | 49.24 | | 6 |
| 11 | 11 In educatione sedis | 7. 6 | 52.14 | | 4 |
| 12 | 12 Lucida Cathedræ | 29.35 | 51.14 | | 3 |
| 13 | 13 Extrema cathedræ (tem fellæ) | 25.34 | 51. 8 | | 6 |
| 14 | 14 Quæ juxta hanc juxta extremita | 25.32 | 52.39 | | 6 |
| 15 | 15 Quæ in recta fere lin.cû II. & 17* | 19.28 | 52.48 | | 6 |
| 16 | 16 Extrema scabelli | 22.22 | 56.13 | B | 6 |
| 17 | 17 Media Scabelli Longim. 32' * | 22.23 | 54.27 | | 6 |
| 18 | 18 In scabello prox. ad plantâ pedis* | 21.58 | 52. 8 | | 6 |
| 19 | 19 Quæ sequitur genu | 12.57 | 44.57 | | 6 |
| 20 | 20 Quæ genu præcedit | 10. 0 | 45. 4 | | 6 |
| 21 | 21 Gyrtus umbilici | 6.52 | 47.31 | | 6 |
| 22 | 22 Parvula ad crines | 29.10 | 45.38 | | 6 |
| 23 | 23 Sequens ex duab ⁹ Boreal. in virgâ* | 29.32 | 41.15 | | 6 |
| 24 | 24 Præcedens earundem | 27.57 | 41.25 | | 6 |
| 25 | 25 Penultima virgæ | 26.56 | 39.15 | | 6 |
| 26 | 26 Extrema virgæ | 25.54 | 38. 9 | B | 6 |
| 27 | 27 Infra scabellu trium præc. sept. | 1.46 | 53.16 | | 6 |
| 28 | 28 Sequens septentrionalis | 6.12 | 53.32 | | 6 |
| 29 | 29 Australis | 0.11 | 52. 4 | | 6 |
| 30 | 30 Quæ supra has versus polum | 6.45 | 59. 8 | | 6 |
| 31 | 31 Inter Cass. & Erichth. prima | 17.17 | 35.50 | | 6 |
| 32 | 32 Secunda | 27.19 | 35.48 | | 6 |
| 33 | 33 Tertia | 2.33 | 34.49 | | 6 |
| 34 | 34 Quarta | 3. 0 | 30.22 | | 6 |
| 35 | 35 Trium in Boream Prima | 0.45 | 44.10 | | 6 |
| 36 | 36 Secunda | 0.57 | 45.32 | | 6 |
| 37 | 37 Tertia (Vrfam) | 26.15 | 45.32 | | 6 |
| 38 | 38 Quæ magis in Bor. Prima versus* | 0.10 | 54.43 | | 6 |
| 39 | 39 Secunda | 27.45 | 56.15 | B | 6 |

DENOMINATIO STELLARUM.

Longitudo G.M.S. Latitudo G.M.

| | | | | | |
|----------------|---------|-------|---|---|----|
| Tertia | * 4.13 | 56.55 | B | 6 | 40 |
| Quarta | * 29.58 | 59.18 | | 6 | 41 |
| Quinta | * 7.54 | 60. 7 | | 6 | 42 |
| Sexta | * 10.14 | 62. 4 | | 6 | 43 |
| Septima | * 9.37 | 62.46 | | 6 | 44 |
| Octava | * 20.58 | 63.17 | | 6 | 45 |
| Nova anni 1572 | * 6.54 | 53.45 | B | | |

P E R S E U S.

XI

| | | | | | |
|---|-------|-------|---|---|----|
| In extrema dextræ man ⁹ involut. | 18.31 | 39. 0 | B | 6 | 1 |
| In cubito dextro | 23. 9 | 37.28 | | 4 | 2 |
| In dextro humero | 24.26 | 34.30 | | 3 | 3 |
| Quæ in sinistro humero | 19. 4 | 31.34 | | 4 | 7 |
| Quæ in Capitis vertice | 21.50 | 34.26 | | 5 | 5 |
| Quæ in dorso | 23.33 | 30.36 | | 4 | 6 |
| Fulgens in dextro latere | 26.17 | 30. 5 | | 2 | 7 |
| Quæ proxime infra sequitur | 27. 4 | 27.59 | | 5 | 8 |
| Hanc sequens parva | 28.13 | 27.55 | | 5 | 9 |
| Quæ est ad flexurâ ejusdè lateris | 29.15 | 27.14 | | 3 | 10 |
| Quæ est in cubito sinistro | 22. 6 | 26. 4 | B | 4 | 11 |
| Caput Medullæ, sive Algol | 20.37 | 22.22 | | 3 | 12 |
| Quæ sub Algol | 20.31 | 20.54 | | 5 | 13 |
| Hanc præcedens | 19.18 | 20.33 | | 4 | 14 |
| Præcedens ad Boreâ in eodè Cap. | 18.20 | 21.35 | | 4 | 15 |
| In poplite dextro | 6.13 | 28.22 | | 5 | 16 |
| Quæ dextrum genu præcedit | 4.11 | 28.50 | | 4 | 17 |
| Flexuram genu præcedens | 3.55 | 26.11 | | 5 | 18 |
| Media in genu dextro | 5.14 | 26.39 | | 4 | 19 |
| Quæ infra genu dextrum | 6. 0 | 24.35 | | 6 | 20 |
| Quæ est in planta pedis dextri | 8. 1 | 18.56 | | 5 | 21 |
| Quæ in sinistro femore | 28.11 | 22. 6 | B | 4 | 22 |
| Quæ in sinistro genu | 0. 8 | 19. 4 | | 3 | 23 |
| Quæ in crure sinistro | 29.23 | 14.53 | | 5 | 24 |
| Quæ in sinistro calcaneo | 25.33 | 12. 8 | | 4 | 25 |
| Sequens sinistri pedis | 27.36 | 11.17 | | 3 | 26 |
| Informis supra Caput (dextri) | 26.45 | 42.26 | | 5 | 27 |
| Quæ in superiore parte femoris | 2.32 | 29.31 | | 5 | 28 |
| Informis præced. Caput Medullæ | 16.16 | 20.53 | | 4 | 29 |
| Quæ facit lineâ rectâ cum Polo, & Secunda illarum (Lucida Persei) | 2.18 | 45.10 | | 6 | 30 |
| | 4.12 | 48. 7 | | 6 | 31 |
| Mens Catalog. | 4. 2 | | | | |
| Tertia | 4.41 | 49.27 | | 6 | 32 |
| Quarta | 6.25 | 53.37 | B | 6 | 33 |
| Mens Catalog. | 6.15 | | | | |

AURIGA, HENIOCHUS, ERICHTHONIUS, XII

| | | | | | |
|------------------------------------|-------|-------|---|---|----|
| Præcedens, & superior 2. capitis | 23.38 | 32.15 | B | 6 | 1 |
| Inferior, & sequens | 24.14 | 30.50 | | 4 | 2 |
| In sinistro humero fulgès. Capella | 16.16 | 22.50 | | 1 | 3 |
| Lucida in dextro humero | 25.52 | 21.27 | | 2 | 4 |
| Mens Catalog. | 24.28 | | | | |
| In dextro brachio | 24.28 | 13.44 | | 4 | 5 |
| Mens & Long. & Progymnas. | 23.58 | | | | |
| In sinistro cubito | 13. 9 | 20.52 | | 4 | 6 |
| Præcedens hædus | 13. 5 | 18. 8 | | 4 | 7 |
| Sequens hædus | 13.49 | 18.11 | | 4 | 8 |
| In superiore pede (humero) | 11. 4 | 10.22 | | 4 | 9 |
| Superior ad lucidam in dextro | 24.25 | 27.27 | | 5 | 10 |
| Duarum in lumbis Borealis | 16.52 | 18.34 | | 6 | 11 |
| Australis | 16. 6 | 16.59 | | 5 | 12 |
| Hac inferior ad Occasum | 14.58 | 15.21 | | 5 | 13 |
| Sequens | 17. 9 | 14. 4 | | 6 | 14 |
| Ad nates | 12. 0 | 15. 3 | | 5 | 15 |
| Præced. duarū in dextro brachio | 22.12 | 15.42 | B | 5 | 16 |

O 2

Sequens

| DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|--------------------------------------|--|------------------|---------------|------|---|----------|------------------|---------------|------|
| 17 | Sequens | 22.24 II | 15.43 | B 5 | In medio nexu colli | Long.49' | 16.30' m | 25.35 | B 2 |
| | <i>Meus Catalog.</i> | 22.44 II | | | Australior trium | | 18.46f m | 24.5f | 3 |
| 18 | Sub hac in dextro crure | 22.35 II | 13.49 | 6 | Quæ est in secunda flexione | | 20.26f m | 16.26f | 4 |
| 19 | In sinistra tibia | 16.39f II | 11.15 | 5 | Antepenultima caudæ | | 24.34f † | 19.57 | 3 |
| 20 | In dextro pede | 18.34 II | 8.51 | 5 | <i>Meus Catal.</i> | | | 37 | 3 |
| 21 | Præcedens duar. circ. Erichtoniū. | 10. 4f II | 14.51 | 5 | Penultima | | 0.12f † | 20.37f | 3 |
| 22 | Sequens Australis. (pedes II) | 10.31 II | 14. 2 | 5 | Ultima | | 10.10 † | 26.59 | B |
| 23 | Borealis inform. inter Erich. & | 27.47 II | 6. 4 | 4 | SAGITTA SIVE TELUM. XV | | | | |
| 24 | Secunda | 22.58 II | 4. 6 | 4 | Superior, & Orientalior | | 1.32 | 29.13 | B 4 |
| 25 | Sub ista ad Ortum | 23.58 II | 2.26 | 4 | Media, seu hanc præcedens | | 27.55 † | 38.58f | 5 |
| 26 | Harum præcedens | 19.52f II | 2.28 | 4 | Parvula, quæ est supra mediam | | 28.31 † | 39.31 | 6 |
| 27 | Ultima omnium | 21.55 II | 1. 6 | B 4 | Superior 2. contig. in Glyphide | | 25.30f † | 38.53 | 4 |
| XIII OPHIUCHUS, SERPENTARIUS. | | | | | Inferior earundem | | 25.39 † | 38.18 | 4 |
| 1 | In capite | 16.50 † | 35.57 | B 3 | Informis, & infer. supra Sagittam | | 0.13 | 42.43 | 4 |
| 2 | In dextro humero (mero) | 19.45 † | 28. 1 | 3 | Superior informium | | 1.36 | 44. 2 | 4 |
| 3 | Inferior, & sequens in dextro hu- | 21. 5 | 26.11 | 3 | Tertia in oxygonio informium | | 23.57 † | 46. 3 | B 4 |
| 4 | Præcedens in sinistro humero | 4.59f | 32.35f | 4 | AQUILA SEU VULTUR VOLANS. XVI | | | | |
| 5 | Sequens in eodem humero | 6.16 | 31.56 | 4 | Quæ in capite | | 29.28f † | 27. 8f | B 6 |
| 6 | Quæ in sinistro cubito | 0. 3 † | 23.39f | 4 | In collo | | 26.53 † | 26.49f | 3 |
| 7 | In sinistra manu Borealiior | 26.44f m | 17.19 | 3 | Lucida in scapulis | | 26. 9 | 29.21f | 2 |
| 8 | Sequens Australior | 27.57 m | 16.30f | 3 | Parva, quæ supra lucidam | | 25.33 | 30.54f | 6 |
| 9 | In dextro ancone | 19.33 † | 15.19 | 4 | Quæ in sinistro humero | | 25.26 | 31.18 | 3 |
| | <i>Meus Catalog.</i> (tra manu) | 19. 3 † | | | Quæ sequitur parva | | 26. 8f † | 31.59 | 5 |
| 10 | Australior, & præcedens in dex- | 24.13f | 13.47 | 4 | Superior, & præced. in infer. ala | | 21.16f † | 28.46f | 4 |
| 11 | Borealiior, & sequens in eadem | 25.14f | 15.20 | 5 | Inferior, & sequens in ala | | 22.14 | 26.35 | 5 |
| 12 | In dextro genu (manu) | 12.24 | 7.18 | 3 | Cauda vulturis (Informis) | | 14.15f | 36.16f | 3 |
| | <i>Correxi in libro de Stella nova</i> | 12.20f | | | Quæ proxime caudam præcedit | | 12.44 | 37.40 | 3 |
| 13 | Quæ in sinistro genu | 3.39 | 11.30 | 3 | Media informium supra caudam | | 9.12 † | 43.32f | 4 |
| 14 | Quæ in dextra tibia <i>caret meus</i> | 14.23 | 2.12 | 3 | Septima informis quæ sex tribus sequitur. | | 9.17f † | 41. 5 | B 4 |
| 15 | Quinta informium in via lactea | 26.31 † | 33. 2f | 4 | ANTINOVUS. XVII | | | | |
| 16 | Supra lucidam in collo Serpentis | 16.48 m | 26.36f | B 4 | In manu sinistra | | 29.21f † | 18.48 | B 3 |
| 17 | Post coxas Ophjuchi | 14.49 † | 10.21 | 4 | In latere dextro | | 20.17f | 20.14f | 3 |
| 18 | Sequentium duarum Australis | 18.57 | 8. 4 | 3 | In Genu | | 19.17 | 14.28 | 3 |
| 19 | Borealis | 19.48 | 10.35 | 4 | In dextro brachio | | 18. 1 † | 24.56 | 3 |
| 20 | Illa quæ supra hanc | 18.45 † | 15.18 | 4 | In pectore | | 24.50 | 21.38 | 3 |
| 21 | Inter sinistra manu ad genu Ophi | 0.57 † | 13.19 | 5 | In pede dextro | | 11.46 | 17.41 | 3 |
| 22 | Informis circa humerū Borealem | 24.30 † | 27.55 | 4 | Præcedens hanc informis | | 10.29 † | 16.57 | B 4 |
| 23 | Media ipsarum | 24.38 † | 26.23 | 4 | DELPHINUS. XVIII | | | | |
| 24 | Australis trium | 24.53 † | 24.50 | 4 | Lucida caudæ | | 8.32 | 29. 8 | B 3 |
| 25 | Sequens trium | 25.58 | 26.10 | 4 | Quæ caudam sequitur | | 9.48 | 28.52f | 6 |
| 26 | a Præcedēs 4 in dextro pede <i>De-</i> | 14. 1 | 2.16 | 3 | Quæ infra caudam (straliior) | | 9.42 | 27.34 | 6 |
| 27 | b Sequens <i>sunt</i> | 15.42 | 1.32 | 4 | In Rhonboide præced. lateris Au- | | 10.56 | 31.57f | 3 |
| 28 | c Tertia <i>in meo</i> | 16.23 | 0.20 | 4 | Ejusdem lateris Borealiior | | 11.50f | 33. 5 | 3 |
| 29 | d Alia sequens <i>segg.</i> | 17.12 | 0.29 | 5 | Sequentis lateris Australior | | 13.36f | 32. 0 | 3 |
| 30 | e Illa quæ contingit calcaneum ad | 17.36 | 0.58 | 5 | Quæ est in capite | | 13.52 | 32.47 | 3 |
| 31 | f In crure dextro <i>fin.</i> | 16.50 | 7.10 | 5 | Quæ in præcedente latere qua- | | 10.17 | 32. 8f | 5 |
| 32 | g Informis extra crus <i>em.</i> | 21.45 † | 4.20 | 6 | tuor contigue anteit | | 9.18 | 30.41f | 6 |
| 33 | h Sequens duarum in manu | 0. 7 † | 23.34 | 5 | Sequens earundem (boide) | | 10.42 | 30.41 | B 6 |
| 34 | i In coxa Ophjuchi <i>Vide</i> | 15. 0 † | 10.18 | 5 | EQUULEUS, EQUI SECTIO. XIX | | | | |
| 35 | k Sequens Australis <i>Claf.</i> | 19. 2 | 8. 5 | 4 | Præcedens capitis | | 17.32f | 20.12f | B 4 |
| 36 | l In dextra manu <i>sem</i> | 20. 4 † | 10.40 | 5 | Sequens capitis | | 19.54f | 21. 6 | 4 |
| 37 | m Borealis <i>secund.</i> | 19. 5 † | 15. 6 | B 5 | Præcedens oris | | 17.54 | 25.16 | 4 |
| XIV. SERPENS OPHIUCHI. | | | | | Sequens oris | | 18.54f | 24.52 | B 4 |
| | Præcedens in ore | 11.35 m | 38.12 | B 5 | PEGA | | | | |
| | Quæ in ore est | 14.24f m | 39. 6f | 3 | | | | | |
| | Quæ in temporibus | 17. 6f m | 35.25 | 3 | | | | | |
| | In educatione colli | 14.21f m | 34.27f | 3 | | | | | |
| | Quæ ad sinistrum oculum | 15.10 m | 37.28f | 4 | | | | | |
| | Quæ ad nares | 16.32 m | 42.37 | 4 | | | | | |
| | Secunda in collo infra caput | 12.46f m | 28.58 | B 3 | | | | | |

DENOMINATIO STELLARUM.

| | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|-----------------------------------|---------------------|------------------|------|
| XX. PEGASUS, EQUUS ALATUS. | | | |
| 1 Os Pegasi | 26.22 | 22. 7f | B 3 |
| 2 Caput | 1.15 | 16.25 | 4 |
| 3 Quæ ad Austrum in capite | 29.45 | 15.43 | 5 |
| 4 Inferior, & sequens in juba | 13. 0 | 14.30f | 6 |
| 5 Superior, & præcedens in juba | 12.44 | 15.43f | 6 |
| 6 Lucida colli | 10.39 | 17.41 | 3 |
| 7 Sequens in collo | 12.25 | 18.29 | 5 |
| 8 Sinistrum crus | 3.23 | 36.42f | 4 |
| 9 Sinistrum genu | 8.50 | 34.19 | 4 |
| 10 Dextrum crus | 14. 3 | 41. 0f | 4 |
| 11 Præcedens duarum in pectore | 17.29 | 28.49 | B 4 |
| 12 Sequens | 18.53 | 29.24f | 4 |
| 13 Dextrum genu | 20.10 | 35. 7f | 3 |
| 14 In eodem genu ad Austrum | 19.25 | 34.24f | 5 |
| 15 Præcedens duarum in ala | 25.33 | 25.35 | 6 |
| 16 Sequens in ala, & Australior | 27. 6 | 24.50f | 6 |
| 17 Prima alæ. Marchab | 17.56 | 19.26 | 2 |
| 18 Eductio cruris. Scheat | 23.49 | 31. 7f | 2 |
| 19 Extrema alæ | 3.38 | 12.35 | 2 |
| 20 In collo Pegasi | 6.28 | 20.51 | 4 |
| 21 Infra os, & supra pedem | 24.51 | 33.21 | 4 |
| 22 Hac superior | 28.47 | 36.11 | 4 |
| 23 Primam sequens | 15.15 | 23.16 | B 4 |
| 24 Mens Catalogus | 25.15 | forte | 4 |

XXI. ANDROMEDA.

| | | | |
|--------------------------------------|--------|--------|-----|
| 1 Caput (in meo 25 circulo inclusum) | 8.47 | 25.42 | B 2 |
| 2 Infima in scapula dextra | 17. 6f | 27. 6f | 5 |
| 3 Inferior in sinistro humero | 15.25 | 23. 3f | 4 |
| 4 In dextro brachio triu Australior | 14.58 | 31.33 | 5 |
| 5 Boreâ | 15.45f | 33.20f | 4 |
| 6 Media | 16. 7 | 32.14f | 5 |
| 7 Australior in superiori manu | 10.28 | 40.56f | 4 |
| 8 Borealior | 11.46 | 41.44 | 4 |
| 9 Obscura ibidem | 14.23 | 42. 8 | B 5 |

DENOMINATIO STELLARUM.

| | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|---------------------------------------|---------------------|------------------|------|
| Suprema omnium in boreali manu | 12.47 | 43.49f | B 4 |
| Præc. & sup. 2. in sinistro brachio | 15. 9 | 17.48 | 4 |
| Quæ in sinistro cubito | 16.53f | 15.58 | 5 |
| Australior in cingulo | 24.49 | 25.59 | 2 |
| Media | 24. 6f | 30.33f | 4 |
| Boreâ | 23.36 | 32.30f | 4 |
| In Australi pede lucida | 8.39 | 27.46f | 2 |
| Extrema in superiori pede | 9. 6f | 36.49f | 5 |
| Lucidior, & præcedens in dextro | 6.52 | 35.21f | 4 |
| Suprema in sinistra sura (pede) | 5. 8 | 28.59 | 5 |
| Inferior | 3.23 | 27.54f | 5 |
| Quæ ad genu dextrum | 0.56 | 36.20 | 5 |
| Quæ in extremo catenæ annulo | 24. 0 | 57.19 | 4 |
| Clarior, & super. in sinistra scapula | 16.19f | 24.20 | B 3 |

TRIANGULUS, DELTOTO, XXII

| | | | |
|--------------------|-------|--------|-----|
| In apice trianguli | 1.19 | 16.49f | B 4 |
| In basi ad boream | 6.49f | 20.33 | 4 |
| Media | 7.59 | 19.29 | 5 |
| Australior in basi | 7.58 | 18.57 | B 4 |

COMA BERENICES, XXIII

| | | | |
|---------------------------------------|--------|--------|-----|
| In cuspide primi, & Bor. trianguli | 18.17 | 28.25 | B 3 |
| Mens solus. Forte eadem | 28.15 | 28.32 | 5 |
| Superior conting. hæc ad Austrum | 18.42 | 27.23f | 4 |
| Inferior earundem (sequens) | 18.46 | 27.20 | 4 |
| Quæ contiguas duas sequitur | 19.19 | 27. 7 | 4 |
| Præced. duar. Australium contiguarum | 18.25 | 25.51 | 4 |
| Altera contigua ad Ortum | 18.48f | 26. 7 | 4 |
| Omnium præcedens ad Austrum | 18. 0 | 23.30 | B 4 |
| Suprema trium contiguarum sequentiu | 21.10 | 25.16 | 4 |
| Altera & præcedens (quentiu) | 20.51 | 24.56 | 4 |
| Infima, & sequens Mens 21° | 22° 52 | 24. 0f | 4 |
| Postrema in extensione comæ | 28.58f | 32.46 | 4 |
| Quæ hanc præcedit | 27.49f | 31.42 | 4 |
| Quæ inter has, & primâ in cuspide | 24.17 | 30.16 | 4 |
| Quæ est in Austr. cusp. triang. parvi | 28.15 | 28.32 | B 5 |

PARS SECUNDA

DE STELLIS FIXIS XII. SIGNORUM ZODIACI.

I. ARIES.

| | | | |
|--------------------------------------|--------|-------|-----|
| 1 a Australis in præcedente cornu | 27.37 | 7. 8f | B 4 |
| 2 Borealis, & sequens in eodẽ cornu | 28.23 | 8.29 | 4 |
| 3 b Lucida in vert. cap. Principalis | 2. 6 | 9.57 | 3 |
| 4 In rictu duarum Boreâ | 2.34 | 7.23 | 6 |
| 5 Quæ magis ad Austrum | 3.20 | 5.42f | 6 |
| 6 Quæ in cervice | 27.57 | 5.24 | 5 |
| 7 In renibus | 8.36 | 8. 7 | 6 |
| 8 Quæ in inductione caudæ | 12.57 | 4. 8f | B 5 |
| 9 Præcedens trium in cauda | 15.15 | 1.46f | 4 |
| 10 Media | 16.24 | 2.50 | 5 |
| 11 Ultima | 17.50f | 2.36 | 6 |
| 12 In femore | 11.22 | 1.12 | 6 |
| 13 In poplite | 9.35 | 1. 7 | 6 |
| 14 In genu sinistro | * 9.23 | 1.30 | A 6 |
| 15 In genu dextro | * 7.52 | 0.39 | A 6 |

| | | | | |
|---|--------|--------|-----|------|
| Parvula in alvo | * 8.46 | 4. 1 | B 6 | 16 m |
| Quæ est infra lucidam capitis | * 1.41 | 9.13 | B 6 | 17 n |
| Supra dorsum quatuor informium | 10.35 | 10.50f | B 5 | 18 |
| Sequens s. ad basin occid. triang. ex sequentibus | 11.23 | 11.16 | B 4 | 19 |
| Orientales in basi trianguli | 12.40 | 10.24 | 3 | 20 |
| In apice ejusd. trianguli ad boreâ | 12.51 | 12.25f | B 4 | 21 |

a. b. Præcipua de fixis disputationes adhibent cor Leonis & spicam Virginis. Inconsculte egit Copernicus, quod præcessionem Equinoctiorum numeravit à prima Arietis, cujus situs est in Ptolemæo $\delta 100^{\circ} 29'$, numerat enim ab eâ ad spicâ $170^{\circ} 0'$, ad cor $115^{\circ} 50'$. Tycho cum deprehendisset, illam $170^{\circ} 39'$ esse, hanc $116^{\circ} 40'$: ne ergo præcessionem vel à falso sic numeraret, vel si à vero, perturbaret astronomos, præcessionem duplici, vel etiâ triplici, ab eadem fixâ inchoatâ, stellam elegit aliam, extra formam, Lucidam sc. supra caput, eiseam in prima hominum imaginatione alteri cornu attributam fuisse existimo.

Lat. 47 Lat. 6 Her. 1. 18. A

O 3 Equi

Lat 39

| DENOMINATIO STELLARUM. | | | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | | | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | | |
|------------------------|-----------------------|------------------------------------|-------|------------------|---------------|------|------------------------------------|-----------------------------------|-------|-------|------------------|---------------|------|----|---|
| l | 23 | In femore | 11.58 | m | 6.7 | B | 3 | Lanx Borea (Occalum | 13.48 | m | 8.35 | B | 2 | 3 | β |
| o | 24 | In genu posteriori | 13.8 | m | 1.40 | B | 4 | Quæ supra Borealem lancem ad | 9.40 | m | 8.18 | B | 4 | 4 | γ |
| v | 25 | Media in pede | 15.57 | m | 0.33 | A | 4 | Prima ab Austrina lance ad Ortū | 12.26 | m | 1.14 | 5 | 5 | ν | |
| v | 26 | Infima in pede | 19.27 | m | 3.2 | A | 4 | Secunda ab ead. lance ad Ortum | 16.19 | m | 2.58 | 6 | 6 | ο | |
| β | 27 | In extremo caudæ, lucida | 16.3 | m | 12.18 | B | 1 | Tertia ab eadem lance ad Ortum | 19.33 | m | 4.28 | 3 | 7 | ν | |
| h | 28 | Extrema in ungula pedis sinistri * | 16.32 | Ω | 4.48 | A | 6 | Quæ est infra hanc ad Ortum | 21.48 | m | 4.4 | 4 | 8 | μ | |
| w | 29 | In ungula alt. pedis præcedentis* | 16.1 | Ω | 5.43 | A | 5 | Quæ infra eandem ad Occalum | 19.27 | m | 2.21 | 4 | 9 | ξ | |
| m | 30 | Quæ in medio corpore fere * | 0.14 | m | 10.17 | B | 6 | Quæ est infra Boreā lancē ad Ortū | 15.46 | m | 8.7 | 4 | 10 | ε | |
| g | 31 | Parvula in capite (de poster. | 16.13 | Ω | 10.47 | B | 6 | Informis. Duarum infra lancem | 22.11 | m | 0.2 | 4 | 11 | η | |
| φ | 32 | Præcedens duarum in sinistro pe. | 15.53 | m | 7.39 | A | 4 | Earum inferior (Austalem | 25.3 | m | 0.7 | 4 | 12 | θ | |
| e | 33 | Sequens Mens 18.5' | 18.50 | m | 5.41 | A | 5 | Præcedens trium sequentium | 24.16 | m | 3.33 | 4 | 13 | θ | |
| e | 34 | Præcedens duarum informium | 26.22 | Ω | 17.40 | B | 5 | Media | 24.48 | m | 6.10 | B | 4 | 14 | |
| 35 | Sequens (super dorsum | 29.57 | Ω | 16.30 | 5 | 5 | Superior Orientalis | 25.41 | m | 9.19 | A | 4 | 15 | | |
| 36 | Supra lucidam dorfi | 4.54 | m | 16.47 | 5 | 5 | Sequens (chio | 27.19 | m | 10.57 | A | 5 | 16 | | |
| 37 | Supra caudam | 13.22 | | 17.19 | 4 | 4 | Sub Boreali lance in sinistro Bra- | 15.27 | m | 7.37 | A | 3 | 17 | | |
| x | 38 | Borealis trium sub ventre | 8.58 | | 1.20 | B | 4 | Sequens | 15.17 | m | 1.48 | A | 3 | 18 | z |
| c | 39 | Media | 8.30 | | 0.9 | A | 5 | | | | | | | | |
| d | 40 | Australis trium | 9.20 | m | 2.29 | A | 5 | | | | | | | | |

SCORPIUS.

| VIRGO | | | | SCORPIUS | | | | | | | | | | | |
|-------|-------------------------------------|-------|---|----------|---|---|---|-------------------------------------|-------|---|------|---|---|----|---|
| | | | | | | | | Suprema in fronte | 27.36 | m | 1.5 | B | 2 | 1 | β |
| | | | | | | | | Media in fronte | 26.59 | m | 1.54 | A | 3 | 2 | γ |
| 1 | Borealis præceditium in quadril. | 17.44 | m | 6.6 | B | 5 | 5 | Australis triū in fronte lucidiorū | 27.25 | | 5.22 | A | 3 | 3 | π |
| 2 | Australis (capitis | 18.33 | m | 4.37 | B | 5 | 5 | Quæ adhuc magis ad Austrum, in | 27.43 | f | 8.27 | A | 4 | 4 | ρ |
| 3 | Sequentium duarum in vultu Bo- | 22.7 | | 8.33 | 5 | 5 | 5 | Borealis frontis (pede | 29.3 | m | 1.42 | B | 4 | 5 | ν |
| 4 | Australis (rea | 21.58 | | 6.10 | 5 | 5 | 5 | Parvula in Δ cū lucida frōtis, & 5. | 28.7 | m | 0.14 | B | 5 | 6 | ω |
| 5 | In extrem. alæ Austrinæ, & sinistra | 21.32 | m | 0.43 | 3 | 3 | 3 | L. de Stellanova correxi | 27.57 | | | | | | |
| 6 | Præcedens quatuor in sinistra ala | 29.16 | m | 1.25 | 4 | 4 | 4 | Forte melius | 28.2 | | | | | | |
| 7 | Altera sequens | 4.35 | f | 2.50 | 3 | 3 | 3 | Præcedens cor ad Boream | 2.11 | + | 3.55 | A | 4 | 7 | 6 |
| 8 | Penultima parva | 9.28 | f | 2.23 | 6 | 6 | 6 | In medio rutilans. Antar. Cor m | 4.13 | + | 4.27 | A | 1 | 8 | α |
| 9 | Ultima | 12.37 | f | 1.45 | 4 | 4 | 4 | Quæ cor sequitur ad Austrum | 5.53 | + | 5.50 | A | 4 | 9 | τ |
| 10 | In dextro latere sub cingulo | 5.55 | f | 8.41 | 3 | 3 | 3 | In præcedent. inferiorib. pedibus. | 0.46 | + | 6.37 | A | 5 | 10 | σ |
| 11 | In dextra & Boreali ala triū præc. | 29.53 | m | 13.36 | B | 5 | 5 | | | | | | | | |
| 12 | Reliquarum duarum Austrina | 1.52 | f | 11.37 | B | 6 | 6 | | | | | | | | |

SAGITTARIUS.

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|--------------------------------------|-------|---|-------|---|---|---|-----------------------------------|-------|---|----------|---|----|----|---|
| 13 | Borealis, Vindemiatrix vocata | 4.23 | f | 16.15 | B | 3 | 3 | a. In cuspide Sagittæ | 25.30 | + | Vid fo. | | 1 | ν | |
| 14 | In sinistra manu, Spica m | 18.16 | f | 1.59 | A | 1 | 1 | b. In manubrio sinistra manus | 28.51 | + | lio 116. | | 2 | ξ | |
| 15 | Sub perizomate in clune dextra | 15.22 | f | 8.10 | B | 3 | 3 | In Boreali part. arc9 duar. Aufr. | 0.47 | f | 2.0 | A | 4 | 3 | λ |
| 16 | In sinistra coxa, Borealis | 17.58 | f | 3.11 | B | 6 | 6 | Borealis in eadem parte arcus | 27.41 | + | 2.27 | B | 4 | 4 | μ |
| 17 | Sequentium duarum Borealis | 21.9 | f | 1.45 | B | 6 | 6 | In sinistro humero | 6.51 | f | 3.31 | A | 4 | 5 | 6 |
| 18 | Australis | 19.44 | | 0.19 | A | 6 | 6 | Antecedens hanc in jaculo | 4.40 | f | 3.50 | A | 5 | 6 | φ |
| 19 | In genu sinistro (arum | 24.44 | | 2.24 | B | 6 | 6 | Trium in capite præcedens | 7.56 | f | 1.44 | B | 4 | 7 | ζ |
| 20 | Borealis in supræma fimbria du- | 27.49 | f | 11.2 | B | 5 | 5 | Media | 9.28 | f | 0.59 | B | 4 | 8 | ο |
| 21 | Media trium in fimbria | 28.9 | f | 7.18 | 4 | 4 | 4 | Ultima | 10.43 | f | 1.31 | B | 4 | 9 | π |
| 22 | Infima, & Australis | 28.51 | f | 2.57 | 4 | 4 | 4 | Prima in contactu | 12.44 | f | 3.6 | 6 | 10 | δ | |
| 23 | Australis duarum in superiori | 29.51 | f | 11.48 | 4 | 4 | 4 | In Boreo contactu, media | 13.54 | f | 4.17 | 4 | 11 | ε | |
| 24 | In Australi pede (fimbria* | 1.22 | m | 0.31 | 4 | 4 | 4 | Sequens, & superior | 14.11 | f | 6.9 | 5 | 12 | ν | |
| 25 | In Boreali, seu dextro pede | 4.30 | m | 9.49 | 4 | 4 | 4 | Hac Orient. duab. obscuris formâ | | | | | | | |
| 26 | Infer. duar. int. Vindem. & cing.* | 1.21 | f | 10.26 | 6 | 6 | 6 | triang. subjuncta | 19.8 | f | 5.8 | 6 | 13 | e | |
| 27 | Sequens illâ, quæ in clune dext.* | 21.37 | f | 9.40 | 6 | 6 | 6 | Orientalis, & ultima in superiori | | | | | | | |
| 28 | Quæ est in cervice * | 27.45 | m | 4.59 | 6 | 6 | 6 | contactu (Ortum | 22.52 | f | 5.12 | B | 6 | 14 | θ |
| 29 | Parvula sequens vindematricem* | 8.25 | f | 16.14 | 6 | 6 | 6 | Obscura in inferiori contactu ad | 19.24 | f | 1.25 | B | 5 | 15 | f |
| 30 | Præced. triū in recta lin. alæ Bor.* | 10.11 | f | 12.40 | 5 | 5 | 5 | Obscura in dextro cubito | 16.26 | f | 3.8 | A | 6 | 16 | h |
| 31 | Media earundem * | 14.46 | f | 12.34 | 6 | 6 | 6 | | | | | | | | |
| 32 | Sequens * | 22.11 | f | 13.7 | B | 5 | 5 | | | | | | | | |

CAPRICORNUS.

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----------------------------------|-------|---|------|---|---|---|-----------------------------------|-------|---|------|----|----|---|---|
| 33 | Quæ est inter quartâ, & quintam | 22.56 | m | 3.22 | B | 6 | 6 | | | | | | | | |
| 34 | Informis. Sub brachio sinistro | 6.38 | f | 3.25 | A | 5 | 5 | Borealis trium in cornu præced. | 28.18 | f | 7.2 | B | 3 | 1 | α |
| 35 | Media | 10.39 | f | 3.23 | A | 5 | 5 | Media | 28.51 | f | 6.53 | B | 6 | 2 | ν |
| 36 | Sequens | 14.8 | f | 3.13 | 5 | 5 | 5 | Australis | 28.31 | f | 4.41 | 3 | 3 | β | |
| 37 | Sequens trium sub Spica | 17.13 | f | 7.51 | 5 | 5 | 5 | Nebulosa sup. cornu præcedens | 27.8 | f | 7.16 | 6 | 4 | 3 | |
| 38 | Media versus Austrum | 19.35 | f | 9.16 | A | 5 | 5 | Nebulosa Occidentalis. Basis tri- | | | | | | | |
| 39 | Sequens Orientalis | 20.35 | f | 6.16 | A | 5 | 5 | anguli in fronte | 28.57 | f | 0.48 | ne | 5 | π | |
| | | | | | | | | Nebulosa Orientalis | 29.41 | f | 0.28 | ne | 6 | ο | |
| | | | | | | | | Suprema in eodem triangulo | 29.37 | f | 1.20 | 6 | 7 | ρ | |
| α | 1 Lanx Austrina | 9.31 | m | 0.26 | B | 2 | 2 | Nebulosa præcedens in fronte | 27.13 | f | 0.24 | B | ne | 8 | σ |
| β | 2 Quæ est supra Australem lancem | 8.42 | m | 1.55 | B | 5 | 5 | In cervice duarum Borea | 2.49 | m | 3.25 | B | 6 | 9 | τ |

LIBRA.

| | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | |

22.59

22.49

| DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|------------------------|---|------------------|---------------|------|---|------------------|---------------|------|
| 10 | Australis | 2. 6 | 0.15 | B 6 | Sequens earundem contiguarum | 14.38 | 11.33 | A 5 |
| 11 | Præced. in dextro genu obscura | 1.47 | 6.58 | A 6 | In tertio aquæ flexu borea trium | 13. 3 | 14.29 | A 5 |
| 12 | Sequens in sinistro genu | 2.28 | 9. 2 | A 6 | Media in tertio aquæ flexu | 13.46 | 15.16f | 6 |
| 13 | In sinistro armo | 6.13 | 8. 8 | 6 | Sequens trium, & australis | 14.44 | 16.23 | 6 |
| 14 | Infima in ventre. | 11.24f | 6.56 | 5 | Sequentium trium borealis | 7.54f | 14.45 | 5 |
| 15 | Sequens Borea duarum contiguarum sub alvo | 12. 0 | 6.29 | 6 | Media trium earundem | 8.21 | 15.30 | A 5 |
| 16 | Trium in medio ventris Orientalior | 9.23 | 4.25 | 6 | Australis harum trium | 9.50 | 16.31 | A 5 |
| 17 | Infima earum | 7.31 | 4.27 | 6 | In ultimo flexu, trium superior | 4.25 | 14.25f | 5 |
| 18 | Septentrionalis trium | 7.18 | 3. 1 | 5 | Media | 4. 2 | 15.40 | 5 |
| 19 | Duarum in dorso anterior | 8.21 | 0.29 | A 5 | Infima, proxima Fomahant | 3.17 | 15.53 | A 5 |
| 20 | Sequens earundem in dorso | 12. 7 | 1.16f | A 5 | Ultima in effusione. Fomahant | 28.11f | 21. 0 | A 1 |
| 21 | Antecedens duarum ad ilia | 14.25 | 4.48 | 4 | PISCES. | | | |
| 22 | Sequens earundem | 16. 6 | 4.49 | 5 | In ore piscis austrini | 13. 2 | 9. 4 | B 5 |
| 23 | Duarum lucidarum in cauda præcedens | 16.14 | 2.26 | 3 | Duarum in occipite Australis | 15.50f | 7.17f | B 4 |
| 24 | Sequens | 18. 0 | 2.29 | 3 | Borea in occipite | 17.30f | 8.54f | 6 |
| 25 | Antecedens in cauda superiori | 18.14 | 2.22 | B 5 | Præcedens duarum in dorso | 19.42 | 9. 3 | 5 |
| 26 | Reliquarum in superiori cauda Australis | 20.27 | 0.14f | A 5 | Sequens in dorso | 21.56f | 7.13f | 5 |
| 27 | Præcedens hanc ad septentrionem | 20.16 | 0.10 | A 6 | Præcedens in alvo | 17.21 | 4.27 | 5 |
| 28 | Borea in extremo caudæ | 19.54 | 4.17 | B 6 | Sequens in alvo | 21. 5 | 3.25 | 5 |
| AQUARIUS. | | | | | In cauda | 27. 2 | 6.23f | 5 |
| 1 | In capite | 22.26f | 15.23 | B 6 | Supra hanc ad ortum | 28.27 | 7.27 | 6 |
| 2 | In humero dextro, clarior | 27.49f | 10.42 | B 3 | Sequens (præcedens) | 2.29 | 5.28 | B 6 |
| 3 | Obscurior & australior | 26.36 | 9.11f | 5 | In lino Australi lucidiorum trium | 8.36 | 2.11 | B 4 |
| 4 | In humero sinistro | 17.51 | 8.42 | 3 | Earundem media | 11.58 | 1. 5f | B 4 |
| 5 | Quæ in dorso sub axilla | 18.38 | 6. 0f | 5 | Sequens | 14.19 | 0.57f | B 4 |
| 6 | Sequens & infer. trium in sinistra | 10.51 | 4.50 | 5 | In flexu lini duarum exiguarum | 12.25 | 1.31 | A 6 |
| 7 | Media (manu) | 7.28f | 8.19 | 5 | antecedens & Borea | 13.46 | 4.19f | A 6 |
| 8 | Antecedens lucidior | 6.12 | 8.10 | B 4 | Earundem sequens ad Austrum | 17.33 | 3. 3 | 5 |
| 9 | In cubito dextro | 1.10 | 8.17f | 3 | Post flexionem trium præcedens | 19.56 | 4.40f | 5 |
| 10 | In dextra manu borealior | 3. 4f | 10.31 | 5 | Media | 21.57f | 7.56 | A 5 |
| 11 | Reliquarum duarum australium | 3.23 | 8.52f | 4 | Sequens ultima | 23.47f | 9. 4f | A 3 |
| 12 | Sequens (præcedens) | 4.53 | 8.10 | 4 | Lucidior in nexu amborum linorum | 22.12 | 1.38f | B 5 |
| 13 | In coryla dextra duarum præced. | 27.45 | 2.46 | 4 | In lino Boreo à connexu præced. | 21.16 | 1.51f | B 5 |
| 14 | Sequens earum | 28.31 | 2.29f | B 6 | Post hanc trium Australis | 21.16 | 5.21 | 4 |
| 15 | In dextro femore | 29.53 | 1.10 | A 5 | Media, & lucidior in nexu Boreo | 21.36f | 9.24 | 5 |
| 16 | Quæ est ad clunes | 23.13 | 2. 0 | A 4 | Borea trium, & ultima in lino | 23.15 | 22. 0 | 6 |
| 17 | Australis in dextra tibia. Scheat | 3.22 | 8.10 | 3 | Borea duarum in ore piscis Borei | 22.49f | 20.43 | 5 |
| 18 | Borea, seu quæ ad genu est | 3. 5 | 5.37 | 5 | Australis | 19.22f | 20.55 | 6 |
| 19 | In sinistra coxa | 29.40 | 5.40 | 6 | Borealis trianguli in capite | 18. 6f | 19.24 | 6 |
| 20 | In sinistro genu duarum australior | 26.55f | 10.48f | A 5 | Australis ejusdem trianguli | 17. 3f | 20.24 | 6 |
| 21 | Borealior | 29.50 | 9.57f | A 6 | Media, & antecedens trianguli | 17.56f | 13.21 | B 5 |
| 22 | In effusione aquæ, à manu prima | 3.52 | 4. 8f | B 4 | In Australi spina, triu præced. prope finistrum cubitum Andromedæ | 18. 2f | 12.21f | 6 |
| 23 | Succedens australis | 6. 4 | 0.19f | A 4 | Media | 18. 9 | 11.21 | 6 |
| 24 | Sequens in primo flexu aquæ | 9. 0 | 1.24 | A 6 | Infima trium | 23.18 | 17.26 | 5 |
| 25 | Quæ eam comitatur | 11.38 | 1. 0 | 5 | In alvo, duarum Borea | 20.58f | 15.30 | 5 |
| 26 | In altero flexu australi | 11.33 | 2.49 | 5 | Quæ magis ad Austrum (spina) | 19. 0 | 12.27f | 5 |
| 27 | Præced. & borealior duar. sequet. | 10.43 | 3.58f | 5 | Sequens mediam triu in Australi | 24.11 | 18.31 | B 5 |
| 28 | Sequens & australior | 11.11 | 4.10f | 5 | Sequens Boream in alvo ad Septentrionem | 21.41 | 23. 3 | B 6 |
| 29 | Prope hanc, in austrum declinans | 11.14f | 4.44 | A 5 | In occipite Borei piscis Long. 25' | | | |
| 30 | Post hanc duarum contig. præcedens | 14. 7 | 10.59 | A 5 | | | | |

Tab. 49

N.B. Hæc reperitur ex novis observ. 0. 12 Austral. & 0. 2 i. 38 1/2 Austr.



PARS TERTIA CATALOGI
COMPLECTITUR FIXARUM, QUÆ XV. IMAGINES ME-
ridionales efformant, à veteribus annotatarum partem potissimam.

DENOMINATIO Longitudo Latitudo DENOMINATIO Longitudo Latitudo
STELLARUM. G.M.S. G.M. STELLARUM. G.M.S. G.M.

| C E T E. | | | | P R A E C E D E N S | | | |
|---|------------------|---------------|------|--|------------------|---------------|------|
| DENOMINATIO STELLARUM. | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | MAG. | DENOMINATIO STELLARUM. | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | MAG. |
| 1 Quæ in rostro | 9.31 | 7.50 | A 4 | Præcedens duarum infra ensem | 16.20 | 30.37 | A 4 |
| 2 Lucida mandibulæ Ceti | 8.47 | 12.37 | A 2 | Sequens duarum infra ensem | 18.23 | 30.38 | A 5 |
| 3 Media in ore | 3.53 | 12.2 | 3 | Lucida in sinistro pede, Rigel. | 11.17 | 31.11 | 1 |
| 4 Præcedens trium ad genam | 2.2 | 14.32 | 3 | Quæ in sinistro calcaneo | 12.15 | 29.53 | 4 |
| 5 Quæ infra oculum | 1.54 | 5.52 | 4 | Quæ in sura sinistri pedis | 14.2 | 31.0 | 5 |
| 6 Quæ est supra oculum | 6.7 | 5.36 | 4 | In genu dextro | 20.49 | 33.8 | 3 |
| 7 In occipite | 28.29 | 4.19 | 4 | Quæ ult. balthei præc. ad austr. * | 18.39 | 26.0 | A 4 |
| 8 In pectore quadrilateri pr. borea | 24.9 | 25.17 | A 4 | Quæ ad dorsum est, hanc præc. * | 14.34 | 19.40 | 6 |
| 9 Duarum infer. præc. ad austrum | 24.32 | 28.31 | 4 | Seq. duarum super manubrii ensis | 14.45 | 24.6 | 6 |
| 10 Sequentium in pectore australis | 28.11 | 28.16 | 4 | Præcedens | 13.59 | 23.32 | 5 |
| 11 Præcedens & borealis | 27.47 | 25.58 | 3 | In sinistro latere super hanc | 14.57 | 21.23 | 5 |
| 12 In ventre media | 12.25 | 25.1 | 4 | Sub brachio & scuto, præcedens | 11.58 | 20.8 | 4 |
| 13 Infima in ventre | 13.50 | 31.4 | 4 | Duarum in sinist. latere præcedens | 19.45 | 21.58 | A 5 |
| 14 Borea ventris | 16.25 | 20.19 | 3 | Sequens | 22.25 | 21.39 | 5 |
| 15 Duarum lucid. in dorso oriental. | 10.42 | 15.46 | A 3 | Post hanc, Informis | 24.10 | 22.57 | 5 |
| 16 Occidentalior earundem | 6.11 | 16.55 | 3 | Superior trium in sinistra manu | 13.36 | 11.45 | 6 |
| 17 Borealis caudæ | 25.23 | 10.1 | 3 | Media | 11.33 | 13.8 | 6 |
| 18 Australis seu lucida caudæ | 26.56 | 20.47 | 2 | Australis | 11.0 | 14.24 | 6 |
| 19 Lucidam mandibulæ ad ortum sequens inform. * | 12.45 | 14.30 | 5 | Decem informium supra Orionem præcedens <i>Pisferus 60</i> | 28.44 | 29.31 | 4 |
| 20 Boream ventris præc. ad austrum * | 15.4 | 21.55 | A 5 | Sequens | 2.43 | 29.49 | A 4 |
| 21 Quæ in rect. li. cum III & V cap. * | 2.49 | 9.12 | A 4 | Supra hanc | 2.22 | 28.4 | 5 |
| | | | | Præc. trium in lin. recta. <i>Pisf. II</i> | 1.8 | 18.47 | 4 |
| | | | | Media. <i>Pisferus 16</i> | 2.58 | 15.56 | 4 |
| | | | | Borealis | 4.50 | 13.15 | 4 |
| | | | | Infra lineam rectam ad Austrum | 2.58 | 18.24 | 5 |
| | | | | Supra hanc ad ortum | 6.36 | 14.59 | 5 |
| | | | | Præc. duarum, quæ infra (supra) | 7.14 | 20.33 | 4 |
| | | | | Sequens [canem] | 14.0 | 22.47 | A 4 |
| | | | | | | | |
| O R I O N. | | | | E R I D A N U S. | | | |
| 1 Suprema trium conjunct. in capite | 18.11 | 13.26 | A 4 | Quæ ad sinistr. pedem Orionis in principio fluvij | 9.40 | 31.35 | A 4 |
| 2 Occidentalior * | 18.6 | 13.54 | 5 | Supra pedem Orionis in fluvio | 9.42 | 27.54 | 3 |
| 3 Tertia quæ ad ortum * | 18.33 | 14.4 | 5 | Duarum aliarum sequens | 7.39 | 29.52 | 5 |
| 4 Sequens seu lucidus humerus | 23.12 | 16.6 | 2 | Præcedens | 5.29 | 27.51 | 5 |
| 5 Sinister, seu præcedens humerus | 15.23 | 16.53 | 2 | Sequens duarum superiorum | 3.45 | 25.34 | 4 |
| 6 Sequens in sinistro humero | 16.47 | 17.22 | 5 | Præcedens earundem | 1.14 | 25.11 | 4 |
| 7 Quæ in dextro brachio | 25.4 | 14.51 | A 4 | Post intervallum sequens ex 4 tuor | 18.18 | 33.13 | A 3 |
| 8 In dextra ulna | 28.30 | 11.30 | 6 | Quæ præc. hanc | 15.22 | 31.9 | 4 |
| 9 In manu dextra australior | 27.23 | 9.15 | 4 | Quæ ad septent. est, seu 3tia præc. | 15.7 | 28.46 | 3 |
| 10 Præcedens in dextra | 26.21 | 8.44 | 4 | Quæ omnes quatuor antecedit | 12.45 | 27.47 | 3 |
| 11 Proxima supremæ in dextra manu | 27.22 | 7.20 | 6 | Prima contiguarum Cete | 3.10 | 24.34 | 3 |
| 12 Suprem & ult. earum quæ in manu | 28.8 | 7.19 | 6 | Inter hanc & tertiam | 5.36 | 23.58 | 4 |
| 13 Præced. duarum quæ in colobro | 23.9 | 3.12 | A 5 | Tertia quæ seq. <i>Meus rep. hic 8 vā</i> | 8.16 | 25.59 | A 3 |
| 14 Sequens earundem | 25.21 | 3.21 | 5 | Præcedens inferior. <i>Pisferus 40</i> | 23.49 | 30.25 | 5 |
| 15 Quæ est infra dext. hum. ad occas. | 18.56 | 19.17 | 5 | Supra hanc | 23.53 | 27.32 | 4 |
| 16 Ex duabus obscuris in dorso seq. | 17.40 | 19.36 | 6 | Sequens | 24.58 | 28.9 | 4 |
| 17 Præcedens earundem | 16.46 | 19.52 | 6 | Superior orientalis | 27.46 | 25.3 | 5 |
| 18 Quæ ex quatuor in dorso præced. | 15.34 | 20.8 | 5 | Præc. duarum inter Eridanum & 8 | 16.25 | 18.26 | 4 |
| 19 In clypeo novem borealissima | 7.53 | 8.17 | A 4 | Sequens australis | 20.7 | 22.45 | A 4 |
| 20 Secunda | 8.48 | 9.7 | A 4 | | | | |
| 21 Tertia | 8.10 | 11.6 | 6 | L E P U S. | | | |
| 22 Quarta | 8.0 | 12.25 | 4 | Superior præcedentis auris | 10.14 | 34.34 | A 5 |
| 23 Quinta | 6.49 | 13.3 | 4 | Inferior ejusdem auris | 10.20 | 35.54 | A 5 |
| 24 Sexta | 6.23 | 15.27 | 4 | Superior sequentis auris | 12.27 | 35.18 | 6 |
| 25 Septima | 6.33 | 16.50 | 4 | Inferior sequentis auris | 12.14 | 36.14 | 5 |
| 26 Octava | 6.58 | 20.2 | A 4 | Quæ est in capite | 9.49 | 39.4 | A 5 |
| 27 Ultima | 7.57 | 20.55 | 4 | Extrema anteriorum pedum | 6.25 | 45.0 | A 4 |
| 28 Prima balthei | 16.50 | 23.38 | 2 | | | | |
| 29 Media | 17.54 | 24.33 | 2 | | | | |
| 30 Ultima | 19.6 | 25.21 | 2 | | | | |
| 31 Quæ in manubrio ensis | 14.37 | 25.36 | 3 | | | | |
| 32 Suprema trium in ense | 17.28 | 28.9 | 5 | | | | |
| 33 Media ensis | 17.24 | 28.45 | A 3 | | | | |
| 34 Australis | 17.27 | 29.17 | A 3 | | | | |

Tab. 55.

O 5 Quæ
Tab. 53

| DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | |
|------------------------------|---|--------------------|---------------|------|---|--|------------------------------|---------------|-------|-----|
| 7 | Quæ in dorso seu medio corpore | 15.49 Π | 41. 5 f A | 3 | 35 | Quæ in collo præcedit | 11.51 f Ω | 11. 5 f A | 6 6 | |
| 8 | In armò sinistro | 14. 6 f Π | 43.57 f | 3 | 36 | Sequens in educatione colli | 14.41 f Ω | 13. 5 | 4 7 | |
| 9 | Australior duarum in post. pedibus | 19.21 f Π | 45.49 f | 3 | 37 | Media colli, & præcedens trium in nexu | 20.11 f Ω | 15. 0 | 5 8 | |
| 10 | Boreolior earundem | 21.36 Π | 44.18 | 3 | 38 | Borea trium in flexu colli | 22. 4 Ω | 14.17 f | 4 9 | |
| 11 | Præcedens in dorso | 20.26 f Π | 38.16 | 4 | 39 | Australis in nexu | 19.53 f Ω | 16.46 | 5 10 | |
| 12 | Sequens in dorso | 23.27 f Π | 37.40 f | 4 | 40 | Lucida Hydræ, five cot | 21.45 f Π | 22.24 | 1 11 | |
| 13 | Ultima in cauda | * 26.22 Π | 38.26 A | 4 | 41 | Quæ proximè cor sequitur | 27.12 Π | 26.33 f | 4 12 | |
| CANIS MAIOR. | | | | | CRATER. | | | | | |
| 1 | In ore splendidissima, Siri ^o vocata | 8.35 f Ω | 39.30 A | 1 | 42 | Quæ est in basi crateris | 18.13 Π | 22.41 A | 4 1 | |
| 2 | Quæ in fronte ad dextram aurem | 19. 1 f Ω | 34.50 | 4 | 43 | Sequens duarum in medio | 23.43 | 19.39 | 4 2 | |
| 3 | In media fronte | 11.27 Ω | 36.43 | 5 | 44 | Præcedens earundem | 21.10 f | 17.25 | 4 3 | |
| 4 | Quæ sub sinistra aure | 14. 6 Ω | 38. 2 f | 3 | 45 | Præcedens duarum supra craterem | 20.27 | 13.10 | 4 4 | |
| 5 | In collo | 12. 3 Ω | 39.30 | 4 | 46 | Earum sequens | 23. 2 | 11.17 | 4 5 | |
| 6 | In armò dextro anteriorum pedum | 6.32 f Ω | 42.12 f | 5 | 47 | Præcedens duarum infer. Pis. 16 | 28.30 Π | 18.10 | 4 6 | |
| 7 | Quæ in extremitate pedis prioris | 1.42 f Ω | 41.18 f | 2 | 48 | Sequens | 0.33 Ω | 16. 2 | 4 7 | |
| 8 | Quæ in dorso | 15.30 f Ω | 46. 9 f | 5 | 49 | In medio cratere | 24.55 Π | 14. 9 A | 5 8 | |
| 9 | Media in pectore | 12.36 f Ω | 46.39 f | 5 | CORVUS. | | | | | |
| 10 | Quæ in ventre | 17.55 Ω | 48.30 | 3 | 50 | Quæ ad oculum | 6. 8 Ω | 19.39 A | 4 1 | |
| 11 | In ventre inter posteriora femora | 15.21 f Ω | 51.24 f | 3 | 51 | Præcedens duarum superiorum in \square | 5.13 | 14.25 | 3 2 | |
| 12 | Inferior dextri pedis priorum | 1. 7 Ω | 51.46 f | 3 | 52 | Sequens earundem | 7.55 | 12. 7 | 3 3 | |
| 13 | Quæ in cauda | 24.11 f Ω | 51.24 f A | 3 | 53 | Sequens inferiorum in quadrato | 11.49 | 17.59 | 3 4 | |
| CANIS MINOR, PROCYON. | | | | | 54 | 54 | In rostro | 6.38 | 21.46 | 4 5 |
| 1 | In collo | 16.39 f Ω | 13.33 f A | 3 | 55 | In collo | 8.14 | 18.14 | 5 6 | |
| 2 | In femore, Procyon | 20.18 f Ω | 15.57 | 2 | 56 | In sinistra ala supra lucidam | 8.21 f Ω | 11.28 A | 5 7 | |
| 3 | Supra lucidam colli | 16.49 Ω | 12.51 | 6 | CENTAURUS, CHIRON. | | | | | |
| 4 | Informis supra hanc | 16.42 f Ω | 9.46 | 6 | 57 | In capite de quatuor australissima | 1.27 Π | 21.49 A | 5 1 | |
| 5 | Sequens ad caudam cancri | 20.57 f Ω | 10.19 f A | 5 | 58 | Quæ magis in Boream | 0.59 Π | 19. 8 | 5 2 | |
| ARGO NAVIS. | | | | | 59 | 59 | Intermediarum duarum præced. | 0.12 Π | 20.51 | 5 3 |
| 1 | Quæ in suprema puppi | 5.53 f Ω | 43.18 f A | 3 | 60 | Sequens & reliqua de quatuor | 1. 3 Π | 20.12 A | 5 4 | |
| 2 | Suprema clypei navis | 0.35 f Ω | 44.58 f | 3 | HYDRA. | | | | | |
| 3 | Præcedens clypei | 28. 0 Ω | 47.28 | 3 | 61 | Præcedens in capite | 5.39 f Ω | 14.37 A | 5 5 | |
| 4 | In velo | 4. 6 f Ω | 32. 7 | 4 | 62 | Supra primam ad aquilonem | 6.46 Ω | 14.16 f | 4 4 | |
| 5 | Informis ad Austrum | 4.27 Ω | 38.31 | 4 | 63 | Boreolior in occipite | 6.48 Ω | 11. 8 | 4 4 | |
| 6 | In Malo trium inferior | 12.26 f Ω | 32.56 | 6 | 64 | Quæ tertiam ad austrum præit | 7.22 f Ω | 11.36 | 5 5 | |
| 7 | Supra hanc | 12.51 f Ω | 30.18 | 4 | 65 | Omnium in capite orientalior | 9. 0 f Ω | 11. 1 A | 4 4 | |
| 8 | Hac ipsa altior | 10. 1 f Ω | 24.29 f | 4 | FINIS CATALOGI MILLE FIXARUM TYCHONIS BRAHE. | | | | | |
| 9 | Duarum in Antenna præcedens | 29.26 Ω | 23.39 f | 4 | <i>Lat. 39.</i> | | | | | |
| 10 | Sequens | 4.20 f Π | 22.29 f | 3 | <i>Lat. 41.</i> | | | | | |
| 11 | Informis inter velum & lacteam | 23.44 Π | 30.30 A | 3 | <i>Lat. 41.</i> | | | | | |

Lat. 41

Secunda Classis

FIXAS ILLAS COMPLECTITUR, QUAS DE VETUSTO HIPPARCHI CATALOGO, à Ptolemæo repetito & emendato, Tycho omisit. Eas SEMI-TYCHONICAS appellare placet: requisitas enim ex codice Ptolemæi, adhibita etiam versione Trapezuntij, Tubingæ ante annos 76 editâ à Schreckenfluxio, reduxi ad annum 1600, additione, ad longitudinis loca à Ptolemæo prodita, tanti arcûs, quantum Tycho addidit in aliquâ vicinâ clarâ; latitudini vel additis vel subtractis scrupulis totidem, quot quovis loco major fuisse creditur obliquitas ellipticæ sub Ptolemæo: sic tamen, ut rotundi numeri vicini ratio haberetur.

Præstare autem putavi, Græcum hic textum Ptolemæi propius sequi, quam cum cæteris, Prutenicas, Copernicum, & Alphonfinos, qui Arabicam Almagesti versionem secuti esse videtur; ut hoc pacto conferendi inter se versiones occa-

sionem

tionem subministrarem: & quia incertum est, cortexerintne Arabes in Ptolemaicis istis aliqua, an omnis versionum diversitas à transcriptorum incuria sit orta. Pauca sunt, quibus ego manum admovi, vel in libro de stella Serpentarij vel alijs, quas caractere antiquo, monendi causa, expressi.

| DENOMINATIO STELLARUM. | | | | DENOMINATIO STELLARUM. | | | |
|--|------------------|---------------|------|---|------------------|---------------|------|
| | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
| In URS A minore informis Clavij (signo falso) est 8 Tychonis. | | | | Proximè infra ultimam | 10.22 | 25.2 | B 6 |
| In URS A majore 39.40.41, in meo Exemplari sunt magn. | | | | Sequens manum Ophiuchi | 29.45 | 16.0 | 5 |
| non 3, sed 5, lat. 34.59, 21.38, 20.44, & Ptol. 8va in- | | | | In ANDROMEDA In Syrmate | 4.0 | 34.40 | 5 |
| formatarum inter eas esse videtur, quia Trapezuntius pro 0 09. | | | | Austrina [duarum bor. | 5.30 | 32.40 | 5 |
| | | | | Inform. preced. tres in dextra manu | 3.0 | 44.0 | B 3 |
| In CEPHEO, informis pr. Tiarum | 4.30 | 64.0 | B 5 | In ARIETE. Trium infor. borea | 12.20 | 12.44 | B 5 |
| In BOOTE, 10 Ptol. in venabulo | 28.45 | 45.45 | 4 | In extremo pede posteriori | 6.0 | 5.10 | A 4 |
| In ENGONASI in coxa sinist. pr. | 1.20 | 55.55 | 5 | In TAURO. Observatio de Plejade. | | | |
| Sequens | 2.30 | 58.15 | 5 | Commendat eam creber appulsus Lunæ, & usus in | | | |
| Informis dextri brachij Australior | 24.39 | 57.30 | 5 | obl. antiquissima magni momenti. Igitur Tycho solas 4 | | | |
| In OLORE in dextro genu | 3.0 | 63.20 | ne | enumerat: & tamen primam earum non invenio in Ob- | | | |
| In PERSEO, informis à sinistro | | | | servationibus. Etiamq; meum Msc. pro 23°. 13' 1/2, habet | | | |
| genu ad ortum | 2.10 | 17.50 | B 5 | 23.50', quod Bayeri disjunctio probat. Videtur indulta | | | |
| In OPHIUCHO & defunt multe Ptolemaicæ, | | | | Ptolemaeo longitudo tam parva, ut qui etiam ad 1°. 30', | | | |
| & suspectæ sunt aliqua, quas Clavius ex Pifero sumpfit, | | | | dislocat terminos Plejadis, & sic usurpat in obl. Timocha- | | | |
| qui alijs merum Catalogum Tychonicum complexus est: | | | | ridis: cum tamen hæc non ferat tantam. Idem Ptol. exor- | | | |
| cum tamen defint in meo exemplari. Quorum altitudines | | | | sus à quadrilatero, deficit in ejus enumeratione, quarto ad- | | | |
| & culminationes cum instrumentis ceperim; Catalogum | | | | jiciens unam extrâ. Sunt tamen 7, quas Galilæus in Nun- | | | |
| ex libro meo de stella nova transcribam, nihil præjudicans | | | | cio exprimit. At meæ disjunctioes diversissimorum | | | |
| observatori diligentiori. | | | | temporum, tribus Tychonicis innixæ, consentiunt satis | | | |
| | | | | propinquè in hos numeros; ac si sic in Ptol. sit legendum: | | | |
| 38 In recta trium ante pedè præ. bor. | 25.42 | 9.27 | B 5 | Τῆς Πλειάδῃ τὸ βόρειον πέρασ τῆς | | | |
| 39 Media | 24.47 | 6.42 | 5 | ἡγαμένης πλευρᾶς | 24.5 | 8 | 4.21 |
| 40 Infima | 24.5 | 3.45 | 5 | Τὸ νότιον πέρασ τῆς ἡγαμένης πλευρᾶς | 23.50 | 8 | 4.13 |
| 41 Quæ præcedit genu anterius | 1.3 | 13.34 | 5 | Τῆς ἐπομένης τὸ βόρειον πέρασ | 24.24 | 8 | 4.3 |
| 42 Duarum inter pedes superior | 6.51 | 11.50 | 6 | Τὸ νοτιώτατον πέρασ τῆς πλευρᾶς vel | | | |
| 43 Inferior | 5.49 | 4.38 | 6 | πλειάδῃ | 24.4 1/2 | 8 | 3.55 |
| 44 Trium in crure anteriori borea | 2.47 | 5.42 | 4 | Ὁ ἐκὸς τῆς πλειάδῃ, ἡμὶ μικρὸς ἀπ' | | | |
| 45 a. Media | 2.7 | 3.11 | 4 | ἀρκῶν. Ita deessent | 24.7 | 8 | 4.25 |
| 46 p. Australissima | 1.45 | 1.38 | 4 | Ὁ ἡγαμένῃ αὐτῆ συχνα ἐκλείπων | 24.0 | 8 | 4.26 |
| 47 q. In calcaneo pedis hujus | 4.4 | 0.26 | 4 | Ὁ ἐπόμενῃ τῇ πλειάδῃ | 24.47 | 8 | 3.55 |
| 48 In femore sequenti | 15.39 | 17.28 | 5 | Ac si ἡ πλειάδῃ sit Ratis, & contineatur solo quadrila- | | | |
| 49 m. In cubito sequenti | 19.2 | 14.57 | 4 | tero. Et si etiam in ultima, observata altitudo, calculum su- | | | |
| 50 a a. In pedis sequentis Tibia | 15.42 | 1.57 | B 4 | perat. Omnino omnissimam esse unam, Summa 32 arguit, sunt | | | |
| 51 u. In digito pedis | 14.7 | 3.37 | A 4 | enim 33. Et Mag. primæ refertur una, tertie 6, cum clata | | | |
| 52 In dorso pedis | 14.47 | 1.27 | 5 | Plejadis non sit minor eoque; septima, tertie Mag. in 8. | | | |
| 53 b. In Plantâ, clara | 15.47 | 1.43 | 3 | Informatæ. Sub pede & armo dext. | 16.20 | 17.30 | A 4 |
| 54 c. In vola | 16.37 | 0.59 | 4 | Trium supra australe cornu preced. | 11.0 | 2.0 | 5 |
| 55 d. e. In calce seu talo | 18.5 | 0.57 | A 4 | Duarum sub extremo austr. cornu bor. | 20.0 | 6.0 | 5 |
| 56 Sequens pedem hunc | 20.4 | 1.22 | B 4 | Austrina Schreckenf. 20 | 20.0 | 7.0 | A 5 |
| 57 Infor. inter hum. Oph. & Herc. | 26.27 | 35.0 | B 4 | Ex 5 sub cornu bor. pr. Schr. 3.0 | 18.0 | 0.40 | B 5 |
| 58 bb. Ad humerum Oph. in Rhomboreale | 25.7 | 28.0 | 4 | Hanc sequens | 20.0 | 1.20 | 5 |
| 59 cc. Mediarum præcedens | 24.57 | 26.40 | 4 | Hac iterum posterior | 22.0 | 1.40 | 5 |
| 60 dd. Sequens | 26.50 | 26.28 | 4 | Ultimarum duarum borea | 23.20 | 3.40 | 5 |
| 61 ee. Infima | 25.40 | 24.45 | 4 | Australis | 24.20 | 1.35 | B |
| 62 Stella nova anni 1604 | 17.40 | 1.56 | | In GEMINIS. Quæ precedit | | | |
| 63 Supra informatas solitaria | 27.50 | 32.45 | B 4 | genu anterius, clara | | | |
| In SERPENTE. Quæ supra duplicem, octava Ptolemaeo | 16.33 | 26.36 | B 4 | In CANCRO. Supra flexum For- | | | |
| In crista | 18.9 | 37.15 | 5 | cipis austrina | | | |
| In spira, apex Isoscelis 13 Ptol. | 15.0 | 10.25 | 4 | Quæ sequitur extremum Forc. austr. | | | |
| Basis præcedens 14 Ptol. | 19.23 | 8.4 | 4 | In VIRGINE. In fem. □ preced. | | | |
| Sequens 15 Ptol. | 20.9 | 10.23 | 4 | In coxâ extremo [australior | | | |
| Supra caudam duarum superior | 29.49 | 26.38 | 6 | Ex lib. meo de stella Nova Serpentarij. | | | |
| Inferior | 1.39 | 23.28 | 6 | In LIBRA. Infra Chelâ austr. bor. | | | |
| Infra caudam clara | 3.0 | 15.49 | 4 | Australior | | | |
| Trium inter ultimas caudæ Ima | 2.0 | 21.29 | 6 | In SCORPIONE. In corpore, sub | | | |
| Media | 4.6 | 22.42 | 6 | r. vola pedis Serpent. | | | |
| Postrema | 6.40 | 24.52 | B 6 | | 2.57 | 1.50 | A 4 |

| DENOMINATIO STELLARUM. | | | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | DENOMINATIO STELLARUM. | | | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|---|--|-------|-------|------------------|---------------|--------------------------------------|--|-------|---|------------------|---------------|------|
| Quæ supra cor | 4.12 | → | 3.2 | A | 5 | Media | Pt. 8va | 26.40 | 8 | 26.50 | A | 4 |
| Supra præcedentem cor | 2.1 | → | 2.50 | | 5 | Ex quatuor, quæ præit | 17ma | 1.30 | 8 | 23.10 | | 4 |
| Infra eam in corpore posterior | 2.21 | → | 7.0 | | 4 | In conversione fluxuy ad pectus Ceti | | 26.10 | V | 32.10 | | 4 |
| In primo spondylo | 8.4 | → | 11.0 | | 3 | Sequens | | 26.50 | V | 34.50 | | 4 |
| In secundo spondylo | 9.44 | → | 14.52 | | 3 | Sequentium trium prima | | 29.50 | V | 38.30 | | 4 |
| In aculeo caudæ | 18.29 | → | 13.54 | A | 3 | Media | | 4.50 | 8 | 38.0 | | 4 |
| Ex Ptol. In 3 spond. boreal. Cl. austr. | 11.10 | → | 19.0 | A | 4 | Ultima | | 8.30 | 8 | 38.50 | | 4 |
| Australior (Clavius correxit, Bor.) | 11.20 | → | 18.20 | | 3 | In □ præcedentis lateris borea | | 12.20 | 8 | 41.10 | | 4 |
| Sequens in quarto spondylo | 14.20 | → | 19.50 | | 3 | Austrina | | 12.30 | 8 | 42.20 | | 5 |
| Post eum in quinto spondylo | 19.10 | → | 19.10 | | 3 | Sequentis lateris antecedens | | 13.10 | 8 | 43.0 | A | 4 |
| Uterior in sexto spondylo | 21.30 | → | 17.0 | | 3 | Ultima harum 4 | | 15.40 | 8 | 43.10 | | 4 |
| Qui in septimo spondylo | 20.0 | → | 15.30 | | 3 | Ad ortu 2 conjun. borea Al. 8.53° | | 25.10 | V | 50.20 | | 4 |
| Qui aculeum præcedit | 18.0 | → | 14.0 | | 4 | Magis in austrum. Al. 8 | | 26.0 | V | 51.40 | | 4 |
| Infor. Aculeum sequens | 22.10 | → | 13.40 | | ne | In reflexione duarum posterior | | 19.10 | 8 | 53.40 | | 4 |
| Duarum supra acul. præcedens | 16.30 | → | 6.30 | | 5 | Præcedens | | 16.50 | 8 | 53.0 | | 4 |
| Sequens | 20.30 | → | 1.30 | A | 5 | In ultimo intervallo ex 3, postrema | | 8.50 | 8 | 52.50 | | 4 |
| In SAGITTARIO. Ex lib. de stella nova Serpent. | | | | | | | | | | | | |
| a In cuspide sagittæ | 25.20 | → | 6.54 | A | 3 | Media | | 5.50 | 8 | 53.20 | | 4 |
| a. Ex Ptolemao. In cuspide sagittæ | 25.40 | → | 6.50 | A | 3 | Prima trium | | 2.50 | 8 | 51.50 | | 4 |
| b. In manubrio sinistra manus | 28.50 | → | 6.50 | A | 3 | In extremo fluminis | | 21.10 | V | 53.30 | A | 1 |
| Scaliger ad Tychonem scribit, collocari hanc à suis Marinariis in 9°. 45' N, lat. 59°. Hoc exprimit Bayerus. | | | | | | | | | | | | |
| Has repeto ob latitudinem. Distantias earum à nona Scorpionis, latitudinis penè ejusdem, inveni annotatas manu Tychohis ad observ. Regiomontani, an. 1465, 19 Junij, sed sine latitudine. Erant autem 19°. 37', & 22°. 58'. Secundum harum differentiam à Ptolemaicis, accommodavi & reliquarum Sagittarij longitudines ex Ptolemaeo. | | | | | | | | | | | | |
| 15 | In australi parte arcus | 29.10 | → | 11.10 | A | 3 | In CANE majore. In pectore | 11.30 | ∞ | 42.20 | A | 5 |
| 16 | In oculo nebuloza duplex | 6.20 | → | 0.25 | B | ne | In genu australis | 7.0 | ∞ | 42.10 | | 5 |
| 17 | In humero dextro | 13.40 | → | 2.10 | A | 5 | In sin. genu duarum præc. Al. 20° | 5.0 | ∞ | 46.10 | | 5 |
| 18 | In scapulis | 11.10 | → | 2.50 | | 5 | Sequens | 7.10 | ∞ | 45.30 | | 5 |
| 19 | e In armo. Tertia Trapezij c.d.e.f. | 9.30 | → | 4.40 | | 4 | In poplite cruris dextri | 14.0 | ∞ | 54.50 | | 4 |
| 20 | f Sub axilla. Quarta Trap. c.d.e.f. | 8.0 | → | 6.40 | | 3 | Informes circa canem | | | | | |
| 21 | In suffragine sinistra priori | 8.50 | → | 23.20 | | 2 | A Septentrione ad verticem canis | 10.30 | ∞ | 25.0 | | 4 |
| 22 | In genu ejusdem cruris | 8.10 | → | 18.20 | | 2 | Sub pedibus poster. 4 in recta, austr. | 1.0 | ∞ | 61.10 | | 4 |
| 23 | In priori dextra suffragine | 27.50 | → | 13.20 | | 3 | Quæ magis in Boream | 2.20 | ∞ | 58.30 | A | 4 |
| 24 | in sinistra scapula | 18.30 | → | 13.50 | | 3 | Quæ etiam hac septentrionalior | 4.0 | ∞ | 56.40 | | 4 |
| 25 | In posteriori dextro genu | 17.50 | → | 20.30 | | 3 | Residua de 4, borealissima | 5.10 | ∞ | 55.40 | | 4 |
| 26 | In eductione caudæ □, seu Terebelli, borei lateris præcedens | 19.0 | → | 5.10 | A | 5 | Trium ad occ. in linea præc. Al. 19° | 18.0 | ∞ | 55.10 | | 4 |
| 27 | Sequens ejusdem lateris | 20.0 | → | 5.10 | | 5 | Media | 21.20 | ∞ | 57.20 | | 4 |
| 28 | Austrini lateris præcedens | 19.45 | → | 6.10 | | 5 | Trium ultima | 23.20 | ∞ | 59.30 | | 6 |
| 29 | Sequens ejusdem lateris | 20.50 | → | 6.50 | A | 5 | Sub his duarum clararum sequens | 20.0 | ∞ | 59.20 | | 2 |
| In AQUARIO. In dextro clune duarum septentrionalior | | | | | | | | | | | | |
| | Trium Informatarum, quæ post flexum aqua, præcedens | 18.10 | → | 15.40 | | 4 | Antecedens | 17.0 | ∞ | 57.20 | A | 2 |
| | Sequentium borealis | 21.10 | → | 14.40 | | 4 | Reliqua australior prædictis | 13.10 | ∞ | 59.30 | | 4 |
| | Australis | 20.20 | → | 18.20 | A | 4 | In ARGO. Extrema duarum præc. | 2.0 | ∞ | 42.10 | | 5 |
| In PISCIBUS. Informium in □ sub Pisce præc. Borei lateris præc. | | | | | | | | | | | | |
| | Sequens | 23.10 | → | 2.25 | | 4 | Quæ magis ad austrum | 0.20 | ∞ | 45.40 | | 4 |
| | Australis lateris præcedens | 22.15 | → | 5.35 | | 4 | Quæ has duas præcedit | 27.0 | ∞ | 45.10 | | 4 |
| | Sequens | 23.20 | → | 5.30 | | 4 | Sub scuto trium præcedens | 27.0 | ∞ | 49.10 | | 4 |
| | Quæ sequuntur hoc □, prior | 1.15 | V | 4.36 | | 5 | Sequens | 1.0 | ∞ | 49.30 | | 4 |
| | Posterior | 6.10 | V | 4.24 | | 5 | Media trium | 0.10 | ∞ | 49.0 | | 4 |
| | In CETÆ. Caudæ □, seq. lat. bor. | 2.45 | → | 12.10 | | 5 | In extremo gubernaculo | 5.40 | ∞ | 49.30 | | 4 |
| | Australis | 1.45 | → | 14.10 | | 5 | In carina puppis duarum borea | 25.40 | ∞ | 52.40 | | 4 |
| | Antecedentis lateris borea | 0.30 | V | 13.30 | | 5 | Australis | 25.40 | ∞ | 58.20 | | 3 |
| | Australis | 0.0 | V | 14.30 | A | 5 | In folio puppis borea | 1.50 | ∞ | 55.20 | | 5 |
| Ptol. numeros correxi ad circumstantium Tychoharum exemplum. | | | | | | | | | | | | |
| | In ERIDANO. Trium ultima | 27.20 | → | 25.50 | A | 4 | In eodem folio trium præcedens | 3.50 | ∞ | 58.30 | A | 5 |
| | | | | | | | Media | 4.50 | ∞ | 57.0 | | 4 |
| | | | | | | | Sequens | 8.0 | ∞ | 57.30 | | 4 |
| | | | | | | | Clara sequens in transtro | 12.40 | ∞ | 58.30 | | 2 |
| | | | | | | | Sub hac duarum obscurarum præced. | 9.40 | ∞ | 59.50 | | 5 |
| | | | | | | | Sequens | 12.30 | ∞ | 59.10 | | 5 |
| | | | | | | | Supra dicta fulgentē duarum præced. | 14.30 | ∞ | 56.30 | | 5 |
| | | | | | | | Sequens | 15.40 | ∞ | 57.30 | | 5 |
| | | | | | | | In statione mali borea trium | 26.50 | ∞ | 51.30 | | 4 |
| | | | | | | | Media | 27.20 | ∞ | 55.30 | | 4 |
| | | | | | | | Australis trium | 25.10 | ∞ | 57.0 | | 4 |
| | | | | | | | Sub his duarum conjunctarum borealior | 0.20 | ∞ | 59.50 | | 4 |
| | | | | | | | Australior | 0.10 | ∞ | 61.0 | | 4 |
| | | | | | | | In medio mali duarum australis | 21.10 | ∞ | 51.30 | A | 4 |

Boreal

| DENOMINATIO STELLARUM. | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. |
|--|---------------------|------------------|------|---------------------------------------|---------------------|------------------|------|
| Borea | | | | IN LUPO. | | | |
| In summo velo ant. Aliter 53° | 20.20 | Ω 49.0 | A 3 | In sumit. pedis post. ad manus Cent. | 19.0 | ♄ 25.0 | A 3 |
| Sequens | 19.0 | Ω 43.10 | 4 | In poplite ejusdem pedis | 16.50 | 29.20 | 3 |
| Sub 3, seq. scutum. Aliter 5° 54' | 20.0 | Ω 43.30 | 4 | In armo duarum precedens | 22.0 | 21.30 | 4 |
| In sectione instrati | 16.10 | Ω 51.30 | 2 | Sequens | 25.10 | 21.20 | 4 |
| Inter remos in carina | 8.30 | Ω 51.15 | 2 | In medio corpore bestia | 24.0 | 25.30 | 4 |
| Que sequitur hanc obscura | 12.40 | Ω 63.0 | 4 | In alvo sub ilibus | 21.10 | 27.20 | 5 |
| Lucida q sequitur hanc in stratione | 10.0 | Ω 64.30 | 6 | In femore | 21.50 | 29.20 | 5 |
| Ad austrum magis infra carinam fulges | 21.0 | Ω 63.50 | 2 | In educatione femoris duarum borealis | 25.40 | 28.50 | 5 |
| Sequentium hanc trium antecedens | 29.30 | Ω 69.40 | 2 | Australis | 24.40 | 30.30 | 5 |
| Media | 6.10 | ♄ 65.40 | 2 | In summo lumbo | 26.40 | 33.30 | 5 |
| Sequens Aliter 65° 50' | 12.20 | ♄ 65.50 | 3 | In extrema cauda trium australis | 13.0 | 31.40 | 5 |
| Sequentium duarum ad sectionem preced. | 17.0 | ♄ 67.20 | 2 | Media | 15.50 | 30.50 | 4 |
| Sequens Aliter 65° | 22.0 | ♄ 62.50 | 3 | Septentrionalis trium | 14.0 | 29.40 | 4 |
| In remone B. prac. Aliter 23° | 29.0 | ♄ 62.15 | 3 | In jugulo duarum australis | 29.50 | ♄ 17.20 | 4 |
| Que sequitur. Aliter 17° | 25.0 | ♄ 65.50 | 4 | Borea | 0.20 | ♄ 15.40 | 4 |
| In remone rel. pr. Canopus. Al. 69° | 11.10 | ♄ 65.40 | 3 | In rictu duarum precedens | 26.40 | ♄ 13.40 | 4 |
| Roliqua sequens hanc. Aliter 61° | 8.0 | ♄ 75.0 | 1 | Sequens | 27.40 | 12.10 | 4 |
| | 20.0 | ♄ 71.45 | A 3 | In priori pede duarum australior | 18.10 | 12.10 | 4 |
| | | | | Que magis in boream | 17.30 | ♄ 10.20 | A 4 |
| IN HYDRA. | | | | IN THURIBULO. | | | |
| Borea duarum in oculo | 4.20 | Ω 13.40 | A 4 | In Basi duarum borealis | 18.50 | ♄ 23.0 | A 5 |
| Australis earum & in hiatu | 7.0 | Ω 14.15 | 4 | Australis | 24.20 | ♄ 26.0 | 4 |
| Ab austro 2 contiguarum borea | 20.40 | Ω 19.45 | 6 | In media arula | 17.30 | ♄ 26.45 | 4 |
| In triquetra precedens | 3.40 | ♄ 31.20 | 4 | In fuculo trium borealis Al. 13° | 11.40 | ♄ 30.40 | 5 |
| Media earum & australior | 6.0 | ♄ 33.10 | 4 | Reliquarum duarum contig. australis | 16.20 | ♄ 34.30 | 4 |
| Sequens earundem trium | 7.40 | ♄ 31.20 | 3 | Borea | 16.10 | ♄ 33.30 | 4 |
| In extrema cauda | 6.0 | ♄ 17.40 | 4 | In Summitate flamma Al. 31° | 12.0 | ♄ 34.30 | A 4 |
| A capite ad austrum Aliter 13° | 4.0 | Ω 23.15 | 3 | | | | |
| Sequens collum Aliter 26° | 2.30 | ♄ 16.0 | A 3 | | | | |
| IN CENTAURO. | | | | IN CORONA AUSTRALI. | | | |
| In humero sinistro & precedente | 27.10 | ♄ 25.40 | A 3 | Ad ambitum aust. foris prac. Al. 24° | 0.20 | ♄ 21.50 | A 4 |
| In humero dextro | 6.40 | ♄ 22.40 | 3 | Que hanc sequitur in corona | 2.50 | ♄ 21.20 | 5 |
| In armo sinistro | 0.10 | ♄ 27.40 | 4 | Sequens hanc | 4.20 | ♄ 23.20 | 5 |
| In scuto 4. preced. duarum borealis | 9.10 | 22.30 | 4 | Que etiam hanc sequitur | 6.0 | ♄ 20.20 | 4 |
| Australis | 10.10 | 23.50 | 4 | Post hanc ante genu sagittarij | 7.20 | ♄ 18.50 | 5 |
| Reliquarum duarum q in summit. scuti | 13.0 | 18.30 | 4 | Que inde maxime borea in gen. luc. | 8.10 | ♄ 17.30 | 4 |
| Que magis in austrum | 13.30 | 21.10 | 4 | Magis borea | 7.30 | ♄ 16.20 | 4 |
| In latere dextro trium precedens | 4.20 | 28.30 | 4 | Adhuc magis in boream | 7.40 | ♄ 15.30 | 4 |
| Media | 5.0 | 29.30 | 4 | In ambitu boreo duarum sequens | 6.20 | ♄ 15.40 | 6 |
| Sequens | 6.10 | 28.10 | 4 | Precedens | 5.50 | ♄ 15.10 | 6 |
| In brachio dextro | 7.20 | 26.40 | A 4 | Ex intervallo precedens has | 3.0 | ♄ 15.0 | 5 |
| In dextro cubito | 13.50 | 25.30 | 3 | Que etiam hanc antecedit | 0.50 | ♄ 16.10 | 5 |
| In extrema manu dextra | 18.30 | 24.20 | 4 | Reliqua magis in austrum | 0.20 | ♄ 18.50 | A 5 |
| In educatione corporis humant lucis | 9.0 | 33.40 | 3 | | | | |
| Duarum magis borealium obsc. sequens | 8.40 | 31.10 | 5 | IN PISCENOTIO. | | | |
| Precedens | 7.50 | 33.10 | 5 | In notio ambitu capitis trium prac. | 21.50 | 20.35 | A 4 |
| In educatione dorsi | 3.10 | 35.0 | 5 | Media | 25.20 | 22.30 | 4 |
| Antecedens hanc in dorso equi | 0.0 | ♄ 37.50 | 5 | Sequens | 26.30 | 22.45 | 4 |
| In lumbis trium sequens | 26.50 | 40.10 | 3 | Que ad bransham | 25.30 | 16.30 | 4 |
| Media | 26.0 | 43.10 | 4 | In spina australi atq. dorso | 16.20 | 19.50 | 5 |
| Antecedens trium Aliter 41° | 23.40 | 44.10 | A 5 | In alvo duarum sequens | 22.20 | 15.30 | 5 |
| In dext. fem. duarum contiguarum | 23.40 | 46.20 | 3 | Antecedens | 20.0 | 15.0 | 4 |
| Sequens [precedens] | 24.30 | 46.50 | 4 | In spina septentrion. sequens trium | 16.20 | 15.15 | 4 |
| In pectore sub ala equi | 9.20 | 42.50 | 4 | Media | 13.0 | 16.45 | 4 |
| Sub alvo duarum precedens | 7.20 | 43.10 | 2 | Precedens trium | 12.10 | 18.25 | 4 |
| Sequens | 8.40 | 44.0 | 3 | In extrema cauda | 11.20 | 22.30 | 4 |
| In poplite pedis dextri | 1.0 | 51.20 | 2 | Precedentium Piscem que anteit | 29.10 | ♄ 22.40 | 3 |
| In talo ejusdem | 6.20 | 51.50 | 2 | Media | 2.20 | 22.30 | 3 |
| In cavo pedis sinistri | 27.20 | 55.15 | 4 | Sequens trium | 5.10 | 21.30 | 3 |
| Sub musculo ejusdem | 2.10 | 55.30 | 2 | Que hanc precedit obscura | 3.10 | 21.10 | 5 |
| In summo pede dextro prioris | 29.20 | 41.20 | 1 | Reliquarum ad sept. duarum austral. | 5.0 | 17.20 | 4 |
| In genu sinistro | 15.10 | 45.30 | 2 | Que magis in boream | 5.0 | 15.10 | A 3 |
| De feris sub dextro pede posteriori | 5.40 | 49.20 | A 4 | | | | |

Finis Catalogi Ptolemaici.

Tertia

XII. IMAGINES COELESTES COMPLECTENS, QUÆ IN ZONA NOSTRA TEMPERATA Septentrionali planè non conspiciuntur. Has JOH. BAYERUS in Uranometriâ suâ, Americo Vespucio, Andrea Corfallo, & Petro Medinensi, primis Europæorum, acceptas fert, primùmquæ à Petro Theodori ad normam Astronomicam correctas asserit. Ex Bayeri verò Tabulis & Misc. ultimis, easdem Jacobus Bartschius Lusatus, juvenis industrius, & bonis de Globo cœlesti meritis dudum celebris, in numeros & chartam conjectas (flosculum decerptum ex Uranographiâ Schillerianâ, Christianarum imaginum, cujus editionem ex ultimâ voluntate authoris maturat) nuper mihi Augulla Ulmam transmisit: pollicitus, se deinceps chartas, inducendo Globo sesquipedali, perfectissimas, cum imaginibus antiquis, quod instituto Tychonis accommodatius est, in publicum editurum.

| DENOMINATIO STELLARUM. | | | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | DENOMINATIO STELLARUM. | | | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mag. | | |
|-------------------------------------|-------|-------|-----|--|---------------|------|----------------------------------|--|--|-------|------------------|---------------|-------|-------|-----|
| <i>G R U S.</i> | | | | | | | Tertia | | | | | | 0.27 | 43. 0 | A 5 |
| Lucida capitis | 11.52 | 22.50 | A 2 | Quarta | | | | | | 0.44 | 39.35 | 5 | | | |
| In collo medio | 11.53 | 24.56 | 4 | Quinta | | | | | | 28.14 | 41.30 | 5 | | | |
| In eductione colli orientior | 13.23 | 28.57 | 6 | Sexta | | | | | | 27.39 | 40.30 | 5 | | | |
| Occidentalior | 14.34 | 28.40 | 6 | Septima | | | | | | 26.49 | 39.20 | 5 | | | |
| In dorso orientior | 14.59 | 31.52 | 6 | Octava | | | | | | 23.29 | 41.20 | 5 | | | |
| Occidentalior | 16.14 | 31.35 | 6 | Nona & ultima | | | | | | 18.34 | 42.20 | 4 | | | |
| In dextrâ alâ borealior | 23.13 | 34.23 | 5 | In dextro pede australis | | | | | | 8. 9 | 50. 0 | 4 | | | |
| Australior | 22.44 | 36.15 | 4 | Borealis | | | | | | 11. 4 | 49.20 | 6 | | | |
| In lævâ alâ | 10.35 | 32.57 | 2 | In sinistro pede | | | | | | 17.59 | 50.25 | 6 | | | |
| Quæ in caudâ eductione | 16.53 | 34.36 | 2 | In extrema cauda | | | | | | 1. 4 | 48.27 | 6 | | | |
| In caudâ trium borealior | 15.25 | 39.20 | 4 | In eadem | | | | | | 26.51 | 51.40 | A 5 | | | |
| Orientalior | 13.21 | 41.36 | 5 | [formes | | | | | | | | | | | |
| Occidentalior | 17.45 | 41.27 | A 4 | <i>APUS, AVIS INDICA.</i> | | | | | | | | | | | |
| <i>P H O E N I X.</i> | | | | | | | In capite: quibusdam inform. | | | | | | 17. 9 | 44.40 | A 5 |
| In collo lucida | 9.11 | 40.10 | A 2 | In collo | | | | | | 16.49 | 48. 6 | 5 | | | |
| Adjacens parvula | 8.49 | 41.30 | 5 | In eductione caudâ trium bor. | | | | | | 16.11 | 54.20 | 5 | | | |
| In ancone alâ dextræ | 3.14 | 41.40 | 4 | Media | | | | | | 11.51 | 55. 0 | 5 | | | |
| In alâ dextrâ, trium australior | 28.24 | 39.45 | 4 | Australior | | | | | | 14.46 | 55.45 | 5 | | | |
| Media | 29.14 | 35.50 | 4 | In caudâ versus Δ duarum super. | | | | | | 7.24 | 51.30 | 6 | | | |
| Borealior | 0.34 | 32. 0 | 5 | Inferior | | | | | | 6.39 | 52. 0 | 6 | | | |
| In extremâ alâ sinistrâ | 22.44 | 47.30 | 3 | In mediâ caudâ trium borealior | | | | | | 8.47 | 57.10 | 5 | | | |
| In ejusdem eductione | 9. 4 | 44.10 | 4 | Media | | | | | | 7.36 | 57.57 | 6 | | | |
| Ad pedem dextrû trium oriental. | 5.29 | 45.10 | ne | Australior | | | | | | 8.14 | 59.20 | 4 | | | |
| Occidentalior | 6.59 | 45.40 | ne | In eadem versus Chamæontem | | | | | | 12.16 | 61.25 | A 4 | | | |
| Australior | 5.39 | 46. 0 | 4 | <i>A P I S, M U S C A.</i> | | | | | | | | | | | |
| In foco sub alâ lævâ duarû austral. | 17.51 | 53. 0 | 3 | In capite | | | | | | 15.34 | 54. 0 | A 4 | | | |
| Borealior | 13.24 | 48.25 | 3 | In alâ dextrâ | | | | | | 15.29 | 56.25 | 4 | | | |
| In foco sub alâ dextrâ duarum su- | 2.34 | 53. 0 | 4 | In alâ lævâ | | | | | | 21.39 | 56. 5 | 4 | | | |
| Inferior | 6.54 | 54.40 | A 4 | In caudâ | | | | | | 19.33 | 57.30 | A 4 | | | |
| <i>I N D U S.</i> | | | | | | | <i>C H A M A E L E O N.</i> | | | | | | | | |
| In capite | 27.36 | 32.30 | A 4 | In prioribus pedibus | | | | | | 0. 3 | 62.40 | A 5 | | | |
| In axillâ lævâ | 29.49 | 36.55 | 4 | Ad collum | | | | | | 24.44 | 63.20 | 5 | | | |
| In lævâ manus sagittâ prima | 3. 6 | 37. 0 | 4 | In dorso | | | | | | 23.29 | 67. 0 | 5 | | | |
| Secunda | 5. 4 | 38.35 | 4 | In posterioribus pedibus | | | | | | 29.57 | 67.25 | 5 | | | |
| Tertia | 4.21 | 40. 0 | 4 | In eductione caudâ orientior | | | | | | 29. 4 | 70.38 | 5 | | | |
| In sumâ parte sagittæ manus dext. | 23.16 | 27.55 | 5 | Occidentalior | | | | | | 1.34 | 70.35 | 5 | | | |
| In imâ | 13.36 | 32.35 | 5 | In mediâ caudâ superior | | | | | | 26.44 | 73. 0 | 5 | | | |
| In axillâ dextrâ occidentalior | 22.56 | 33.45 | 6 | Inferior | | | | | | 24.49 | 73.15 | 5 | | | |
| Sequens | 23.36 | 33.53 | 6 | In extremâ caudâ superior | | | | | | 22. 6 | 74.26 | 5 | | | |
| Orientalior | 22.24 | 33.40 | 6 | Inferior | | | | | | 23. 4 | 75.12 | A 5 | | | |
| In pectore | 23.34 | 36. 0 | 5 | <i>T R I A N G U L U M A u s t r.</i> | | | | | | | | | | | |
| In ventre | 21.14 | 39.15 | A 4 | Seq. Basis versus Apodis collum | | | | | | 12.56 | 46.20 | A 3 | | | |
| <i>P A V O.</i> | | | | | | | Superior versus lupû, in cuspidè | | | | | | 4. 6 | 41. 0 | 3 |
| In capite lucida | 16.45 | 36. 0 | A 2 | Adjacens parva | | | | | | 7.16 | 40.40 | 5 | | | |
| In collo superior | 16.59 | 40.40 | 6 | Basis præc. versus Apodis caudam | | | | | | 2.56 | 48.30 | 3 | | | |
| Media | 18.14 | 41.20 | 6 | Quæ supra hanc parva | | | | | | 3.36 | 44.15 | A 5 | | | |
| Inferior | 15.59 | 41.45 | 6 | <i>P I S C I S V O L A N S, P A S S E R.</i> | | | | | | | | | | | |
| In pectore | 20.29 | 48.30 | 3 | In capite | | | | | | 18.19 | 72.26 | A 5 | | | |
| In radice alâ dextræ | 15.14 | 46.32 | 3 | In medio corpore | | | | | | 23. 5 | 77.12 | 6 | | | |
| Adjacens parvula | 13.49 | 47. 0 | ne | In caudâ | | | | | | 5.48 | 82. 5 | 5 | | | |
| In mediâ alâ seu dorso | 10.24 | 45.20 | 3 | In alâ lævâ superior | | | | | | 12.10 | 75.20 | 6 | | | |
| Adjacens nebulosa | 8.29 | 46. 5 | ne | Inferior | | | | | | 18.43 | 82.14 | 6 | | | |
| In eductione caudâ prima | 1.54 | 45.40 | 5 | In alâ dextra superior | | | | | | 4.49 | 76.21 | 6 | | | |
| Secunda | 0.21 | 44. 0 | A 5 | Inferior | | | | | | 10.19 | 79.28 | A 6 | | | |

| DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mar. | DENOMINATIO STELLARUM. | | Longitudo G.M.S. | Latitudo G.M. | Mar. | |
|--|-------|------------------|---------------|------|------------------------|-----------------------------------|------------------|---------------|-------|---|
| DORADO, XIPHIAS. | | | | | Colli trium inferior | | | | | |
| In capite | 25.21 | ♄ | 86.53 | A | 4 | Conversionis colli prima | 11.54 | ♄ | 70.25 | A |
| In branchiis | 29.57 | ♄ | 87. 0 | | 5 | Secunda | 29.54 | ♄ | 71.12 | 4 |
| In ventre | 29.29 | ♄ | 88.12 | | 5 | Tertia | 16.54 | ♄ | 70.30 | 5 |
| Supra dorsum | 23.39 | ♄ | 84.46 | | 4 | Quarta | 24.39 | ♄ | 67.50 | 5 |
| In extrema caudâ | 9.14 | ♄ | 76.15 | | 4 | Quinta | 20. 9 | ♄ | 64. 0 | 5 |
| Nubecula major, sec. medietatē | 29.39 | ♄ | 84. 0 | | 4 | Sexta | 5.40 | ♄ | 65. 0 | 5 |
| Adjacens huic | 16.39 | ♄ | 82.31 | A | 5 | Septima | 25. 5 | ♄ | 64.55 | 4 |
| TOUCAN, ANSER AMERICANUS. | | | | | | In prima caudæ cōversione Austr. | 17.51 | ♄ | 60. 0 | 5 |
| In extremo rostro | 3.54 | ♄ | 45.55 | A | 3 | Borea | 14.14 | ♄ | 58.10 | 5 |
| In educatione rostri seu capite | 14.51 | ♄ | 48.15 | | 3 | In secunda caud. conver. antepen. | 12.24 | ♄ | 56. 0 | 5 |
| In ancone alæ sinist. seu ad pectus inferior | 13.59 | ♄ | 54.15 | | 4 | Penultima | 11.49 | ♄ | 62.40 | 5 |
| [superior] | 12.54 | ♄ | 55.45 | | 5 | Ultima | 7.29 | ♄ | 64.30 | 5 |
| In mediâ alâ | 14.45 | ♄ | 58.20 | | 3 | Nubeculæ minoris medietas | 4.14 | ♄ | 64. 0 | 5 |
| In dorso | 20.59 | ♄ | 57.50 | | 3 | Inter hanc & majorem informis | 4.39 | ♄ | 67. 0 | 6 |
| In cauda | 21.24 | ♄ | 61.30 | | 4 | Austrina | 7.24 | ♄ | 72.20 | 6 |
| In rami folio seu nuce myristica | 1. 9 | ♄ | 49.55 | A | 4 | Quæ supra 8 & 9 Hydri | 4.24 | ♄ | 78.30 | 4 |
| | | | | | | Infra collum Hydri superior | 3.16 | ♄ | 61.20 | 5 |
| | | | | | | Inferior | 15.46 | ♄ | 75.30 | 4 |
| | | | | | | | 29.55 | ♄ | 80. 0 | A |

HYDRUS.

*Hactenus Bartschianus Catalogus. Sed: 19
Finis Catalogi Fixarum.*

| | | | | | |
|-------------------|-------|---|-------|---|---|
| In capite | 3.59 | ♄ | 64. 5 | A | 3 |
| In collo superior | 10.29 | ♄ | 71.40 | A | 4 |

Motum Fixarum in annis expansis & collectis habes Tabb. f. 43: in Sexagenis diebus f. 47, complicatum motibus Solis.

Cal. 17

TABULA REFRACTIONUM TRIPLEX,

TYCHONIS BRAHE diutinis & multiplicibus Observationibus confirmata, potissimum in fretu SUNDICO, quo mare Balticum Oceano Germanico infunditur: partim verò etiam in Regni Bohemæ arce Casarea BENATICA: aëre defecato, quàm fieri potuit, ad hoc electo.

| Altitudo | Refractio ☉. | Refractio ☽. | Refr. Stellæ. | Altitudo | Refractio ☉. | Refractio ☽. |
|----------|--------------|--------------|---------------|----------|--------------|--------------|
| 0 | 34.0" | 33.0" | 30.0" | 23 | 3.10" | 4.10" |
| 1 | 26. 0 | 25. 0 | 21.30 | 24 | 2.50 | 3.45 |
| 2 | 20. 0 | 20. 0 | 15.30 | 25 | 2.30 | 3.20 |
| 3 | 17. 0 | 17. 0 | 12.30 | 26 | 2.15 | 3. 0 |
| 4 | 15.30 | 15.20 | 11. 0 | 27 | 2. 0 | 2.40 |
| 5 | 14.30 | 14.20 | 10. 0 | 28 | 1.45 | 2.20 |
| 6 | 13.30 | 13.50 | 9. 0 | 29 | 1.35 | 2. 0 |
| 7 | 12.45 | 12.45 | 8.15 | 30 | 1.25 | 1.40 |
| 8 | 11.15 | 12. 0 | 6.45 | 31 | 1.15 | 1.30 |
| 9 | 10.30 | 11.20 | 6. 0 | 32 | 1. 5 | 1.20 |
| 10 | 10. 0 | 10.45 | 5.30 | 33 | 0.55 | 1.10 |
| 11 | 9.30 | 10.10 | 5. 0 | 34 | 0.45 | 1. 0 |
| 12 | 9. 0 | 9.35 | 4.30 | 35 | 0.35 | 0.50 |
| 13 | 8.30 | 9. 0 | 4. 0 | 36 | 0.30 | 0.45 |
| 14 | 8. 0 | 8.30 | 3.30 | 37 | 0.25 | 0.40 |
| 15 | 7.30 | 8. 0 | 3. 0 | 38 | 0.20 | 0.35 |
| 16 | 7. 0 | 7.30 | 2.30 | 39 | 0.15 | 0.30 |
| 17 | 6.30 | 7. 0 | 2. 0 | 40 | 0.10 | 0.25 |
| 18 | 5.45 | 6.30 | 1.15 | 41 | 0. 9 | 0.20 |
| 19 | 5. 0 | 6. 0 | 0.30 | 42 | 0. 8 | 0.15 |
| 20 | 4.30 | 5.30 | 0. 0 | 43 | 0. 7 | 0.10 |
| 21 | 4. 0 | 5. 0 | 0. 0 | 44 | 0. 6 | 0. 5 |
| 22 | 3.30 | 4.35 | 0. 0 | 45 | 0. 5 | 0. 0 |

FINIS.

| STEEL RUM | | STEEL RUM | | STEEL RUM | |
|-----------|------|-----------|------|-----------|------|
| 1 | 1.14 | 1.14 | 1.14 | 1.14 | 1.14 |
| 2 | 1.13 | 1.13 | 1.13 | 1.13 | 1.13 |
| 3 | 1.12 | 1.12 | 1.12 | 1.12 | 1.12 |
| 4 | 1.11 | 1.11 | 1.11 | 1.11 | 1.11 |
| 5 | 1.10 | 1.10 | 1.10 | 1.10 | 1.10 |
| 6 | 1.09 | 1.09 | 1.09 | 1.09 | 1.09 |
| 7 | 1.08 | 1.08 | 1.08 | 1.08 | 1.08 |
| 8 | 1.07 | 1.07 | 1.07 | 1.07 | 1.07 |
| 9 | 1.06 | 1.06 | 1.06 | 1.06 | 1.06 |
| 10 | 1.05 | 1.05 | 1.05 | 1.05 | 1.05 |
| 11 | 1.04 | 1.04 | 1.04 | 1.04 | 1.04 |
| 12 | 1.03 | 1.03 | 1.03 | 1.03 | 1.03 |
| 13 | 1.02 | 1.02 | 1.02 | 1.02 | 1.02 |
| 14 | 1.01 | 1.01 | 1.01 | 1.01 | 1.01 |
| 15 | 1.00 | 1.00 | 1.00 | 1.00 | 1.00 |
| 16 | 0.99 | 0.99 | 0.99 | 0.99 | 0.99 |
| 17 | 0.98 | 0.98 | 0.98 | 0.98 | 0.98 |
| 18 | 0.97 | 0.97 | 0.97 | 0.97 | 0.97 |
| 19 | 0.96 | 0.96 | 0.96 | 0.96 | 0.96 |
| 20 | 0.95 | 0.95 | 0.95 | 0.95 | 0.95 |
| 21 | 0.94 | 0.94 | 0.94 | 0.94 | 0.94 |
| 22 | 0.93 | 0.93 | 0.93 | 0.93 | 0.93 |
| 23 | 0.92 | 0.92 | 0.92 | 0.92 | 0.92 |
| 24 | 0.91 | 0.91 | 0.91 | 0.91 | 0.91 |
| 25 | 0.90 | 0.90 | 0.90 | 0.90 | 0.90 |
| 26 | 0.89 | 0.89 | 0.89 | 0.89 | 0.89 |
| 27 | 0.88 | 0.88 | 0.88 | 0.88 | 0.88 |
| 28 | 0.87 | 0.87 | 0.87 | 0.87 | 0.87 |
| 29 | 0.86 | 0.86 | 0.86 | 0.86 | 0.86 |
| 30 | 0.85 | 0.85 | 0.85 | 0.85 | 0.85 |
| 31 | 0.84 | 0.84 | 0.84 | 0.84 | 0.84 |
| 32 | 0.83 | 0.83 | 0.83 | 0.83 | 0.83 |
| 33 | 0.82 | 0.82 | 0.82 | 0.82 | 0.82 |
| 34 | 0.81 | 0.81 | 0.81 | 0.81 | 0.81 |
| 35 | 0.80 | 0.80 | 0.80 | 0.80 | 0.80 |
| 36 | 0.79 | 0.79 | 0.79 | 0.79 | 0.79 |
| 37 | 0.78 | 0.78 | 0.78 | 0.78 | 0.78 |
| 38 | 0.77 | 0.77 | 0.77 | 0.77 | 0.77 |
| 39 | 0.76 | 0.76 | 0.76 | 0.76 | 0.76 |
| 40 | 0.75 | 0.75 | 0.75 | 0.75 | 0.75 |
| 41 | 0.74 | 0.74 | 0.74 | 0.74 | 0.74 |
| 42 | 0.73 | 0.73 | 0.73 | 0.73 | 0.73 |
| 43 | 0.72 | 0.72 | 0.72 | 0.72 | 0.72 |
| 44 | 0.71 | 0.71 | 0.71 | 0.71 | 0.71 |
| 45 | 0.70 | 0.70 | 0.70 | 0.70 | 0.70 |
| 46 | 0.69 | 0.69 | 0.69 | 0.69 | 0.69 |
| 47 | 0.68 | 0.68 | 0.68 | 0.68 | 0.68 |
| 48 | 0.67 | 0.67 | 0.67 | 0.67 | 0.67 |
| 49 | 0.66 | 0.66 | 0.66 | 0.66 | 0.66 |
| 50 | 0.65 | 0.65 | 0.65 | 0.65 | 0.65 |
| 51 | 0.64 | 0.64 | 0.64 | 0.64 | 0.64 |
| 52 | 0.63 | 0.63 | 0.63 | 0.63 | 0.63 |
| 53 | 0.62 | 0.62 | 0.62 | 0.62 | 0.62 |
| 54 | 0.61 | 0.61 | 0.61 | 0.61 | 0.61 |
| 55 | 0.60 | 0.60 | 0.60 | 0.60 | 0.60 |
| 56 | 0.59 | 0.59 | 0.59 | 0.59 | 0.59 |
| 57 | 0.58 | 0.58 | 0.58 | 0.58 | 0.58 |
| 58 | 0.57 | 0.57 | 0.57 | 0.57 | 0.57 |
| 59 | 0.56 | 0.56 | 0.56 | 0.56 | 0.56 |
| 60 | 0.55 | 0.55 | 0.55 | 0.55 | 0.55 |
| 61 | 0.54 | 0.54 | 0.54 | 0.54 | 0.54 |
| 62 | 0.53 | 0.53 | 0.53 | 0.53 | 0.53 |
| 63 | 0.52 | 0.52 | 0.52 | 0.52 | 0.52 |
| 64 | 0.51 | 0.51 | 0.51 | 0.51 | 0.51 |
| 65 | 0.50 | 0.50 | 0.50 | 0.50 | 0.50 |
| 66 | 0.49 | 0.49 | 0.49 | 0.49 | 0.49 |
| 67 | 0.48 | 0.48 | 0.48 | 0.48 | 0.48 |
| 68 | 0.47 | 0.47 | 0.47 | 0.47 | 0.47 |
| 69 | 0.46 | 0.46 | 0.46 | 0.46 | 0.46 |
| 70 | 0.45 | 0.45 | 0.45 | 0.45 | 0.45 |
| 71 | 0.44 | 0.44 | 0.44 | 0.44 | 0.44 |
| 72 | 0.43 | 0.43 | 0.43 | 0.43 | 0.43 |
| 73 | 0.42 | 0.42 | 0.42 | 0.42 | 0.42 |
| 74 | 0.41 | 0.41 | 0.41 | 0.41 | 0.41 |
| 75 | 0.40 | 0.40 | 0.40 | 0.40 | 0.40 |
| 76 | 0.39 | 0.39 | 0.39 | 0.39 | 0.39 |
| 77 | 0.38 | 0.38 | 0.38 | 0.38 | 0.38 |
| 78 | 0.37 | 0.37 | 0.37 | 0.37 | 0.37 |
| 79 | 0.36 | 0.36 | 0.36 | 0.36 | 0.36 |
| 80 | 0.35 | 0.35 | 0.35 | 0.35 | 0.35 |
| 81 | 0.34 | 0.34 | 0.34 | 0.34 | 0.34 |
| 82 | 0.33 | 0.33 | 0.33 | 0.33 | 0.33 |
| 83 | 0.32 | 0.32 | 0.32 | 0.32 | 0.32 |
| 84 | 0.31 | 0.31 | 0.31 | 0.31 | 0.31 |
| 85 | 0.30 | 0.30 | 0.30 | 0.30 | 0.30 |
| 86 | 0.29 | 0.29 | 0.29 | 0.29 | 0.29 |
| 87 | 0.28 | 0.28 | 0.28 | 0.28 | 0.28 |
| 88 | 0.27 | 0.27 | 0.27 | 0.27 | 0.27 |
| 89 | 0.26 | 0.26 | 0.26 | 0.26 | 0.26 |
| 90 | 0.25 | 0.25 | 0.25 | 0.25 | 0.25 |
| 91 | 0.24 | 0.24 | 0.24 | 0.24 | 0.24 |
| 92 | 0.23 | 0.23 | 0.23 | 0.23 | 0.23 |
| 93 | 0.22 | 0.22 | 0.22 | 0.22 | 0.22 |
| 94 | 0.21 | 0.21 | 0.21 | 0.21 | 0.21 |
| 95 | 0.20 | 0.20 | 0.20 | 0.20 | 0.20 |
| 96 | 0.19 | 0.19 | 0.19 | 0.19 | 0.19 |
| 97 | 0.18 | 0.18 | 0.18 | 0.18 | 0.18 |
| 98 | 0.17 | 0.17 | 0.17 | 0.17 | 0.17 |
| 99 | 0.16 | 0.16 | 0.16 | 0.16 | 0.16 |
| 100 | 0.15 | 0.15 | 0.15 | 0.15 | 0.15 |

TABLE A RECAPITULATION OF THE ...

TABLE A RECAPITULATION OF THE ...

| Almido | Almido | Almido | Almido | Almido | Almido |
|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| 0 | 1.00 | 1.00 | 1.00 | 1.00 | 1.00 |
| 1 | 0.99 | 0.99 | 0.99 | 0.99 | 0.99 |
| 2 | 0.98 | 0.98 | 0.98 | 0.98 | 0.98 |
| 3 | 0.97 | 0.97 | 0.97 | 0.97 | 0.97 |
| 4 | 0.96 | 0.96 | 0.96 | 0.96 | 0.96 |
| 5 | 0.95 | 0.95 | 0.95 | 0.95 | 0.95 |
| 6 | 0.94 | 0.94 | 0.94 | 0.94 | 0.94 |
| 7 | 0.93 | 0.93 | 0.93 | 0.93 | 0.93 |
| 8 | 0.92 | 0.92 | 0.92 | 0.92 | 0.92 |
| 9 | 0.91 | 0.91 | 0.91 | 0.91 | 0.91 |
| 10 | 0.90 | 0.90 | 0.90 | 0.90 | 0.90 |
| 11 | 0.89 | 0.89 | 0.89 | 0.89 | 0.89 |
| 12 | 0.88 | 0.88 | 0.88 | 0.88 | 0.88 |
| 13 | 0.87 | 0.87 | 0.87 | 0.87 | 0.87 |
| 14 | 0.86 | 0.86 | 0.86 | 0.86 | 0.86 |
| 15 | 0.85 | 0.85 | 0.85 | 0.85 | 0.85 |
| 16 | 0.84 | 0.84 | 0.84 | 0.84 | 0.84 |
| 17 | 0.83 | 0.83 | 0.83 | 0.83 | 0.83 |
| 18 | 0.82 | 0.82 | 0.82 | 0.82 | 0.82 |
| 19 | 0.81 | 0.81 | 0.81 | 0.81 | 0.81 |
| 20 | 0.80 | 0.80 | 0.80 | 0.80 | 0.80 |
| 21 | 0.79 | 0.79 | 0.79 | 0.79 | 0.79 |
| 22 | 0.78 | 0.78 | 0.78 | 0.78 | 0.78 |
| 23 | 0.77 | 0.77 | 0.77 | 0.77 | 0.77 |
| 24 | 0.76 | 0.76 | 0.76 | 0.76 | 0.76 |
| 25 | 0.75 | 0.75 | 0.75 | 0.75 | 0.75 |
| 26 | 0.74 | 0.74 | 0.74 | 0.74 | 0.74 |
| 27 | 0.73 | 0.73 | 0.73 | 0.73 | 0.73 |
| 28 | 0.72 | 0.72 | 0.72 | 0.72 | 0.72 |
| 29 | 0.71 | 0.71 | 0.71 | 0.71 | 0.71 |
| 30 | 0.70 | 0.70 | 0.70 | 0.70 | 0.70 |
| 31 | 0.69 | 0.69 | 0.69 | 0.69 | 0.69 |
| 32 | 0.68 | 0.68 | 0.68 | 0.68 | 0.68 |
| 33 | 0.67 | 0.67 | 0.67 | 0.67 | 0.67 |
| 34 | 0.66 | 0.66 | 0.66 | 0.66 | 0.66 |
| 35 | 0.65 | 0.65 | 0.65 | 0.65 | 0.65 |
| 36 | 0.64 | 0.64 | 0.64 | 0.64 | 0.64 |
| 37 | 0.63 | 0.63 | 0.63 | 0.63 | 0.63 |
| 38 | 0.62 | 0.62 | 0.62 | 0.62 | 0.62 |
| 39 | 0.61 | 0.61 | 0.61 | 0.61 | 0.61 |
| 40 | 0.60 | 0.60 | 0.60 | 0.60 | 0.60 |
| 41 | 0.59 | 0.59 | 0.59 | 0.59 | 0.59 |
| 42 | 0.58 | 0.58 | 0.58 | 0.58 | 0.58 |
| 43 | 0.57 | 0.57 | 0.57 | 0.57 | 0.57 |
| 44 | 0.56 | 0.56 | 0.56 | 0.56 | 0.56 |
| 45 | 0.55 | 0.55 | 0.55 | 0.55 | 0.55 |
| 46 | 0.54 | 0.54 | 0.54 | 0.54 | 0.54 |
| 47 | 0.53 | 0.53 | 0.53 | 0.53 | 0.53 |
| 48 | 0.52 | 0.52 | 0.52 | 0.52 | 0.52 |
| 49 | 0.51 | 0.51 | 0.51 | 0.51 | 0.51 |
| 50 | 0.50 | 0.50 | 0.50 | 0.50 | 0.50 |
| 51 | 0.49 | 0.49 | 0.49 | 0.49 | 0.49 |
| 52 | 0.48 | 0.48 | 0.48 | 0.48 | 0.48 |
| 53 | 0.47 | 0.47 | 0.47 | 0.47 | 0.47 |
| 54 | 0.46 | 0.46 | 0.46 | 0.46 | 0.46 |
| 55 | 0.45 | 0.45 | 0.45 | 0.45 | 0.45 |
| 56 | 0.44 | 0.44 | 0.44 | 0.44 | 0.44 |
| 57 | 0.43 | 0.43 | 0.43 | 0.43 | 0.43 |
| 58 | 0.42 | 0.42 | 0.42 | 0.42 | 0.42 |
| 59 | 0.41 | 0.41 | 0.41 | 0.41 | 0.41 |
| 60 | 0.40 | 0.40 | 0.40 | 0.40 | 0.40 |
| 61 | 0.39 | 0.39 | 0.39 | 0.39 | 0.39 |
| 62 | 0.38 | 0.38 | 0.38 | 0.38 | 0.38 |
| 63 | 0.37 | 0.37 | 0.37 | 0.37 | 0.37 |
| 64 | 0.36 | 0.36 | 0.36 | 0.36 | 0.36 |
| 65 | 0.35 | 0.35 | 0.35 | 0.35 | 0.35 |
| 66 | 0.34 | 0.34 | 0.34 | 0.34 | 0.34 |
| 67 | 0.33 | 0.33 | 0.33 | 0.33 | 0.33 |
| 68 | 0.32 | 0.32 | 0.32 | 0.32 | 0.32 |
| 69 | 0.31 | 0.31 | 0.31 | 0.31 | 0.31 |
| 70 | 0.30 | 0.30 | 0.30 | 0.30 | 0.30 |
| 71 | 0.29 | 0.29 | 0.29 | 0.29 | 0.29 |
| 72 | 0.28 | 0.28 | 0.28 | 0.28 | 0.28 |
| 73 | 0.27 | 0.27 | 0.27 | 0.27 | 0.27 |
| 74 | 0.26 | 0.26 | 0.26 | 0.26 | 0.26 |
| 75 | 0.25 | 0.25 | 0.25 | 0.25 | 0.25 |
| 76 | 0.24 | 0.24 | 0.24 | 0.24 | 0.24 |
| 77 | 0.23 | 0.23 | 0.23 | 0.23 | 0.23 |
| 78 | 0.22 | 0.22 | 0.22 | 0.22 | 0.22 |
| 79 | 0.21 | 0.21 | 0.21 | 0.21 | 0.21 |
| 80 | 0.20 | 0.20 | 0.20 | 0.20 | 0.20 |
| 81 | 0.19 | 0.19 | 0.19 | 0.19 | 0.19 |
| 82 | 0.18 | 0.18 | 0.18 | 0.18 | 0.18 |
| 83 | 0.17 | 0.17 | 0.17 | 0.17 | 0.17 |
| 84 | 0.16 | 0.16 | 0.16 | 0.16 | 0.16 |
| | | | | | |

PREFATIO AD LECTOREM ASTROPHISICUM BENEVOLENTI.

De præcipua ratione hujus Appendicis, & noviter isti adjecturæ Tabularum Logarithmo-Logistica-
rum usu compendioso, in Tab. Ludolphi, aliarumq; supputationibus Astronomicis.

Mappam Mundi universalem, quæ ex Ludolphi Tab:
Meridiano medio, reliquam Terrarum orbem geographicè
duobus hemisphæris, Chartâ unâ, novâ methodo de-
scribat, exq; observatis Planetarum congregibus, cum cor-
recto Ludolphiinarum à se perfectarum & editarum cal-
culo collatis, locorum longitudo verificare doceat sub
finem Cap: 16 Tab. pag. 41. promissit, honoratissimus
Socrus meus Dn Keplerus: Hanc ut ob diuturnum Chal-
cographi morbum, ad multum usq; tempus interceptam
absolutam ferè tandem invenit quidem Nonbergæ,
cum Latisbonam iturus, suorum in aula ibidem Impera-
toris negotiorum causa, effluat transiret; veni nec
Monarchæ, Dno in Terris & suo, cuius sub Alis ipsa
prodit, offerre consummatam, nec litterato Orbi, ob
imaturam mortem exhibere editam potuit ipse.
Latisbonam enim postidie Kal. IXbr. veniens, ming finis
vires corporis, & diuturnis studiorum vigiliis, curarumq;
molestiis, & itinere longo defatigati, paulo post morbo
acuto infectus, 15. Novembrii circa meridiem, placide
quidem & beate vitam cum morte commutavit: quæto
cum suorum luctu & damno, non possum exprimere,
quanto cum Astronomorum & Amicorum desiderio, judi-
cent ipsi! Cum itaq; mirò quoddam Astronomici geni-
falo, & studiorum, & propinguitatis arctioris ante hunc
ipsum annum in hinc ratione, interea me typographicæ
operarum Inspectorum & Curatorem Sagani relin-
queret, factum, ut ipse sic jubente, me curante, præter
tabulas istas, & Manuales logarithmicas, nec solius
curæ & arbitrio commissas, potissima ex parte impri-
meret; Astronomia ipsius Lunaris, multo ab hinc tem-
pore gæpta quædam, at ante abitum ab ipso met recogni-
ta & aucta, quam ob insertarum speculationum paradoxa,
Somnium vocavit Astronomicum; in quo etiam nunc,
antequam finiret totum, totus obdormivit Vir ille sumus,
Celestium speculationi impensè, & admirabilem ferè de-
dit. Ita sane Keplerus ait! quantum ex lucubrationibus
Mathematicis editis edendisq;, & physicis sua Astro-
nomia Planetarum hypothesebus! inopinata morte abreptus,
terre matri redditus fuit, pridie deliquit insignis Vir
cujus Astronomiam ultimo jam speculabatur; ita sane non
amplius Calum, sed tunc corpore meo, ut suo sibi à se fac-
to, mihi dicto Epitaphio, mortalitatis suæ memor,
paucis ante mensibus, infausto, nec ibi cogitato omine
prædixisse videtur. Hinc sane Mathematico in com-
parabili, Socero desiderabili, desideratissimi adfectu,
gratissime devotionis testimonium hoc, dum aliud jam
non licet, la chrymabundus hic intersevo Epitaphium,
verbis quæ meis, cum ipsius verajam non suppetant, sensu
(si rectè recordor) non alieno, quod lego. Ternastichis ob-
signatum volo.

Keplerus loquitur

Cæles eram, nunc terræ metior Umbras:

Mens Cælestis erat, Corporis umbra jacet.

Chronographia ab ipso, ab Amico scriptum.

Wratlsponæ Keplerus ad astra Migravit, 1630.

Transit tristans patre flet orbis suo.

Licet autè parum absit, quin tristissimè illud & lugubre ad nos
delatit nunciu, dolorq; acerrimè omnia præcipue manibus e-
riget, quam numeru addere permisisset: tamen & animam
cum typis recolligens, & labores inceptos perire nefas putans
tam somnium, quam Tabulas istas absolutas prelo extrude-
re perrexi, ut cum Mappa Orbis Geographica, Tabula
istæ, appendicis instar simul usibus publicis accederent,
laboravi. Mappam igitur istam Orbis terrarum Kepleria-
næ, tuis usibus jam communicant hære des, Tabulis Ludolphi ne-
cessario addendam. De cuius ratione & usu non oportet, ut
addam aliquid ad ea, quæ sub finem dict. cap. 16 præc. 60
& 61 pag. 41 & 42, inq; ipsius complexu fuisse & clarè docebunt.
Isti autem Mappæ adjuvans ego tabulas istas meas par-
tim Logarithmicas Novas, partim Logisticas vulgares, si
non obgravis, saltem ego earum æstimatoribus, rationem &
usum breviter exponerem, non ingratis calculi hujus tyro-
nibus fore putavi.

DE TABULARUM APPENDICE.

Præcipue earum finis est aut breviorum, aut faciliorem reddere
calculum, in genere quædam Planetarum omnium, non tamen
in primario motuum, sed secundario Logarithmorum negotio Lo-
gistico: in specie vero Prosthaphæreseos Orbis annuæ, sine
variis tot positionum limitationibus investiganda; cui præcipue
rei inserviunt duo Canonæ, qui in parte prima Com. m.
Tab. deficient, & primario hinc inferendi fuerunt, nempe
Canon Mesologarithmorum Quadrantis ad singulorum graduum
minuta prima singula, & Canon Logarithmorum Judicis
prosthaphæreseos. Quia igitur tabulae istæ aliæ in opere
Tab. reliquo prorsus non habentur descriptæ, sed de novo sunt
vel additæ vel supputatæ: aliæ vero ibidem descriptæ,
hic dilatata exhibentur, ad evitandam partis proportio-
nalis inquisitionem laboriosam aut molestam, de singulis in
specie aliquid addere placet.

I. DE CHILIADE LOGARITHMORUM INDECIS

Hanc Tabulam primò delineavit Dn Keplerus, p. m. in Gestom.
Astron. Opera. lib. 6. part. 2 pag. 751 & seqv. Primò quoq;
eam, quod ego sciam, supputavit, & primam mecum, aliisq;
communicavit, ut ipse etiam pluribus hæc de re in Epitaphio
Præfatione ad Annu ibiq; moxet. Quia vero eandem ad ali-
quot millenariorum saltem tantæ plasticè supputavit, propor-
tionaliter diductis intermediis centenariis; ut ultimi digi-
ti, seu ad dextram primi essent accuratiores, jussit de novo
eam supputari. Supputari igitur de novo eam ex fundamen-
to Logarithmico, ad singulos centenarios, satis exactè, ul ul-
tra unitatis postrema semissem, seu si logarithmum unam ci-
phram sumptus fuerit auctior, ultra 1/10 particulas non facile
occurrat error, ut norunt Logisticae istiq; penti. Licet enim
eodem habeo supputatos, binis adhuc ciphis auctiores
ideoz exactiores: tamen istæ non videbantur apponendæ,
quod tot sufficerent Tabulis Ludolphi convenientes. ubi
autem mecum Keplerianis conveniant vel differant,
& quantum, videbunt isti, quibus cum vel ab ipso, vel
à me ante hæc communicati sunt autem istorum meo-
rum in universum mille; unde nomen id Chiliasis.
Maxima enim & minima intervallorum in singulis Pla-
netis proportio, juxta Tab. præscriptam (casu an facto,
nescio) nec omnino plures, nec multo pauciores requi-
rebat. Quilibet autem pagina 5 classes, seu ordines
duplici linea distinctos continet: inq; singulis tres dis-
tinctas cellulas.

in quarū prima ponitur Proportio intervallorū, ad singulos
eij centenarios, suo cuiq; Planetæ convenientes; in altera me-
dia ipse Log-mg Indiciis prostha p̄b̄reticq; centenario re-
spondens: n̄q; tertiā differentia inter Log-mū centenarij
proximā minoris & majoris. Hanc propterea addidi, ut eo
expe ditior fiat partis proportionalis exacte inq̄sitio, iux-
ta sequ. præcept.

Modo, excerptendi Logarithmum Indiciis verum
Si proportio intervallorū, quæ recte formata iuxta præcept.
Tabb. 94 p. 63. in suis cellis quærit̄, exacte dat̄ in centenario
tunc è regione statim adjuncty reperit̄ sup Log-mg Indiciis,
q̄ excerpty ad usum aforvatur. sin supra centum etiam
additi sunt alij numeri, vel articuli soli, vel cum digitis
quod plerumq; & fere semp̄ contigit, tunc p̄li op̄ est.
Hæc autem facile invenit̄, si numeri centenarij ad hæc
ter multiplicent̄ in differentiam appositam, à facto
reserant̄ figurā duā ultimā |: si scilicet non sunt supra 50
tunc enim tertiæ figuræ adhuc unitas adjicienda &
residuy numeri subtrahit̄ à logarithmo in Tabula posito.
Subtrahi autem debet tunc, quia Logarithmi deorsum
decrescunt, & assumpta fuit proportio intervallorū
Tabula respectu Exempli minor.

Quod si verò proportio intervallorū data Exempli magis
accedat ad Centenarium majorem sequentem tabula, tunc
per residuum ad 100 subtractione inventū, aut mente | mul-
tiplicat̄ eadem differentia lateris ad posita, productum
duob; | ut antea | ciphis ultimis multat̄, & residua
partis proportionalis addit̄ ad logarithmū Centenarij ma-
joris: quia tunc exemplum sursum distat à tabula, quæ
sursum crescit. Exempla cum typo infra rem declarant
melig.

II. DE CAN. MESOLOGARITHM. Quadrantis

Canon iste, in tabb. part. primā omis̄, obrationes fol. 70. fati.
attachas, omnino logarithmis Indiciis addendy fuit, quod
sine isto hi essent imperfecti. Addit̄ autem ita, ut Ca-
noni Logarithmorū in dispositione respondeat. Utrobiz,
enim grad̄, sunt in fronte & calce: Minuta in laterib;
Logarithmici numeri in area. Hoc saltem discrimini s
t, quod in fronte sunt grad̄, infra semiquadrantem, à
0 usq; ad 45, tam collecti, quā signo separatim addi-
ti, Mesologarithmorū positivorū, cum signo suo +,
cumq; Minutis sinistrorsū descendentib;, & in regula
lateralī ad sinistram, deorsum aperto, sursum clauso.
In calce vero retro numerando sunt grad̄, reliq; supra octa-
vum, usq; ad integrum quadrantem, à 45 usq; ad 90,
Mesologarithmorū negativorū, cum signo suo -, cumq;
Minutis dextrorsum ascendentib;, & ingressū itidem la-
terali, sed ad dextram, sursum aperto, deorsum clauso.
Quæ sanè distinctio ut sæpe erroneam exceptionem fa-
cere solet, si non attendat̄: ita cautam & circumspic-
tam ipsam reddere debet. Quomodo autem tam ad-
datū arcū Mesolog-mg exacty, quam ad inventū Me-
solog-mū arcū exacty excerptendy, per p̄lem, & præ-
ceptū similia Tabb. de Logarithmis, n̄m. 18. 20. pag
19. 20 & exempla inferiy posita clarig docebunt.
Quia verò tam frequens, tam necessarij, tam compendiosy
è usq; non tantum Mesolog-morū, sed etiam Log- &
Antilog-orū, ad calculum planetarū ex Tabb. Rudol-
phi perficiendum: ut alia nunc taceam | ne eum vel vi-
fiet omnimoda secundorū neglectio, vel turbet sapius
iteranda, in utroq; isto Canone ad minuta tantum de-
scripto, p̄li inq̄sitio molesta, Manualem vtriusq;
Canonē Log-Antilog- & Mesolog-orū, ad dena
plerumq; 2da, dilatata seorsim excudi curavi, ex quo
mediocriter exercitiy facile & satis accurate, sine
ulteriori parte p̄li Log-mos omnis generis, horumq;
arcū scrupulosig excerpt.

Calculi nov. prostha p̄b̄reticos Orbis præcept.

Quomodo autem prostha p̄b̄reticos orbis annai p̄ Log-mos
Indiciis, & Mesolog-mos, facile in veritat̄, verbis Kepleri-
anis cum tabula supra dictā supeditatis addo, novo
præcepto, quod sup pondi vel auctarij loco, vicem genit̄ præ-
cepti in Tabb. 96. & 97 pag. 63 & seqq. sicq; habet:
Log-mg Indiciis, q̄ definit̄ in Epitome fol. 751 quod sit num-
ry indicans proportionem. Summā intervallorū ad differentia.
Semp̄ addit̄ ad Mesolog-mum semis̄is lli Comutationis,
sed casicè addit̄. Nam q̄ Mesolog-mi post gradū 45
fiunt privatiy, additio casica peragitur p̄ subtractione
vitatam. Quod verò accumulaty, id è Mesolog-mis,
ostendens arcum, quo differt semis̄is Comutationis ab
utrolibet lliorū Ali. & propter calculum latitudinis
conducit eum arcum in superiorib; Planetis addere ad
semissem, ut constiat Elongatio superioris à Sole poro
vel retro: In inferiorib; vero subtrahendy è, ut restet
Prostha p̄b̄reticos, ead̄ emq; & Elongatio. Hæc Keplery.
His adde, quæ in typo & exemplis infra specialig.

III. DE TRICHIS-HEXACOSIAS.

Reliquas Tabulas quod attinet, decarū gstruccionis ratione
ac usū non op̄ è multa dicere: p̄ se cuius patent, aut ex
tabulis reliq; intelligunt̄. Adit̄ tamen reliqua. Trichis-
hexacosias ista mea Log-morum Logisticorū est In
Keplery p. m. Heptacosias quintuplicata. Latitudo dilata-
tionis equam agnoscat facile, qui Heptacosias de usq; &
p̄li sæpiy aut mente aut calculo indagandam expertus:
Nè igit̄ ulla op̄ habeat p̄li, sed usi Logistico expeditig ac-
comodeq; ista Log-morum excerptio, dilatavi Canonē, non
q̄dem p̄ simplicem diductionem, sed ex fundamento Loga-
rithmico. Eum q̄d è duob; adhuc ciphis finalib; auctiorē
in chartis habeo, exemplo Heptacosiadis: ipsas tamē hic
abjici, quod usq; istarū hinc in tabulis non necessarij
erat: ob quas sæpe in fine ultimig numerig semis̄e majo-
vel minor justo esse potest. Vtrūq; logisticorū istorū loga-
rithmorū, q̄ canonis Sexagenarij vicem gerunt, fusiis
describit̄, probat̄, & exemplis illustrat̄ Capp. 3. 4 & 5
passim, in præceptis aliis. Excerptio facile patet. Singula
enim minuta sexagesima sunt in fronte, majusculo charac-
tere expressa, minusculo in calce: secunda singula in lat-
itudoq; Horæ autem itidem in fronte, & medio sunt minus-
culo caractere distincte, & horarū minuta in singu-
lis cellulis ordine expressa. Vbi notandum, quod cum
imparia horarū minuta inter quorum Sexagesimorū
semis̄es cadant, eorū Log-mi caractere minimo
distincti expriment̄: reliquo vero bini interpositi semp̄
24 secundis horariis ab invicem distat. Scrupula Sex-
agesima sunt sexies sexaginta: 3600: unde nomen
Trichis-hexacosiadis meum. Scrupula horaria seu qua-
drivicenaria sunt, h. l. tricies viginti quatuor: 720:
unde nomen Heptacosiadis Logarithmos Sexagesimorū
privativos quod attinet, eos consulto ibi omisi, ne Ca-
non nimium cresceret; quodq; sine istis pleriq; si na
omnes comode absolvi possint operationes. Si quistamē
eosdem vel adhibendos vel addendos iudicat, inveniet eos
ad singula etiam 2da exactissime descriptos, cumq;
re-
ligo Canonis apparatus, in minori manuali formā re-
orsim excusos.

IV. DE CANONE HEXACONTADON.

Sicut Logarithmis Logisticis ex prædicta Trichis-hexacosiadis
omnes omnino operationes Logisticas Astronomicas, sicq;
harū etiam tabularū absolvi possint, & propterea Cano-
nis Hexacontadon usq; supfluit videat̄: quia tamen
fortassis alij huic magis asveti aliis etiam comodior ap-
paret, inq; exemplis infra adhibet̄, placuit hunc etiam
ad iungere;

non quodam unicum tantum, ut vulgo fieri solet, facie, duplici forma, sed integris 60 cellulis descriptum. Fortassis enim & alius non tantum molestia, impedimenti, erroris etiam pariet, intercurrentes aliquando pagina vertenda, quoniam fere semper ad duos numeros datos iteranda cellaru mutatio confusa. Præcepta tamen peculiariana non adjungo, quod res ipsa vel jam cognita est ex vulgari Logistica, vel colligi potest ex adjunctis specierum emergentium typis, quos propterea in Manuali prolixiores invenies.

V. De CANONE ASCENSION & DECLIN.

Hic part. prim. Tabb. Rudolph. p. 24. ad singulos gradus ponit; Idem hic ob creberrimum usum, & ab breviandi calculi compendium dilatatus, exhibet singulas minorum decadas, & oppositam partem partem, singulis primis respondentem. Ratio non ingressus, seu exceptionis contentorum, quoniam ex titulis cellularum supra vel infra positus, & laterum gradibus minutius denis ordine correspondentibus videt, aut palis addenda vel subtrahenda modum non capit, consulat ea quae cap. 12 præcept. 31. & 32. huc pertinent.

VI. De TAB. DIFFERENT. ASCENSIONAL.

Hanc ad singulos tam declinationum quam latitudinum integri quadrantis gradus, in secundis etiam, ope sinuum

& Tangent. ante hoc decemium, multo laboris & temporis dispendio, Argentine construxi; multo pauciori jam, Logarithmorum ope, construendam. Ex ista nunc particulam illam interea excerptam addidi, ut si quis ad sua habitacionis polum & cito & exacte, secund. Obliquitatem ellipticam Tyconicam construere velit, vel Tabulas Ascensionum Obliquarum, vel Domorum ex eis, habeat in eis non mediocrem adjumentum.

Quomodo autem compendiose id fieri queat, docebo alias brevi, Deo volente, cum Tabulis Domorum meis Directoris, quae ex generalibus certa ratione constructis, pro cujuscumque loco & polo, ita facillimo negotio adornanda, ut non tantum illico thema caeli erigi, positumque primi mobilis ad tempus quodcumque inveniri, sed etiam maxime directio quaecumque perfici queat: nimirum ut data vel Ascensione recta mediis caeli, temporis vero vel cuspidis quaecumque, statim sine ullo alio calculo satis exacte, quaecumque etiam in circulo positionum aut loco supra vel infra eam, fuerit Planeta, compendiose tam contra, quam iuxta seriem signorum ad suos Promissores dirigatur. Verum, ut dixi, de his & aliis alio loco.

TYPVS compendiosus PRÆCEPTORVM, & directorius OPERATIONVM CALCULI Planetarum RUDOLPHINVS, sive Tyconico-Kepleriani.

Summaria generalium operationum Calculi descriptio, per VII. Clases principales.

Post Preparationem & TEMPORIS & LOCUS dati ad Tabb. Rudolph. Calculum.

- I. Collectio motuum medior. Planet. Pro Anomalia media: Ex Tabb. Epochar. seu Radicum.
- II. Calculus Anomaliae Coequatae: Pro loco Eccentrico Planetar. Ex Tabb. Aequationum.
- III. Calculus Anguli Commutationis: Pro Reduct. & Interval. proport. Ex Tabb. Latitudinarius.
- IV. Calc. Prosthaphaeresos annua: Pro loco vero Longitud. V. Planet. Ex Tabb. Logarithmicis.
- V. Calc. Latitudinis V. Planetarum. Pro vera Latitud. eorundem: Ex Tabb. ipsidem.
- VI. Calculus Lunae aequat. lum. compos. Pro Lunae Longitud. vera: Ex Tabb. Lunaribus.
- VII. Calc. Lat. Lunae simpl. & menstr. Pro Lunae Latitudine: Ex Tabb. ipsidem.

Post inventa vera loca Planetarum, Sphaerica eorundem affectiones colliguntur, Ex Tabb. primi Mobilis Directoris, praecip. Declinat. & Ascensionum.

Calculus Planetarum praecipuus, ex Tabb. Rudolphi compendiose perficiendus, clarioris doctrinae, & expeditionis operationis gratia, dispersi potest, in certa preparatoria & praecognita, praxin ipsam, & consequentia. Preparatoria respiciunt dati & Temporis & Locis conditionem, ut nimirum Tempus sit pro Tabb. istis recte preparatum, ad classem I. Praecognita spectant novam Logisticam Logarithmicam huiusmodi tabulis imperatam & usitatam, ut nimirum usus Log- & Anti-logarithmorum Mesolog-morum, Log-morum Logisticorum Heptacosiadis vel Trichil-hexacosiadis, multiplici eorum Canone descriptis, cum excerpti modo recte praecognoscant, ne postmodum calculi ipse cum temporis damno, & molestia in movimento remoram sentiat. Praxis ipsa concernit ipsam calculum, qui vel communis omnibus Planetis, scilicet quoad colligendos motus medios ex tabb. Epocharum, & ingrediam Anomaliae Coequatam, ex Tabb. Aequationum pro loco eorum Eccentrico; Vide Clases priores 2 communes 7 Planetis: vel singularis & peculiaris quibusdam tantum; puta partim 5 Planetis Erraticis in specie sic dictis, & retrogradationi obnoxiius, partim Lunae Soli. Pro V Planetis sunt seque 3 Clases, quarum priores duae Longitudinis, ex illo Commutationis, Intervallorum proportione, & Prosthaphaeresi orbis annui; posterior Latitudinis erit. Pro Luna demum sunt postremae duae Clases: quarum altera ipsius Longitudinem veram, praecipue ex Aequatione Luminis composita, altera Latitudinem indagare docet. Per Consequentia tandem huc intelligo, quae ad primi mobilis (quodcumque illud etiam sit) affectiones Sphaericas, sicut ad thematum caelestium erectiones, vel natalitior. Directiones, aliosque usus Astrologicos referuntur.

De singulis iuxta earum ordinem, operae pretium duxi, repetita calculi praeccepta summe necessaria conjungere, adde-rem novam, de Orbis prosthaphaeresi p. Mesolog-mos invenienda. Prig tamen praemonendus es lector, haec non addi propterea quod praecceptis Tabularum reliquis primariis per se aliq. desit, aut quod sine hoc additamento calculi absolvi nequeat: verum quia nova supputanda prosthaphaeresos mesolog, novum etiam regere praecceptum, consultius repetenda etiam reliqua videbantur; non tam ut Astrophilicis exercitatoribus positionum & limitationum exosis aut praesens, quam ut minus exercitatus consuleretur; sic magis tardiorum quere-remis, occupatorum difficultatibus succurrendo, praecceptorum singulorum & veterum & novi connexio series simul perspicere.

Unice igitur pro tenui, cuius bene huiusmodi consciis, opellam meam gratificationem Calculi huiusmodi Tyronibus, qui alias vel multitudine & varietate perplexa detenti, nec initium, nec finem calculi facile inveniunt, vel apparente calculi novi, ab aliis huiusmodi generis Tabulis diversi, difficultate intricati, deterreri se ab eo patiuntur; meo ipsis exemplo edoctis, synoptica istam supputandi rationem, Tabulis istis noviter additis praemittere volui, debui.

DE PRÆPARATIONE TEMPORIS DATI

Supputatur, Tyro huic enim soli haec praecipue scribuntur; ex Tabb. Rudolph. motus Planetarum, sive omnium simul, sive unius aut plurium, certam habere debet datum, & TEMPUS, ad quod loca Planetarum desiderantur, & LOCUM, in quo phaenomenon aliquod aut coelorum positum observari contingit. Ante omnia igitur, si exacte agere cupit, tempus istud praeparabit, ad calculum, iuxta tabularum praeccepta varia, horumque rationem.

& quidem

I Equando tempus civile apparetur, juxta modum è tribus unit, qui ventati & observationibus propinquior placuerit, ex Cap. 15. præcept. 49. 50. 51. 52. 53. 54. pag. 39. 55 & 56

II Reducendo idem tempus æquatum seu æquabile, ad Meridianum Uraniburgi cam, ad quem tabula istæ supputabitur, l. contra hanc ad loci tui datum, prout necessitas tulerit, & præceptum habet 55 Cap. 16. pag. 40. ex Catalogo Locorum Tabulis inserto part. 1. pag. 33.

Quia vero utraq; præparatio plerumq; in paucis minutis, usq; fore semp dubis consistit: sicut in æquatione, ob triplicem æquandi rationem præceptam, raro in idem consonam, & in reductione, ob plerumq; locorum longitudines nondum certo exploratas (nec parva Meridianorum differentia spualis & inter proxima adjacentium locorum, sicut Germaniæ nostræ Meridianos cum Uraniburgico: in remotioribus enim alia res est) multum differre facit motus, exceptis Uranibus; consultius fortasse videbitur, tempus datum apparcas etiam assumere pro medio & æquabili, atq; hoc Planetarum motus ingredi. Mutato enim vel mutando tempore, sive æquationis, sive reductionis variantis ratione, non opus est statim calculum cum tedio noxæ casario repetere; sed facilius est si nimirum opus fuerit, vel utramq; l. alterutram correctionem adhibere (ex motu diurni collatione, & temporis l. abundantis l. deficientis præportione, minuta debita in ventis l. subtrahere, l. addere, quæ sane in superioribus raro dimidium, in inferioribus vix unum, in Δ saltem aliqua minuta erunt).

Quin potius cura adhibenda est diligens, ut in reliquis recte præparatum habeatur tempus, nimirum ut si non sit aut detur saltem convertatur in Astronomicum, Julianum & completum.

III Astronomicum quod attinet, hoc idem est cum civili, in Germaniâ nostrâ ferè ubiq; à Meridie numerato, si detur pomeridianum, Calculator novit; quomodo autem meridiana convertendum, nosse debet. Subtracto enim die uno à datis diebus, & ad horas datas contra additis 12 horis, emergit Astronomicum.

Si autem hora data ab occasu \odot sint numerata, ut fieri solet in horologiis integris, & passim in Bohemiâ & tota ferè Italiâ, adhuc usitata, post occasum \odot suas 24 horas absolvunt, iterumq; incipiunt; tunc præcognoscendum est, aut supputandum, aut ex tabula Quantitatis dierum desumendum, tempus occasus \odot , in dato isto loco & die; postea isti addenda sunt horæ datæ, l. solæ, l. cum 30 in super minutis, si scilicet totidè tardig post occasum 24 horæ derivant, & habebit tempus Astronomicum. Similiter si ab ortu \odot numerata detur tempus, de eisdè tempus datæ horæ additæ dant quæ sit Astronomicum. Sed de his plura in sportula præc. 200.

IV Julianum si data, putata in locis, ubi styli veteris adhuc usq; idem extinet; si Gregorianum, juxta reformatum novum Calendarium, quod plerumq; in locis & pluribus observatur, fit tale, Subtractis 10 diebus. Ubi circa fines & initia mensium probe cavendum, ne error subrepat. Attentionem, ob quam Epochæ Tab. Juliano erant accommodandæ, leges Cap. 14 pag. 44.

V Completum tempus deniq; oportet esse tempus, quod communiter numerari solet currens in Annis Mensibus & diebus. Hora enim & Minuta semper intelliguntur completa. Itaque ex currentibus fiant post Christum Natum completi Anni, Menses, & dies, à singulis unq; est subtrahendum.

Ubi cautela notanda, pro Anni Bisext. diebus, si enim inter calaris fauor amq; quod ex annorum expansorum Epochis facile patet, retineri debet dies post Februarium currens, & juxta hunc motus mediis colligi: Propterea quod motus mensium in Epochis positi sunt ad communis anni menses post Februarium, die uno minutiores, qui in Bisexto debent esse auctiores. Aut si semper & ubiq; completum tempus retinere mavis, opus est, ut unig; dies motum diebus completis semper addas. De his consulatur Caput 17 & præceptum 76 pag. 50. 51.

Tempus itaq; recte ad Tab. calculum præparatum erit

1. Astronomicum, seu à meridie numeratum.
2. Julianum, seu juxta veterem stylum Julianum.
3. Completum, in Annis, Mensibus, diebus, horis, minutis. & si exactissime æquandum insuper,
4. Æquatum, seu æquabile & medium.
5. Reductum ad Meridianum Tab. Uraniburgicum.

DE LOGISTICA NOVA LOGARITHMICA.

Præparato sic tempore, statim quæ ad ipsu calculu accedat, verum quia legitimum harum Tab. usq; & præcipuum calculi Ludolphini labor, consistit in legitima Logarithmorum tractatione, de his etiam quædam præcognoscenda & præmittenda hinc sunt ante, quam ipsa calculi præcepta ponantur. Non autem animus est, specialem cononem demonstrationem aut usum, in particularibus problematis ostendere: (hic enim passim alibi suis locis ordinariis, & in his, & præcipue Tab. præceptis explicatis) sed tantum generalem & expeditam pro Tyrone Logarithmorum tractationem ex iisdem repetere.

Primum igitur in genere, si placet, vacatq; præter aliorum accurata de his scripta, consulatur Supplementum Chilicis Dn Kepleri p. m. & l. maxime præceptoru Ludolphini Caput 3. & 8 cum intermediis: ex quibus sane pro hoc calculi negotio sufficientem præcipiet instructionem. Deinde & hoc notandum quod logarithmi duplices hic adhiberi & nominari solent. Alij enim sunt Logistici, pro captanda præcisi scrupulorum sexagesimaria aut horaria, qui Heptacosias aut Trichil hexacosias descripsi, vicin gerunt Canonis Hexacostodon: Alij vero sunt Trigonometrici, pro variorum, imò omnium problematum Astronomicorum solutionibus novis, & duplici Log-Antilogarithmorum & Mesologarithmorum Canone descripti, succedunt miro compendio Tabulis Sinuum, Tangentium & Secantium. Tandem & hoc in genere scribendum, quomodo in quemlibet Canonem fiat in gressibus; unde fiat numerationis initium & ubi desinat, per quæ & qualia data fiat exceptio, & quæ sunt hujus generis alia. Duo autem sunt casus: aut cum datur arcus atq; in fronte & calce pro gradibus in lateribus, l. utriusq; l. alterutro invenitur, & huic respondens logarithmus quæritur, qui in arcu communi angulo seu concursu exhibetur. Aut contra datur certus Log-my, cupis arcus ex suo Canone quæritur. Tunc Log-my in arcu invenitur dat arcu in lateribus minorum; in fronte & calce, graduum: Quævis autem l. datur, l. quæritur arcus, talis etiam Canon est consulendus & assumendus. e. g. si Log-my Logisticus, Heptacosias, aut Trichil hexacosias: si Log-my aut Antilog-my, Canon Logarithmorum: si deniq; Mesolog-my, horu Canon adhibendus. In quo sane sæpe ex præpropere aut inconsiderata exceptione error suprepere potest, solet: magis tamen, si omnes una pagina conjuncti.

In specie vero diligenter attendenda & exercenda ratio excerpandi scrupulosa ex canone utroq;. Cum enim uterq; & Log-moru semicirculi in Tab. part. 1. positi & Mesologarithmorum hic additi, tantum ad gradus & Minuta prima descripti exhibeat: utro big; etiam si secunda quis non negligere cupit (non enim prosum ea negliget, & in scrupulis primis errorem omnem effugere cupit) palem rectè inquirere debet, sicut Canonis Log-morum l. arcum exemplo dato convenienter verificare.

Quomodo igitur tam ad datum arcum scrupulosum conveniens Log-vel Antilog-my ex suo Canone, l. ad datum Logmum respondens arcus excerpri debeat, fusiq; & perspicue docet Cap. 8 præcepto 18 & 20 pag. 19 & 20. simili plane modo ex addito Mesolog-moru Canone utriusq; & arcus & Mesologmi scrupulosa fit exceptio.

Si vero laborem qd ingrediatur partis pælis declinaturo, dond tamen sufficientem etiam rationem habere cupit, substitueret potest BENT. Vrsini Log-moru Canonem Magnu magnolabore, usq; magno, exactissime ad dena secunda descriptu, aut meas manuales, ex eodem bonâ cum ipsi veniâ derivatos;

qui paucioribus pagellis compendiose descripti, forma minori seorsim excuspi, exhibent pro isto Planetarum Calculo satis exacte in Dis etiam, quibus vel arcum vel log-mū: & qd̄ sine omni ulterio-
 rioris partis attentione, si manipula unū secundorū / 5 puto, inter se dimidi non cures. Verum ne calculator in hujus l. illig defectū impediatur, sed ex solis istis Tabulis calculū satis accuratē absolvere possit, dicto Tabb. præcepto 18 & 20 addat typum & exemplū inferiis suis locis methodicē descripta. Quorū beneficio mediocris exercitatio laborē vincet, molestiam tollit omnem.

Ad missis generalibus, ad specialia clariora, q̄ juxta supra positas 7 Classes omnē Calculi Planetarū pro usum continent.

Class. I. Ex Tabb. Epocharum.

I. Longitudo media, seu distantia ab æquinoctio æquabili, itemq̄ motus medij Longitudinis.

II. Apogæum seu Aphælium ab eodem numeratum.

III. Nodus ascendens sive caput Draconis.

Singulorum motus medij, ordine excerpti, ad tempus datū Astronomicum sibi op̄ redactum & æquatum s̄m completis, tum Annis, Mensibz & Diebz, juxta Styl. vet. tum Horis & Minutis, ex suis quibz Tabulis colligunt, & rite addunt, juxta Cap. XVIII præcept. 76 pag. 51 fac. 2 & Cap. XXIII. præcept. 100 part. 1. pag. 60.

IV. Anomalia Media, seu distantia loci Eccentrici ab Apogæo l. Aphælio: per subtractionem Apogæi l. Aphælij jam inventi, ab inventa longitudine æquabili eamq̄ perpetuam.

Consulit eim̄, eandem subtractionis modum semp̄ similem observare, præsertim Tyrōnibz mingz exercitatis, vitandæ confusionis, errorem parientis, grātia.

Tunc autem, si residuum superaverit semicirculū / 6 signa vel 180 gradz / sumendū eiq̄ complementū, ad Circulum, idē subtrahendo à 12 signis l. 360 gradibz: perq̄ hoc dein operandum, ut deest.

ubi idē est, sive p̄ signa & gradz separationē scriptos, sive per gradz collectos opereris: modo caveas, ne in transmutatione l. signorū in gradz multiplicandorū, l. gradū in signa dividendū, error sanē hic sc̄dendū subrepat.

Utriq̄ subtractionis exemplū videri potest in Exemplis & consulas Cap. 19 præc. 81. pag. 55. itemq̄ 23 Cap. præc. 100 part. 2.

2 Ex Tabb. Planet Equation.

V. Anomalia Cœquata, seu log Eccentricæ primò æquata, & ab Apogæo vel Aphælio medio numeratū in Eccentrico, qui per inventam Anomaliā Mediā, ex tabb. æquationum parte proportionali recte in quibzlibet verificat, juxta Cap. 20 præc. 82. pag. 58 & seq. itemq̄ Cap. 23 præc. 100 part. 2.

De hujus calculo furis monere, aut legere non pigebit: quia idem primz Calculatori occurrens, primū ex novitate sua difficultatem quasi objicit, & fortasse multos deterret; quam ut meliꝯ superent, alliciet reliquus calculus qui fere solis additionibz aut subtractionibz, ab exercitato, & Tabulis Log-micis probe instructo, facile absolvetur.

Anomalia iq̄bz Cœquata ex Tabb. æquationū colligi & supputari potest dupliciter: Vel juxta vulgarem Arithmeticā, seu Logisticā Astronomicā, op̄ Canonis Hexacostadon: qui modꝯ fortasse pluribz expeditior & faciliꝯ, quod usitatoꝝ hæctenq̄. Vel juxta novam Log-micā Logisticā, hisce in Tabulis imperatā, op̄ Canonis Log-morū Logisticorū, ex Heptacoside, vel sine partis p̄lis in dagatione, expeditiq̄ ex Trichilhexacoside; q̄ modꝯis ascriptis enī expeditior, minusq̄ errori obnoxig, si secūda præcisē requirantur.

Utriq̄ Calculi & novi Log-mici, & vulgari Logistici hic apponendū methodam: utiq̄ habet sua & compendia & disponia, quæ pro cuiq̄q̄ utendis arbitrio variant.

1 Calculi Anomaliæ Cœquatæ, per Log-arithmicos Trichil-hexacosiadis.

1. Anomalia media inventa Exempli, in æquationū Tabulā sui Planetæ quærenda.

2. Anomalia media Tabulā proxime minor l. major, respectu scil: prioris, exempli, excerpenda. Vbi semp̄ consulit & sumere in Tabulā Anomaliā mediā eam, ad quā propiq̄ accedit exemplum, quod facile patet. ita enim nunquam incidit exemplum in cautiones sæpiꝯ erroris generatice præcept. 82 pag. 58. fac. 2.

3. Differentia Anomaliæ mediæ exempli, ab Anomalia Tabulā subtractionem minoris à majore, quæ in specie ē excessꝯ Exempli supra Tabulam, si Tabulā Anomalia minor; contra defectꝯ si Tabulæ major.

4. Differentiæ sive excessꝯ, sive defectꝯ Log-mꝯ Logisticæ ex Trichilhexacoside: ad data minuta prima in fronte majoribz, vel calce, & secūda in latere alterutro minoribz caracteribz expressa quæsitis.

5. Inter columnarū proximè in tabulā Anomaliæ mediæ respondentis Log-mꝯ: qui priori addendꝯ, si inter columnarū uno gradū ming, quod ab initio Tabulæ, in prioribz 3 signis ferè: Subtrahendꝯ, si inter columnarū uno gradū majꝯ, quod sub finem in posterioribz 3 signis fit.

De hoc notandū, quod si non ita præcisē, quis operatur, excerpit, ut ponit, præsertim si exemplum à Tabulā non multum distat. Verū si exactiorem q̄ secundorū calculum indeꝯ primorū exactissimū desiderat, aut simal enormis exempli à primorū Tabulā differentiā occurrat utiq̄ verificari potest p̄ palem excessꝯ l. defectꝯ respondentem, præsertim ubi etiam magnā intercedit differentiā saltis.

6. Log-mꝯ proveniens ex additione l. subtractione, iterū in Trichil-hexacoside quærendꝯ, q̄ paulo ante l. post priorē excerpit semp̄ inventꝯ, aut ipse aut proximi in arcū scilicet, dat secūda in regione lateris utriq̄q̄, & minuta prima in fronte & calce, quæ sunt.

7. Pars proportionalis quæsitā, quæ Anomaliæ cœquatæ ex Tabulā etiam decerpendæ addendā, si differentiā Anomaliæ mediæ superiq̄ fuit excessꝯ: contra subtrahendā, si Anomaliæ mediæ defectꝯ. Vbi ne error intercedat, statim ibi signū l. d. vel subtr: apponi potest.

8. Anomalia cœquata describendā ex Tabulā, respondens Anomaliæ mediæ Tabulæ, cum quæ superiq̄ facta exempli collatio.

9. Idem aliter per Logisticā vulgarem, Canonis Hexacostadon, ubi in seqꝯ tantum particularis est calculi diversitas.

3. Excessꝯ l. defectꝯ minuta quæritur in Canonis Sexagen. lateribz, l. vice versa in fronte & calce, ut libet & convenit.

5. Inter columnarū ipsiq̄ in Tabulā positi minuta quæritur contra in fronte & calce; l. vice versa in lateribz permutatim.

6. Minuta secūda & tertia singulatim colliguntur toties, quot sunt in datis eorū ordines; unde emergit collecta.

7. Pars proportionalis, cum priori priorq̄ conveniens, si data exacte convenerint: quæ recte, ut op̄ addita l. subtrahenda habetur.

9. Anomalia Cœquata Exemplo respondens. Per alterutrum itaq̄ calculū, pro cuiq̄q̄ arbitrio & comodo, fundē elicit.

V. 9. Anomalia Cœquata exempli, respondens Anomaliæ mediæ exempli supra inventæ, l. in signis & gradibz seorsim, l. in collectis tantum gradibz numerata.

VI. Intervalli seu distantie Planetæ à 0 vel Ole Logarithmꝯ, l. positivꝯ signo +, l. negativꝯ signo - notatꝯ, prout signū in callæ istiq̄ fronte superiq̄ positum monet. Calculi hujꝯ unicè dependet, ex legitima p̄lis, excessꝯ l. defectꝯ Anomaliæ mediæ superiq̄ invento respondentis, in p̄sitione, ut monet Cap. 20 præc. 86 & 87 pag. 60 juxta seqꝯ particularis.

a. Log-mꝯ intervalli directe in regione respondens Anomaliæ mediæ in tabulā, l. majori l. minor, ut supra ea fuit assumpta.

b. Minuta prima excessꝯ l. defectꝯ Anomaliæ exempli à tabulā supra inventa.

c. Numerꝯ lateralis minuscūlꝯ, proximè Log-mꝯ ad latꝯ extorseti appositꝯ: qui ultima cyphra ob residuā fractionis portionem indeꝯ pendentem accuratiorē num. adactꝯ ē p̄lis, respondens uni minuto excessꝯ vel defectꝯ.

d. Multiplicatō isto numero, p̄ minuta prima, & à facto rejecta p̄iq̄ ultima ad dextrā figurā, si quinarium non excesserit; l. si eā excesserit, reddita unitate ad penultimā, & ultimā nihilominꝯ rejecta emergit p̄lis; q̄ plerūq̄ exactissimā sic colligit; nec tamen, ultra unitatem à vera nunquam ande l. post abest.

h. e. p̄m̄ in de-
 gult de tri
 differ. anm̄ proximè
 major sup̄: l. termi-
 na tunc termi-
 na q̄ intercolumn-
 nia. l. termi-
 na t̄ differ. tabulæ
 & minoris anoma-
 liæ.

Log-mg igitur intervalli verificatus emergit, addita l. subtracta apli, à Log-mo Tabulæ, prout Log-mg Tabulæ sursum l. deorsum crescit aut decrevit, & Anomalia mediæ fuerit excessus aut defectus: id quod recte ex circumspicua datorum inspectione, quam perplexa præceptione patet. inspicere tamen sepe potest typum.

| Anomal. med. Exempl. | Log. intervalli Tabulæ | | Pars Proportio- nalis. |
|-------------------------|------------------------|------------------------|---------------------------|
| | Deorsum | Sursum | |
| Excessus | Decrescens | Crescens | Subtrah- addend. |
| Defectus | Decrescens Crescens | Crescens Decrescens | Addend Subtrah. |

Et ista qd apli inq. sitio sufficit, si non scrupulose ee cupis, aut unius digiti vel abundantis vel deficientis factoram in Log-mo negligis, quippe ista omnia nihil aut parvam referat, si in reliquo Log-mo calculo eandem scrupulositatem, non observas: id quod cujusq. ingenio, arbitrio, necessitati liberum relinquatur.

Si tamen exactis gallem, consentans explorandi gratia, desideras, ecce modum accuratorem, prioris fundamentum. In Regula proportionum de Tri coram primo loco differentiam integram Anomaliæ mediæ minoris Tabulæ à majori, & subtractionem inventam, inter quas intermedia e exempli Anomalia mediæ: medio dein loco pone differentiam Log-mo istis. respondentium, sive incrementum fuerit, sive decrementum, inter quos inter medij quorundam Log-mg exemplo conveniens: tertio demum loco pone minuta excessus vel defectus, sæpius memorata, & operare, ut moris. inventam exactis gallem adde vel subtraha, ut supra, juxta typum addiditum.

De utroq. isto calculi Planetariorum Elemento principali, utpote reliq. fundamentis, fusius monuisse sufficit: Vbi sane pro certiori & expeditiori operatione, consultius e, simul & semel omnia ex Tab. d. quod prius exaravit, quam reliqua supputando interponere. Exemplum igitur Anomaliæ mediæ Tabulæ proxima exq. hæc formato Excessu vel Defectu exempli, pariter ordine ex eadem isti respondententes desumantur, 1. Logarithmus intercolumnij, 2. Anomalia Congrua, & 3. Log-mg intervalli, cum numero laterali, &c. ut ex seq. Exemplorum typo, diversisq. modis facile patet. seq. jam in calculi operatione. ordine.

VII Locus Eccentricus Planetæ, hic emergit, vel Additæ Anomaliæ Congruæ modo inventæ ipsa ad Apogæum l. Aphelium supra inventum; l. Subtractæ Anomaliæ Congruæ Complemento, ab eodem Apogeo.

Ita autem vel ipsa sit Anomalia mediæ, reliq. complementum, patet ex superiori num. 4. Consule cap. 20 præ. 88 pag. 61.

Locus autem iste Eccentricus inventus in Ole absolute e & verus in Elliptica: in Luna dicitur dictus, & primo e quatuor; Eccentricus in Orbitali sua: in Planetis reliquis Eccentricus simpliciter.

Clas. 3. Ex Tab. Planet. Latitudinarius

VIII Argumentum Latitudinis, seu Distantia Planetæ / loci Eccentrici modo inventi à Nodo egressu ascendente / supra inventos, & Subtractionem Nodi à Planetæ loco Eccentrico eamq. thidem perpetuam ordinis certioris ergo. Vbi Notatur

1. Si residuum e infra quadrante / 3 sig. l. 90 grad. in primo seu quadrante retinetur idem, & in Tabulæ latitudinaria præterit: habet Latitudinem Septentrionalem ascendentem.

2. Si vero e supra quadrante, sed infra semicirculū / 6 sig. l. 180 grad. in secundo seu quadrante, tunc sumitur residui complementum ad semicirculū / à 180 grad. Subtrahit & cum hoc consultius Tab. Latitudinaria. dabit Argumentum Latitudinem Septentrionalem descendentem.

3. Si e supra semicirculū sed infra signa l. 270 grad. in tertio seu quadrante, tunc simpliciter abjiciuntur aut adduntur 6 signa l. 180 grad. (semicirculū p. d. & cum residuo l. sumit, sed in gressu in Tabulæ Latitud. e Argumentum Merid. Descendens.

4. Si deniq. e supra 9 signa l. 270 grad. sed infra arculū / 12 signa l. 360 grad. quem terminū transgredi neq. tunc sumitur complementum ad eundem integrū arculū, cumq. hoc consultius Tab. latitudinaria, exhibent Argumentum Latitud. Meridionale ascendentem.

Ista diversitas si nullam aliam, hanc habet contra utilitate, qd certis inde concludit, quale sit Argumentum latitudinis, & an reddendum sit addenda l. subtrahenda. Vel si major, sequere Cap. 21 præ. 89 pag. 61.

Per inventum Argumentum Latitudinis, postmodum ex suis Tabulis colligitur

IX Reductio in minutis primis & secundis per quæ Planetæ locus Eccentricus antea constitutus, reductus ad Ellipticam: Subtrahenda quidem, si Argumentum latitudinis ex prima subtractione residuum fuerit in 1 & 3 quadrante, signorum complet. 0.1.2. & 6.4.8. Addenda vero, si idem fuerit in 2. & 4 quadrante signorum 3.4.5. & 9.10.11. complet. Ex præc. 92 pag. 62. fac. 2.

X Curtatio Intervalli, quæ semper est Subtrahenda à Log-mo Intervalli supra numero 6 constituto, in Superioribus 5. & 6. In inferioribus 7 & 8 addenda ad eundem.

XI Inclinatio Orbite Planetariæ ad Ellipticam, l. si major, eisdem Mesolog-mg. Consultis tamen videb. & propter palem Faciliq. certiq. ipsam inclinationem excerptam, pro ut opo proportionaliter statim verificare, & postmodum ex Canone suo Mesolog-mg. desumere. De singulis istis consule Cap. 21 præ. 90 pag. 61

Per hæc inventa deinceps constituit Planetæ.

XII Log. Eccentricæ Reductus ad Ellipticam, per additionem aut subtractionem reductionis, juxta num. 9. & præ. 92

XIII Log-mg Curtati Intervalli, per additionem aut subtractionem curtationis, juxta num. 10 & præ. 91 pag. 62.

XIV Proportio Intervallorum, sive laterum Angulæ prosthaphæreticæ: vel per additionem intervallarum Log-mi O & Planetæ, si utriusq. signa fuerint dissimilia: vel per subtractionem Log-mi Solaris à Planetari, si fuerint similia, juxta præc. 93.

XV Anomalia sive Angulæ Comutationis, per subtractionem eamq. vitandæ confusionis causâ perpetuam, veniendi loci O à loco Planetæ Eccentrico reducto. Residuum, si semicirculo ming. retinetur, estq. Anomalia comutationis ipsa. Si major, scil. supra 6 signa utroq. sumendum e eiq. complementum ad Circulū, pro inferiori usq. probè notandum. vid. præc. 93 pagina 63.

Et hæc utq. calculi processus idem e in omnibus Planetis, quocumq. etiam modo Prosthaphæretica Orbis postea in gressu placeat: sive novo per Mesolog-mos seq. numeris usq. ad 25 descriptis; sive altero per Log-morum positiones & limitationes, ultimis duobus indicato.

XVI Semissis Angulæ Comutationis sive dimidium eisdem, per dimidiationem vulgarem rectè factam: Resid. autem ut fiat, probè dispiciendum in ultimis signorum, graduum l. minorum numeris imparibus.

Clas. 4. Ex Canone Mesolog- & Log-mo Judicis, per calculum subtrahendo & addendo tandem Colligitur.

XVII Log-mo Judicis, qui ex sua peculiari Tabulæ, primò constitutam Intervallorum proportionem desumit, semper positivus cum signo +, sig. opus, apli juxta seq. typum in q. sita verificatur.

1. Proportio Intervallorum Exempli, proximior Centenario Tabulæ l. minor, si postrema dicitur figuræ in exemplo se non excedat: l. majori si supra se fuerint. 2. Log-mg Judicis ex Tabulæ, respondentens centenarium l. minor, supra quem excessus; l. majori, ad quem defectus notandus. 3. Numeri l. supra 100 excedentes, vel ad 100 deficientes seorsim scribendi. 4. Differentia centenarii in latere adposita. 5. Multiplicatio istorum duorum, & à facto 2 posteriori resectio, si infra se fuerint. 6. Proportio sic inventa additæ ad centenarium majorem: Subtrahit à minore: quia deorsum decrescunt, sursum crescunt Logarithmi isti.

XVIII Mesolog-mg Semissis Angulæ Comutationis, ex Canone Mesolog-morum, qui quoad gradus & minuta prima expressus, quoad dca proportionaliter verificandus excerptus: ex fonte qd positivus cum signo + graduum infra semiquadrantem; ex calce vero privativus cum signo - graduum supra octantem: quæ distinctio probè notanda.

Pars palis indagat seq. typo. 1. Mesolog-mg juxta simile præc. Tab. 18 pag. 62. ex Tabulæ ad gradum, & minuta prima exempli excerptus. 2. Minuta dca ad dca dca exemplo notanda. 3. Differentia Mesolog-morum lateri adposita, l. in eadem cella supra l. infra positæ, deorsum quidem Decrementum, sursum vero Incrementum. 4. Multiplicatio istorum duorum, & à facto ultima cifra resectio, si non excesserit. 5. Palis rectè sic inventa à Mesolog-mo Tabulæ Subtrahit, si gradus ex fronte & minuta ex latere sinistro: addit, si gradus ex calce, & minuta ex latere dextro sumendi. Contrarium vero fit cum minutis 2dis, si per ea dimidium minutum excedentia non ipsa, sed horum complementum ad 60 fiat palis inq. sitio.

XIX Mesolog-mus Index prosthaphæretæ, qui emergit per utriusq. & Log-mi & Mesolog-mi additionem coscicam. Vulgari autem tantum addunt, si ambo sunt positivi & tunc emergit etiam Mesolog-mg positivus, dans arcum infra 45 grad. Subtrahit autem alter ab altero, minor à majore, si Mesolog-mg angulæ comutatæ semissis est privativus. Et si Log-mg Judicis major, Mesolog-mg Semissis priv. minor subtrahit, & tunc emergit etiam Mesolog-mg positivus, ut auct. Sivero Log-mg Judicis minor, idem à Mesolog-mg privativo majore subtrahit, & relinquit Mesolog-mg privativus, dans arcum ex Canone supra 45 grad. Ratio hæc variat: quæ dependet ex Regulis & Cautelis Coscicæ additionis, quas fuis lege, vide infra sub finem Cap. 4 pag. 13.

XX. Prosthaphæresis, Index Elongationis, ex Canone suo colligitur per Mesolog-mi antea inventum. l. positivum, l. negativum: estq; arq; pro defectu semisus Comutationis, ab utrolibet angulorum trianguli. Vbi contraria methode p[ro]p[ri]is ex canone inq[ui]sitio, juxta simile præcept. Tab. 20 & 21 pag 20 & juxta sequentem Typum.
 1. Arq; in gradibus & minutis primis, respondens Mesolog-mo Exempti, proxime. 2. Differentia Mesolog-mi Tabula à Mesolog-mo Exempti, per subtractionem inventa. 3. Differentia vel in latere, lra calce & fronte posita, ciphra o prolongata. 4. Divisio istij per priorem Differentiam. 5. Quotq; erit p[ro]p[ri]is 2donum, vel ad minubi addendum, l. ab eodem deficientium, prout Mesolog-mi l. majoris l. minoris arq; è Tab. sumptij.

XI. Elongatio Planetæ à Sole, quæ fit in Superioribus Planetis 5, 4, 3, per additionem modo inventæ prosthaphæreseos, ad semisem Anguli Comutationis: In Inferioribus verò 2 & 1 per eisdem subtractionem ab eodem.

XII. Locus Verus Planetæ in Zodiaco, quoad Longitudinem Eclipticæ. Iste constituitur per Elongationis l. additionem ad locum O, si supra No. 15 fuit Anomalia comutationis ipsa: l. subtractionem ab eodem loco Solis, si ibide fuerit Ang. Comutationis Complementum.

XIII. Prosthaphæresis Orbis amari ipsa Planetæ vera si desideratur nullij enim perse hic usq; è, loco vero jam per Elongationem absoluto colligitur, in superioribus quidem, si cum loco Eccentrico Reducto conferatur, & minor à majore subtrahitur. Contraria enim ratio se habet Prosthaphæreseos Orbis ad Planetam, ut Elongatio ad Olem. in Inferioribus verò omnino eadem è cum Elongatione.

XIV. Hujus Prosthaphæreseos Log-mij idem ee debet, cum Summa Log-mi Elongationis & Proportionis intervallorum. Probatio enim recte factæ, operationis, & confusus, fieri potest, si placet, per Log-morum viam, & methodum, alias in Tab. Rudolph. Cap. 9 præc. 25 & Cap. 22 præc. 96 fusij imperatum, hæc eniq; visitatum.

Prosthaphæresi enim ab Angulo Comutationis integro subtracta, restat Elongatio à O in Superioribus: in Inferioribus differentia Anguli Comutationis. Hujus Log-mij additij vulgariter ad proportionem intervallorum, exhibet Log-mi ex canone querendum aut jam inventa qui si eandem arq; cum, eam inventa prosthaphæresi exhibet, recte perata utrobij operatio: In ming, repetita altera attingit vitium detegit. Vel brevij ita: Subtracta proportione intervallorum à Log-mo prosthaphæreseos inventæ, restat Log-mij Elongationis in Superioribus: In Inferioribus distantie ab Ang. Comutationis

Clas. 5. Ex Tab. Log-micis pro Calculo Latitudinis Planetarum juxta præc. 99 p. 66.

XV. Elongationis Planetæ à O supra inventæ Log-mij, ex Canone suo scribendq; sig. op[er]i p[ro]p[ri]i corrigendus. Idem jam habet, si per Log-morum positionem prosthaphæreseos Orbis fuerit querita.

XVI. Inclinationis Eccentricæ, supra etiam inventæ Mesolog-mi ex Canone suo per correct. p[ro]lem. verificatij

XVII. Summa duorum Log-morum additorum.

XVIII. Anguli Comutationis supra etiam inventi Log-mij ex Canone correctus.

XIX. Residui Mesolog-mij Latitudinis, cui respondens arq; ex Canone suo proportionaliter verificatus est.

XXX. Latitudo vera Planetæ, quæ talis quidem, quale Argumentum supra num. 8 inventum.

& tot numerorum apicibus, nunquam pluribus, sepe passionibus absolutis q[ui]bus Planetarum calculi, magis magisq; ab exercitatio abbreviandi sequitur

Clas. 6. Ex Tab. Lunaribus, de Calculo de Aequationis Luminis compositæ.

Pro Luna loco ex Tab. Rudolph. supputando, primum tam ex tab. Epacharum motu mediij colligitur, quam ex tab. Aequation. loci ficti supputatij, juxta præcedentium 6 priorum numerorum ductum. Huc usq; enim calculi Lunaris, cum Solari & reliquorum Planetarum calculo prout convenit, in reliquis autem peculiaris è, & potissimè pro loco Longitudinis inveniendæ Aequatione Luminis compositæ: Pro Latitudine vero in Aequationis Portione Menstrua consistit. Utq; abbreviato, licet ming in minutis accurato calculo, ex suis Tab. pag. 84 & sepp. juxta Tab. præcepta colligi, perq; has Solar Luna loci verq; aut vero proxime in veniri potest. Quia vero in eis p[ro]p[ri]is inq[ui]sitio, plastica licet, tamen criciformis, cuiem sepe figit oculis, manibus, ingenio: de simili, ad exactiorem tamen d[omi]ni calculu, compedio du laboro, quod etiam suo tempore absolutum comonstrabit.

Interim si p[ro]p[ri]is & 2dum omnes hypothesis physica Keplerianæ particularas exacte, eandem inq[ui]sire cupis, ex operationis typis cum exemplis priori adjungendum, cuj ducta, juxta Tab. præcepta, facile inveniatur verq; Log Luna in longum atq; Latam Zodiaci.

1. Longitudo Lunæ mediæ, ab æquinoct. Equab. ex Tabulis Epacharum debito modo collecta.

2. Apogæum medium ab eodem ita collectum.

3. Nodus ascendens seu Caput Draconis Equab. in cuj inventionem bene notanda cautela præc. 96 pag. 52 fac. 1.

4. Anomalia mediæ, per subtractionem Apogæi à Longitudine: vel complementum, per subtractionem Longitudinis ab Apogæo. Vid. supra num. 4.

5. Intercolumnarum Anomaliæ respondens mediæ exempli, pro inferiori usq; excerptum ex Tabula

6. Anomalia Eccentrici separatim inveniendæ, juxta præc. Tab. 83 pag. 59 & correctæ p[ro]p[ri]i verificandæ.

Hanc si confusus explorandi causa exactij desideras, operandi modum adhibe similem superiori, pro exacta Log-mi intervalli correctione.

7. Anomalia Coæquata quæ juxta modum fusij supra descriptum ex Tab. Equat. Lunæ colligitur.

8. Locus Lunæ fictus, seu Eccentricus & primo æquatus, per additionem Apogæi & Anomaliæ coæquatæ, si hæc ipsa fuerit: Sin complementum, per Subtrac. hujus ab Apogæo.

9. Argumentum Longitudinis Lunæ amuum, per subtractionem Apogæi Lunæ, à loco O vero. Vbi cautela de residui qualitate probe notanda & observanda, in præcepto 113 pagina 84.

10. Argumentum Longitudinis Lunæ Menstruum, per subtractionem prioris Argumenti amui, ab Anomalia Eccentrici num. 6 inventa. Ex præc. 114 pag. 84 fac. 1.

11. 12. Ex Canone Log-morum Semicirculi, tam Annui argumenti Antilog-mij, quam mensuræ Log-mij decapitij in gradibus & minutis primis, vel si placet, etiam secundis.

13. 14. Istorum duorum Summa, quæ sita in Trichilhexacoside, dat minuta prima in fronte & calce, 2da in lateribus.

15. 16. 17. Scrupulorum istorum tam duplum, quam semisus sumij: iborumq; invicem additij, quæ jam constituent Aequationis mensuræ partem competentem. Cui apponendij

18. Subtr. si Menstruum ex Semicirculo prior. Add. si ex posteriore. Ex præc. 115 pag. 84 fac. 2.

18. Particula Exors, ex sua Tabula pag. 82 l. 83 per Argumentum amuum excerptenda: cui qualis apponendij titulus monet præc. 115 pag. 84 fac. 2. min. prior eorum, quæ Argumento amuo patet, si Menstruum ex Semicirculo prior: posterior vero, si idem ex posteriore.

19. Aequationis mensuræ pars competens, fermentata, per particulæ Exors additionem l. subtractionem, pro tituli sui exigentia.

20. Eadem Aequatio sic fermentata, per intercolumniæ Anomaliæ, supra num. 5 ex Tab. exscriptum, Logisticè

ope Car. Hexacordat: multiplicata, dat Aequationis partem competentem, fermentatam, nunc etiam ad angulum reductam, ut hypothesis requirit, & præc. 120 pag. 86 fac. 2

21. 22. Distantia loci D ficti, à loco O vero, per subtractionem hujus ab illo inventa; corrigij per Aequationis partem competentem reductam, eidem additam l. subtractam, pro ut titulus supra nam. 17 fuserit: fitq; Elongatio Lunæ à Sole prope vera.

23. Per hanc postea ex suis tabellis colligit, Variatio, vel Tychonica, l. Kepleri demonstrativa, juxta præc. 122 pag. 87 fac. 1.

24. Aequatio Luminis composita, recte absoluta, si modo in ventæ Aequationis pars competens reducta additij si eandem titulum habuerint; vel subtrahatur minor à majore si diversum. Summa ibi comanem; residuum hic majoris titulum retinet, juxta idem præc. 122 subfin. pag. ejusdem

25. Iste tandem Aequatio Luminis composita, juxta suum titulum, l. addita l. subtracta loco Lunæ ficto, exhibet locum Lunæ prope verum in orbita, s[ic] longitudinem veram, l. Tychon. l. Kepler. prout hujus vel illij Variatio adhibita.

Clasf. 6. De Calculo Latitudinis Eund.,
ex iisdem Tabulis Lunariibus.

26. Distantia Δ à nodo suo medio, quæ Argumentum Latitudinis hic dicitur, invenitur per subtractionem nodi ascendens supra inventi, à modo invento loco Δ prope-vero habetq. Tabulum Sept: si in priore semicirculo fuerit: Mend: si in posteriori, & tunc pro ingressu tabule Latitudinis simplicis Semicirculy auferat aut addat, remanetq. Argumenti tituly Merid: juxta præc. 87. pag. 61.
27. Distantia Θ à nodo Lunæ medio, per hujus ab illo, solis loco vero, subtractionem
28. 29 Per istam postea ex tabella sua pag. 87. investigat correctam tam augmentatio anguli soluti, quam prosthaphæresis nodi altera, quæ placuerit, l. utraq., prout hac vel illa opus habuerit.
30. Distantia vero Lunæ à nodo suo medio inventa, corrigat, ut sit à nodo suo vero correcta, si contraria, quam tituli tabule prosthaphæreses monent, ratione prosthaphæresis nodi addat, vel auferat.
31. Latitudo Δ simplex, ex Tab. sua pag. 86. per modo inventam veram distantiam Δ à nodo suo non medio, sed vero, excerpit, & per pplem debito modo verificat.
32. 33. 34. Hujus Latitudinis pars quinta, calculo inventa, & logisticè ope Canonis Hexacostad. in soluti anguli augmentationem multiplicata, dat portionem Latitudinis mensuræ, priori Latitudini Δ simplicis semper addendam, ut fiat latitudo vera, juxta præceptum 125 pag. 90.
35. Latitudo Lunæ vera & absoluta: cujus demum beneficio, scrupula reductionis exacte indagant, juxta præceptum 129. pag. 92.
36. 37. Distantia enim Lunæ à nodo suo vero quæ videtur in Canone Log-morū Semicirculi: quæ exhibet differentiam Antilog: pro 10 secundis, simulq. ex eodem excerpit Latitudinis Δ simplicis Antilog: 19.
38. 39. Hujus Antilog-mi decuplam per priorem Antilog-morū differentiam, divisam exhibet scrupula secunda reductionis, unde tandem fit.
40. Verus locus Lunæ absolutus, & ad Ellipticam reducitur per scrupulorum reductionis subtractionem, si Argumentum latitudinis fuerit in 1. & 3. quadrante signorum 0. 1. 2. & 6. 7. 8. vel per additionem, si idem fuerit in 2 & 4 quadrante, signorum 3. 4. 5. & 9. 10. 11. complet.

De variationibus calculi Lunaris.

Commodis loco hic quædam addenda sunt de variationibus calculi Lunaris, quæ ex dictis Tabulis Ludolphinis eliciunt, & scrupula scrupulosius injiciunt: quia tamen in paucis scrupulis consistant, eundem hypotheseum variatio facile illorum existat. Variat autem locus Longitudinis dupliciter, ob duplicem Variationis quantitatem abq. tabulam: indeq. Longitudinis Lunæ lociq. prope verum vel mere Tychonico, vel mere Kepleriano, pro ut Tycho. vel Kepl. variatio exhibet. Differentia Longitudinis tanta te potest, quanta variationis maxima ex tabulis elicit, nempe 16. 48.

Lociq. autem Latitudinis variat quadrifariam, ob duplicem duplicem hic hypotheseum, variationis scilicet & prosthaphæreses nodi mixturem. Aut enim variatio seu Longitudo & prosthaphæresis nodi unig. eisdemq. adhibet: unde latitudo duplex, nempe Tychonica & mere Kepleriana. Aut vero Longitudo seu variatio unig., cum prosthaphæresi alteriq. adhibet, unde ea ibidem duplex, ex utraq. mixta. Singularum differentiarum calculum in exemplo jidem exhibeo, non quod minutias istas scrupulosas semper attendendas pulsem. Quis enim per Observationes plurimas exactissimasq. casu iudex exactus erit, sed ut Typam & Exemplam habeat Astropilg, indeq. electionem liberam, cui hypothesei tanquam veriori astipulari velit, possit, debeat. Neq. enim meam nimis deniq. hic iudicium interponere volui, sed tantum prætorū Ludolph. Tab. exemplum proponere volui, quod quivis pro suo arbitrio aut se querat aut corriget.

Calculi autem Θ in Long. & lat. ad Angulos mensis dies, dū omnes particulas satis accuratum invenies, in horū amorū Ephemeridibus motis, quarū Tomum sequentem alterum, si Deus cu vita vires otiamq. mihi conservavit, propediem videtis.

De Typi Exemplis

Hæc ita hoc ordine & Typo, breviter (quantum fieri potuit) in calculi hujus Typon gratiam prælibanda proponere volui, ut eo feliq. Dereliqua Tab. præcepta pergam. Exempla ita etiam typi isti congruentia bina singularissima addidi, ex calculo natalitiorum Starutarū Divo. Imp. quorum subsidis Cesareis possimam istæ tabule Planatarum perfectæ & editæ. Ex quibus nodi Typumve vel istam sequi, vel aliam suo genio conventioniorum Similem formare calculator potest.

Iti sub finem de Exemplis quædam monenda. Nomen in Typo esse nunc subsequnt, prout operationes pleriq. ex Tabulis in Exemplis vero iudem quidem numeri reventi, istis respondeat: et non nihil turbat aliquando ordine, ob calculi commutationem, sepe etiam plerumq. in Lunæ, unig. idemq. numeriq. aliquid ponit, ad varias nimirum vel subtractiones, vel additiones necessarias: qui minuscule propterea characterè distinctiq., ut eiq. calculi ratio & ordo meliq. pateat. Substitutam etiam scrupulorū juxta Tab. numeros scrupulosos adhibui, non quod, eodem semper modo eam necessariam putem, sed ut exemplam habeat accuratum, qui accurate & scrupulose mecum vult supputare. Tandem si præter opinionem, vel in supputando, aut in corrigendo sphalma remanserit, non offendet eo equus lector sed suavitermunde corriget.

De Sphæricis Planet. Affectionibus.

Inventis jam veris Planetarū locis, ultimo sequerent, ut eorum affectiones Sphæricas, seu primi mobilis ratione ipsi accidentes, ordine videant, puta quomodo Declinationes, Ascensiones Rectæ & Obliquæ, cum suis differentis Ascensionibus, Amplitudines Orbium, Anguli Orientis, Ortus & Occasus, aliq., tam ex suis tabulis, quam sine his per Log-morū indagent: Verum quia non primario hujus loci sunt, neq. Tabularum & spotalæ præceptis variis satis explicant, brevitatis ergo hic repetere nolo.

Hic interim vtere, fuere, lector benevole, donec brevi aliquando sequant, tam Primi mobilis Tabule mediæ Directoriæ, nova methodo supputatæ, quarum beneficio & erectiones & directiones citò ac præcisè perficiantur: quam Secundorum mobilium Sphæra organica, cum Tabulis suis compendiosissimis, quarū ope jucundissima Keplerianæ motuum Hypothese physical, eleganter ad oculam demonstrabunt, de quibus plura monui alias in Epist. ad Sn: Keplerianæ p. m. Præfatoriæ Ephemeridibus meæ in Annū 1629 scorsim editæ.

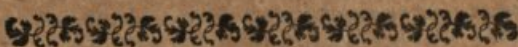


JOANNIS KEPLERI
SPORTVLA
GENETHLIACIS MISSA

DE TABULARUM RUDOLPHI USU IN COMPUTATI-
ONIBUS ASTROLOGICIS:

Cum Modo Dirigendi novo & NATURALI.

QVIA PLERIQUE OPUS HOC TABULARUM IX-
petunt propter Astrologiam, quæruntq; Num etiã Gen-
ethliaca Themata integra per nostra Præcepta possint erigi, Di-
rectionesq; expediri: visum est Doctrinam hanc Præceptis Ta-
bularum appendicis loco summittere: ut in qua & Præceptorũ
nonnullorum usus ostenditur, & novis præceptionibus, plures
Tabularum quarundam utilitates explicantur.



DE ERECTIONE THEMATA-
TIS Cælestis.

DATA SIDERIS LONGITUDINE ET
LATITUDINE, ASCENSIONEM
ejus Rectam & Declinationem
computare.

PRÆCEP-
TVM 198]

Cõtinuatio
Cap. XIII, &
præcep. 190
Cap. XXXIV,
Tabb. f. 24

Præcepto 47
Via generalis
est ad Ascen-
sionem Poli
altitudinum
extra Trop. q̄
paucis muta-
tis etiam in-
tra Tropicos,
ad eã in ipsã
Sp. rectã uti-
lis esse potest.

ARCVM Eclipticæ propositum resolve in gradus numera-
tionis continuæ ab æquinoctio verno; sic resolutũ quare
f. 24 25, inter Asc. Rectas; & ex margine excipere arcum respon-
dentem, signis in gradus itidem resolutis. Ex eãdem vero line-
ã & Angulum respondentem venare, & Arcum sub titulo Declina-
tionis; cui vel adde datam latitudinem; si & locus sideris
eclipticus, ab æquatore; & latitudo, ab Ecliptica vergant in
plagam eandem; vel si diversæ fuerint plagæ; à majore arcu ex-
scripto latitudinem aufer; minorem vero illum vicissim aufer
à latitudine. Sic formatus erit arcus angulo subtensus. Ag-
gregatis igitur Logarithmis, & anguli & arcus subtensis, con-
sistatur log. us Declinationis veræ quæritur. Hæc in duobus pri-
mis casibus retinet plagam dati loci ecliptici; in ultimo sortit-
ur contrariam.

Deinde Declinationis sic inventæ Antilog-um aufer ab
Antilog-o arcus subtensis; restabit Antilog-us portionis; quæ
in primis duobus casibus, siquidem & locus eclipticus fuerit
in primo vel tertio quadrante, auferri debet ab arcu ex mar-
gine exscripto; at si in secundo vel quarto, seu ultra solstitia; ad
eam addi: at in tertio casu formationis arcus, contrarium est
faciendum in utriusque Quadrantibus. Sic constituta erit etiã
Ascensio Recta sideris quæsitã.

Ut si sit sidus in 25 X. cum lat. 3 40 Sep. arcus er-
go Ecl. resolutus est 355, hic quæsitus sub titulo Asc.
recta, dat ex margine 24 35 X. hoc est 354 35, ex
lineã angulum 66 32 16, sub Decl. arcum 2.0.30. Et
quia locus ecl. est ab æquatore mer. lat. Serò ab Ecl.
Sept. & major arcu excerpto: casus ergo tertius est.

Quare aufer arcum à lat. restat 6 39 30 subtensus
angulo. Sic ergo operor.

| Arcus | Logarithmi | Antilog |
|----------|------------|---------|
| 66 31 16 | 1030 | |
| 6 39 30 | 215460 | 675 |
| 6 6 30 | 224050 | 570 |
| 2 38 | - | 106 |

Decl. sit Sep. Titulo contrario ejus, quem locus ecl.
cum casus sit tertius. Portio Serò 2.38, cum sit quar-
tus Quadrans, auferatur à 354 35, restat 351 37 Ge-
na Asc. recta.

Aliud exemplum. Sinister pes Orionis anno 1608
fuit in 11 17 II. cum lat. 31 11 Mer. Ergo arcus re-
solutus Ecl. 71 17 habet respondentem ex mar. 12 45
II. seu resolutum 72 45, sub Decl. 22 24 26, sub an.
32 36 30. Locus datus rursus est Sept. lat. Serò Mer.
& major, casus iterum III: ablata ergo illa, rest. 8 47

| Ergo | Arcus | Logar | Ant |
|-----------|----------|--------|------|
| | 32 38 34 | 127 | |
| | 8 47 | 187929 | 1110 |
| Decl. Mer | 8 42 34 | 188756 | 1106 |
| Port | 1 9 | - | 20 |

Portio hic est addenda, ut pote in primo quadrante
It ð sit Asc. recta stella 73 54.

Aliud. In eodem puncto long. fuit an 1614 stellula
in cornu Tauri cum lat. 1 49 Mer. Hac cum sit mi-
nor quam quod est sub decl. excerptum, locus Serò sit
Sept. casus sit secundus. Ablata ergo lat. à 22 24 26

| Arcus | Logar | Ant |
|----------------|----------|--------|
| 32 38 34 | 127 | |
| stat subtensus | 20 35 | 104532 |
| Er. decl. Sep | 20 14 27 | 105359 |
| Port | 2 45 | 115 |

Hæc portio, ut in casu II, & quadrante I, ablata à
marginis 72 45, relinquit Asc. R. 70.0.

Aliud. Rursus in eodem puncto long. est stellula
pede Erichthonij, cum lat. 10 22 Sep. Consentit igitur
hæc in plagã cum loco dato. Quare casus sit primus.

Tab. 10. 22 addenda est ad exscriptum ex Declinati-
onum columnis 22 24 27. fiet sub-

| | Arcus | Logar | Ant |
|---------------------|----------|-------|-------|
| | 81 38 34 | 227 | |
| sensus | 31 46 27 | 61370 | 17340 |
| Declin. casu I Sep. | 32 28 | 62197 | 16995 |
| | 4 45 30 | - | 345 |

Porrio ut in hoc casu & primo Quadrante, est auf-
ferenda ab exscripto ex marg. 72 & 5. fit q. A.R. 68.0.

In Progymnasmatibus Tychonis exhibentur 100 Fixa-
rum precipuarum Asc Recta & Declinationes ad an-
nos MDC & MDCC, cum differentijs ad annos Co.

PRÆCEP-
TVM 199

**DATA ALTITUDE SIDERIS, CU-
PUS EST NOTA LONGITUDO ET
Latiitudo, indagare Distantiam ejus à
Meridiano, & hujus compara-
tione cum loco Solis,
Horam.**

VSVS Præcepti creber est in omnibus exercitijs Mathe-
maticis. Præcipue Arabes Genethliaci parturientibus
astantes, hac observandi temporis ratione soliti sunt uti,
pro eo quod nos utimur horologijs, quæ vel ponderibus,
vel tensione laminatum incitantur. Et communiter quidẽ
eligitur Fixa clara: sed possumus nos jam etiam uti Planetis,
ut evidentijs observationis; etiam Sole, de die; etiam Lu-
nâ, de nocte turbidâ, cum latent stellæ cæteræ.

Præcepto 31
Secundum
præcep. 132

Quod si utimur Sole, sufficere potest modus Cap. XII.
Lunâ loco vero si utimur, tunc est computanda Parallaxis al-
titudinis observatæ, eiq; addenda; subducenda verò de di-
stantiâ à vertice, si hæc, non illa, instrumentis erit quæ sita. Si
verò computatio loci Lunæ processit usq; ad visibilem, adhi-
bitis sc. parallaxibus longitudinis & latitudinis: tunc in alti-
tudine observatâ, id est, visibili, nihil erit mutandum.

Sive igitur Lunâ utimur sive stellâ, extra Eclipticam collo-
catis; primùm ex ejus longitudine & latitudine notis, consti-
tuenda est Asc. Recta & Declinatio, secundùm Præceptũ prius.
De reliquo processus insitit Triangulo inter P. polũ, V. verti-
cem, & S. sidus; in quo eam sit quærendus Angulus VPS, ut
quem metitur arcus Equatoris, seu distantia sideris à Meri-
diano; subordinantur invicem PV. compl. alt. poli, & PS. di-
stantia sideris à Polo elevato, seu minor ea sit Quadrante, per
subtractionem Decl. Sept. seu major, per additionem Meridi-
anæ: & subtractione factâ minoris à majori, differentiæ sub-
scribatur VS. dist. sid. à vert. (quæ nunquã est minor differẽ-
tiâ dictâ; nec tamẽ major sumâ illarum) hæc est alt. sideris cõ-
plementum ad Quadrantem. Horum sic subordinatorum &
sumâ fiat & differentia, & harum semisses ponantur ad latera.
Hac factâ preparatione, Log-1 PV. PS. conciantur in unam
summam, sic etiam Log-1 duorum semissium, in summam alte-
ram. Tunc subtractione factâ sumæ unius ab altera, residui
semis, ut Log-us, ostendit semissem angulũ VPS. quæ sita.

ECCE OPUS.

| | | | |
|------------|--------|--------------------|--------|
| Esto PV | 39 54 | Logar | 44402 |
| Esto PS | 101 24 | Lo | 3993 |
| Differen | 61 30 | Summa | 46395 |
| Esto VS | 65 20 | | |
| Summa | 126 50 | Sem | 63 25 |
| Differen | 3 50 | Lo | 11173 |
| | | Lo | 339782 |
| | | Summa | 350955 |
| | | Summarum different | 304560 |
| Prodit VPS | 25 12 | Sem | 12 36 |
| | | Sem | 152280 |

Hæc, sidere cadente, additur ad ejus Asc. Rectam; surgen-
te, auferatur ab ea; sic constituetur Asc. Recta Medij Cœli, vel
jam, Thematis Natalitij. Hoc pacto simul hora addiscitur.
Nam si sidus observatum est ipse sol; statim hæc ipsa differ-
rentia elicitâ, tempus indicat, scil. horas 1. Min. 41. illic, post
Meridiem; hic, ante, hoc est, Horâ 1.0. 19. à media nocte.
Sin autem aliud sidus fuerit: tunc per elicitam differentiam
constituta Asc. Recta MC. comparatur cum A. R. Solis, & dif-
ferentia utriusque detegit Horas; quæ, si Solis A. R. sequeba-
tur, à Meridie sunt numerandæ; sin antecedit, ablatæ à 12.
vel 24. relinquunt Horas à media nocte vel meridie antec.

Per sc. 17

PRÆCEP-
TVM 200

**QUOMODO VENIATUR IN COG-
NITIONEM ASCENSIONIS OB-
liquæ Horoscopi; & per eam Gradus
orientis, cæterarumq; ordiue
Domorum.**

PRINCIPIMUM erigendi Thematis est faciendum ab ista.
Habetur autem vel ex Asc. R. M. C. vel ante eam.
Prior casus est, si tempus fuerit determinatum p obser-
vationem altitudinis alicujus sideris; aut si hora sint indica-
ta, currentes à meridie vel media nocte; uti sunt quidem
Germanis usitata Horologia dimidiata, numerum Horarum
incipientia & à meridie & à media nocte. Si horæ sunt po-
meridianæ; resolutæ in tempora Equatoria, addantur ad Sol-
is Asc. Rectam; sin à m. n. addantur insuper tempora 18.0.
itâ constituta erit A. R. M. C. cui additis 90. Temp. & q. sumâ
recedis 36.0. si excreverit, definita erit hæc A. O. Horoscopi.

Per sc. 128

Per præcept. 17

Aliis verò nationibus in usu sunt Horologia vel ab occa-
su incipientia, vel ab Ortus solis, vel ab utroque; vel etiã
à sine vel initio lucis creperæ; hoc est, ab aliquo momento,
quod communiter semisse Horæ recedit ab ipso momento Occa-
sus vel ortus. Ea res circûspectione opus habet, ut concipi-
atur tempus exactum ab ipso Occasu vel Ortus. Quod si
jam vel ex Calendario, vel per Præcepta, nota sit quantitas,
illuc semidiurna, hic seminocturna; facilis est ejus additio
ad horas istas; ut etiam sic sciatur Hora, à meridie illuc, hinc
à media nocte. Sed si quis caret Tabulis Domorum, in
quibus quærat Horas istas; ei non erit opus, ex datis horis
ab Ortus vel Occasu, prius discere horas à Meridiano. Quin
potius dati loci Solis quærat Asc. Obliquam vel ex vulgari-
Tab. Asc. Ob. vel, si iis caret, etiam ex istis, hæc methodo.
Excerptantur Solis Asc. Recta & Declinatio, & per hanc cõ-
putetur Dist. Ascensionalis, ut quâ etiam ad quantitatem diei
fuisset opus. Hæc in signis Sept. ablata, in Meridionalibus
addita ad Asc. Rectam loci Solis, constituit ejus A. Obliquâ.
Itâ non erit opus recurrere ad angulum Orientis, nisi consen-
sus causâ. Inventa verò Asc. Obliqua Solis, aut ejus loci
oppositi, addantur Horæ ab Ortus vel Occasu (in Tempora
Equatoris resolutæ) conficietur, ut prius, Asc. Obliqua Ho-
roscopei. Ab hac verò si auferatur 90 (addito, si fuerit opus,
intero circulo) residua erit A. R. M. C.

Per sc. 37

Per sc. 31

Per sc. 37

Vt præcepta

34 44

His inventis, excerptatur punctum Eclipticæ culminans,
quod erit cuspis Domus X. Excerptantur autem simul etiam
Angulus & Declinatio respondentes, propter usus sequentes.

Tab. f. 24

per sc. 22

Ad inquisitionem Horoscopi, seu domus I. ex ejus Asc.
Obliquâ, dux sunt via præcipue. Harum eam, quæ accura-
tior, hic expedit sequi. Declinationem puncti culminantis
jam excerptam, si fuerit septentr. aufer ab alt. Poli; si meri-
diana, adde. Itâ (in Triangulo inter V. verticem, C. culmi-
nans, & N. nonagesimum Eclipticæ Gradum ab oriente) cõ-
stituetur arcus VC; prius verò & angulus VCN fuit excerptus.
Log-is verò utriusque junctis, summa, ut Log-us, dat
arcum VN, cujus Antilog-us ab Antilog-o VC ablatu, re-
linquit Antilog-um arcus NC; & hic culminanti puncto p
semicirculum Ecl. ascendentem adjectus, per descendentem
demptus, detegit Nonagesimum, seu punctum Eclipticæ hac
vice altissimum, à q. Horosæ, distat tribus totis potro signis.

PRÆCEP-
TVM 201

Vt sc. 42 &

f. 93. sc. 133

planè hoc sp-

sum traditur

sed obscurius.

VT, IN Genesi Rudolphi, quia Sol in 5 22 O.,
ejusq; Asc. recta 127 34, adde horas 6 52 post meri-
seu Tempora aquatoris 103, fit A. R. M. C. 230 34.
culminat 22 59 W., cujus angulus 75 18 50, Declin.
Merid. 12 35, quam adde altit. Poli Viennensis 48 20
procreatur VC 66 57. Sic igitur operandum.

| Arcus | Log | Ant |
|-----------|-------|-------|
| VCN 75 19 | 3322 | |
| VC 66 57 | 3319 | 93772 |
| VN 62 53 | 11641 | 78569 |
| NC 30 42 | - | 15203 |

Hic arcus NC demptus de culminante, cum sit ex de-
scendente semic., relinquit Nonagesimum 22 11 -
ergo Horoscopus seu Domus I est 22 11 Capricorni.

JAM ut inquit possint Domus cæteræ, secundùm Ratio-
lem modum REGIOMONTANI, initio debet inquiri alti-
tudo Poli super Circulum Domus cujusq;.

PRÆCEP-
TVM 202

Ad Log-um altitu. Poli super Horizontem loci cujusque
adde pro Domibus X I. & I. Log-um Gra. 6.0. scil. 14384.
pro Domibus X II. & II. Log-um Gradus 3.0. scil. 69335, sũ-
ma excerptat arcum; hujus Antilog-us ablatu ab Antilog-o
altitudinis Poli, relinquit Antilog-um altitudinis ejusdem Po-
li super circulum Domus propositæ.

| Log | Ant | Log | Ant | | | | |
|---------------|-------|-------|---------------|--------------|-------|-------|-------|
| Alt. P 48 22 | 29114 | 40893 | Alt. P 48 22 | 29114 | 40893 | | |
| Pro XI et III | 14384 | | Pro XII et II | 69335 | | | |
| | 40 10 | 43498 | 27143 | | 21 57 | 98429 | 7520 |
| Alt. P 29 22 | 9581 | 13750 | | Alt. P 44 15 | 9581 | | 33373 |

DEINDE opus est Ascensione Obliqua super circulum
cujusq; Domus; quæ habetur, additis ad Asc. Rectam
Medij Cœli seu Domus X. tricenis Temporibus pro singulis
ordines Domibus succedentibus.

HIS

PRÆCEP- TVM 201
Vt p̄c. 201.

HIS comparatis, elicitur Gradus Eclipticæ, cooriens super ejuſq; Domus Circulum, vel viâ priori, ſi pro Aſc. Obliqua ejuſq; Domus, aſſumatur Aſc, recta veluti M. Cœli in tali Horizonte cuique Domui proprio, ablatis ſcil. 90. ab Aſc. ejuſq; Obliquâ. Sed quia hoc forè rãdioſum eſt, nõ abs re erit, viam hic monſtrare alteram ſuprà ſuſpenſã; quæ inartificialis quidem eſt; at inharere ſoli Aſc. obliquæ, & ipſi circulo Domus, utiturq; jam inventis. Elevationis Poli ſuper circulum Domus Antilog-um proximè invetum adde Log o Aſc obliquæ, quæ propria eſt illi Domui; ſummam ſerva. Deinde ingrediẽre ſilum ejuſdem Elev. Poli; & conje- cturã faciã, qui Gr. præterpropter oriatur, ejuſ arcũs Eclip. Log-um adde Log. o anguli eidem adſcripti: tunc ſi ſumma conſtituitur eadem, quam priũs aſſervãſti, verus erit ille Gradus oriens: ſi minus, conjectura eſt repetenda, qd ſit facilẽ, quia angulitardẽ mutatur.

Tabl. f. 26

In exemplo

| Pro Domo | XI | XII | I | II | III |
|----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| Erit A.R | 160 34 | 290 34 | 320 34 | 350 34 | 20 34 |
| Log-1 | 1361 | 6586 | 45385 | 180850 | 104612 |
| Adde | 13750 | 3373 | 408.3 | 33373 | 33750 |
| Summa | 15111 | 39959 | 86278 | 214223 | 118362 |

Tantus Verò Summas faciunt etiam

| Log i. | 9 | agit. | 2 | Mr. | Capr. | 13 | Piſc. | 19 | Ariet. |
|--------|------|-------|--------|-------|-------|----|-------|----|--------|
| Id eſt | 69 0 | 86 0 | 112 20 | 133 0 | 29 0 | | | | |

compoſiti cum Log-15 angularum ſuorum, q̄s habent ſub Aſc. P. 29t

| Aſc. P. | 29t | 44q | 48t | 44q | 29t |
|---------|-----|-----|-----|-----|-----|
| | | | | | |

Si priore modo querendum eſſet punctum Ecl. oriens ſuper circulum 2.c. Domus III. p̄ceſſus fieret talis. Cum ſit Aſc. obliqua 20 34. erit A.R. quaſi M. C. huius poſitus, 290 34, culminare in regione, cui hic circulus pro horis ante, 18.59 P. ejuſ Decl. 22 10 30 Meridiana additur huic al. P. 29 22, fiet q̄.

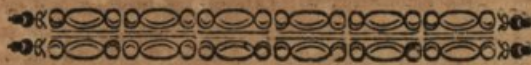
| Arcus | Log | Ant |
|--------------|-------|--------|
| VCN 81 56 36 | 992 | |
| VC 51 32 10 | 24454 | 474 90 |
| 50 50 | 25446 | 45 953 |
| NC 10 1 | | 1537 |

Addito NC ad 18. 19 P. ſit 29 P. Ergo oriſur ſup C. Domus III. 29 V

Via longior eſt, ſed demonſtrativa. Utatur quiſq; quæ vult. Ceriẽ qui Tabulam anguli Oriẽtis ſic adornaret; ut anguli ſubiectas haberent Summas Log-orum diſtorum; iſ rem conſectam haberet, citra poſitionis moleſtiam.

Præcepti 3
34 & 44

Sunt & alij duo modi Cap. XIV, quos cum his comparat, qui ſibi non meruit à confuſione.



DE DIRECTIONIBUS ſecundum REGIOMONTANUM.

PRÆCEP- TVM 204

per p̄c. 198

DEVCIT hic author Promiſſores ad circulum Poſitionis, per ſignificatorem ducti. Hoc ut fieri poſſit. altitudo Poli ſuper hunc circulum priũs inquiri debet; quæ cõſtitutã, facilẽ deinceps & Aſcenſio Obliqua Significatoris ſuper hunc circulum invenitur. Datam autem oportet eſſe Declinationem & Aſc. Rectam ſignificatoris; & huius comparatione cum Aſc. rectã Medij cœli, etiam diſtantiam ejuſ æquatoriam à Meridiano. Tunc ſit Triangulum inter P polium, S ſignificatorem, & H horizontis conturſum cum circulis poſitionis cumq; Meridiano. Datur igitur PH altitudo poli in loco, PS diſtantia ſignif. à polo elevato, per Declin. & SPH angulus ad polum, h. e. diſtantia Sign. a Merid. complem. ad ſemic. Ergo adde Log-õs PH & SPH, Sumã ut Log-õs excerptat arcum perpendiculari ex H; huius Antilog-õs ablatuſ ab Antilo. PH, reſſiſquit Antilog-um continuationis arcũs SP; & tupe totius continuati Antilog-õs addituſ Antilo. priori p̄pendiculari; aggerat Antil-um SH. Et huius igitur log-um aufer a Summa primã, quæ erat Log-õs p̄pend. reſtabit Log-õs PSH anguli. Huic denique Log-õ adde Log-um PS, creabitur Log-õs quæſitẽ altitudinis Poli ſup circ. Poſitionis.

VT IN Geneſi Rudolphi, Luna eſto ſignificatrix, locus 2.6 69, lat. 3 11 Mer. in parte occidua ſphæra. Circulus verò idem eſt, qui in orientali hemiſphario p̄ oppoſitum 2.6 10. la. 3. 51 Sep. tranſit. Quaritur Al. P. ſup hunc Circulum Poſitionis, in Al. P. ſup Horiz ontem Viennẽſem 48 22 ? Erat ſuprà ad Horam AR MC 230 34. Inventa eſt a. ibidem & A.R. oppoſiti loci Luna 272 17, Decl. 19 39 Mer. Diſtat ergo à Meridiano in oriũm, arcu 41 43. Opus itaq; tale

| | Arcus | Logar | Ant |
|------------------|----------|---------|---------|
| Diſt. à Mer. | 41 43 a | 40729 b | |
| Alt. P | 48 21 c | 29114 d | 40893 e |
| Perpendiclm | 29 10 g | 69843 f | 14217 h |
| Continuatio | 40 1' k | - - - | 26676 i |
| SP | 109 39 l | 6000 r | |
| SP Continu. | 149 40 m | - - - | 14722 n |
| SH | 138 .9 p | 41122 q | 28939 o |
| PSH | 48 17 t | 28721 l | |
| Alt. P ſup C. P. | 44 58 x | 34721 u | 34599 y |

Datur A, ergo R, datur C, ergo D & E, ex B & D ſit F, qui dat G, hic dat H, p̄ E & H conſtituitur I, hic dat K. Datur L, ergo p̄ eum datur R Ex K & L ſit M, qui dat N: ex H & N ſit O, qui dat P, hic Q. Per F & Q conſtituitur S, hic dat T, quãvis eo non ſit opus: ex S & R ſit V, hic dat X quaſiũ: hic dat Y, in uſus futuros.

PRÆCEP- TVM 205

per præc. 33a
34. 35. 36

SIGNIFICATORIS Aſc. obliqua ſuper hunc ſuum circuli poſitionis, invenitur vel viâ priori, ex Aſc. rectã & declinatione notis; vel brevius, per aliquos Log-õs, jam priũs adhibitos ad inquirendum circulum Poſitionis. Ad Log-um anguli PSH priũs inventum adjecto Log-õ Declinationis, a Summã auferatur Antilog-õs alt. Poli ſuper circulum poſituſ; reſtabit Log-õs diſt. Aſc. quæ addita vel ablata ab Aſc. Rectã, ut ſuprà, dat Aſc. obliquam quaſitam.

VT, Decl. oppoſiti Luna Log-õs 108983, cum PSH log-õ 28721, dat Summam 137714, hinc auferat Antilog-um Alt. P. ſentent 34599, reſtat 103105 Log-õs diſt. Aſc. 20 52 quã additã ad Aſc. R. oppoſiti luna, quiſpo puncti meridiana: ſit Aſc. obliqua ſign. huius ſup ſua poſitionis Circulum. 293 17.

PRÆCEP- TVM 206

per p̄c. 47

Idem paulò aliter, ſed difficilius proponitur præcep. 43.

PROMISSORIS Aſc. obliqua ſuper Circulum Poſitionis Significatoris, facilẽ inquiritur, ſi primũ indagetur p̄ctam cooriens ipſi ſuper illum circulum, ſeu in illã Poli alt. vel aliã, vel ponendo ipſum, qui quaeritur, & poſitionem veriſicando. Si tamẽ promittens locus eſt in ipſa Eclipticã; ejuſ angulus oriẽtis ex Tabulã poteſt excerpti. Et tunc Log-õs anguli orientis, addatur Log-õ arcũs Eclipticæ ab æquihotio, a Summã auferatur Log-õs elevat. æquatoris ſuper illum circulum; reſiſquit Log-um lateris æquatoris reſpondentis, qd determinat Aſc. obl. juſtam.

Differentia verò Aſcẽ. obliquarum ſignificatoris & promiſſoris ſuper hunc circulum, eſt arcus Directionis,

VT, ſuprà in electione oppoſiti D pro ſignificatore ſit Promiſſor, corpus H in 2.15 X, la. 137 Mer. Ergo cooritur aliquis punctus poſterior. Ponatur 3 X. Hic ſub Al. P. 45 ſup Circulum Poſitionis ſignificatoris habet adſcriptum Angulum Orientis

| 22 52 | Lo | 94524 | Ant | Addito, qui prodiſt, | 3 50 |
|-------|------|--------|-----|----------------------------|------|
| La | 1 57 | 356100 | 40 | ad locum 2 15 X Veri- | |
| | 4 10 | 262276 | 265 | or poſito ſit 6 5, p̄ quem | |
| | 3 50 | - - - | 225 | repetitio p̄ceſſu, dat ve- | |

riſſimus cooriens Saturno 6 9 X, & veriſſimus angulus Orientis 22 32, ejuſq; Log-õs 93 914: adde Log-õ 6. 9 X ad eſt, 156. 9, ſcil. 90549: Sumã ſit 186463 Hinc aufer Log. alt. æquatoris ſup hunc Circ. 34 599 reſtat 151864, Log-õs lateris æquatoris 167. 21, ut ſit Aſcenſio obliqua 347. 21.

Et quia antea ſignific. Aſc. obliqua ſup hunc Circulum, erat inventa 293 11: hac ſub rectã de illa, ſit differentia aſcenſionalis inter Significatoris oppoſitum & Promiſſorem, ſel qd idem eſt, deſcenſionalis inter ipſum Significatorem occiduum & oppoſitum Saturni, tanquam Promiſſorem, 54 10, arcus Directionis ſecundum REGIOMONTANVM.



DE DIRECTIONIBUS ſecundum KEPLERUM.

CHALDæi rationale pu- taverunt, Promiſſores deducere ad Significatores, per Gradus æquales Eclipticæ; alij, per diurnos ſolis medios; alij, per veros; alij, per eorum Aſcenſiones Rectas. PTOLEMÆus rationale putavit, Promiſſorem deducere ad conſimilem Significatoris ſitum, p̄ arcum ejuſq; diurnorum partes ſimiles, expenſo arcu æquatoris, qui cõ eorum quolibet decurreret.

REGIOMONTANUS rationabile putavit, ut ante dictum, Promissorem deducere ad eundem circulum Positionis, in quo fuit significator, licet non semper hic ad eandem partem circuli, quam obtinet ille, possit appellere.

Experientiam velle iudicem inter hos modos statuere, oscitantium est, aut, si momentem etiam spernunt, credulorum & imbecillis iudicij hominum. Impossibile n. est, ad tam minuta venire experiundo; etiam si nexum arctissimum supponamus, cursus rerum humanarum, cum solis omnium causarum Directionibus; nedum, si concesseris, causas intercurrere etiam alias.

IGITUR & KEPLERUS, antecessorum exemplis se mutans, nec attentam experientiam, rationabile putat, Significatores promoveri in consequentia signorum, versus promissores, per proportionem NATURALEM Diei ad annum; si nimirum pro unoquoque anno adiciatur locus Solis & Lunæ diurnus Solis, distans eodem numero dierum a Die Natali, quo numero annorum distat annus ab anno Natali; mantibusque cæteris (puta altitudine poli, horâ natalitiâ, & locis promissorum radicalibus) novum erigatur Thema, cuius Medium Cœli & Ascendens & pars Fortunæ (si quidem Dis placet ista cæteris) sint loca Directionis horum trium significatorum. Rat. oēs, ob quas hæc proportio fiat efficax, cur scilicet cet quod fuit diei ætatis tricesimâ, id significet in annum tricesimum; et si rationes non solent reddere vel rimari Astrologi, contenti suis oraculis; promittere tamen videtur Philosophia Samia; aut si hæc non pmet, nulla pmet.

Est autem notabile, per hoc unicum fundamentum suppositum ultrò resultat mistionem omnium modorū, quos jam dixi ab antecessoribus adhibitos.

PRÆCEP. TVM 107

DATO NUMERO ANNORUM ÆTATIS, ASSIGNARE LOCA DIRECTIONIS, QUATUOR SIGNIFICATORUM.

NOTAM habeas Anomaliam Solis coæquatam, vel ejus residuum ad circulum implendum, huic proximum motum coæquatam ex Tabula diurnorum excerpere, cum numero dierum in margine. Huic post Apogæum adde numerum annorum; ante Ap. aufer eundem, si potest; cum novo, qui sic constituitur, numero dierum, si quidem is non superet 183, in margine Tabulæ quæsito, excerpere & novum coæquatam; qui comparandus est cum prius excerpto, ablato minori à majori, ut restet differentia. Quod si ex additione ad dies, resultaverit numerus major, quam 183, aufer illum à 366, cū residuis diebus excerpere coæquatam alterum; & tunc utroque ablato scorsim a maximo Tabulæ, jungantur residua in unâ summam. Rursum si ante Apogæum auferri nequit nūcus annorum à n. dierum ex margine exscripto; aufer hunc ab illo, cum residuis diebus excerpere coæquatam alterum, & ambos conjice in unâ summam. Tum demum vel illam Differentiam, vel hanc in utrolibet casu excepto summam adde locis radicalibus Solis & Lunæ; prodibunt eorum loca Directionis.

Tabb. f. 93

Cæterum hæc Solis & Lunæ directio multo facilius expeditur per Ephemeridas Solis, computatas ex Tychoe vel Tabb. Rudolphi. In Ephem. cuiusque anni, etiam non natalitij, locus Solis in meridie diei natalis, auferatur à loco in meridie posteriori, tot diebus distante à die Natali, quot proponuntur anni; arcus differentie additur ad loca Solis & Lunæ Natalitia, sic ostenduntur, ut prius, metæ, ad quas pervenit Directio.

Pergamus jam ad significatores cæteros. Constituto n. loco directionis Solis; ejus Asc. rectæ exquiratur adde horas natalitias à meridie præcedē, numeratas (resolutas prius in tempora æquatoria) & per eam, quæ sic prodit, Asc. rectam excerpere punctum culminans, id erit locus directionis Med. C. Si perrexeris, excerpente Angulum & Declinationem, & operando ut supra; elicies etiam punctum Eclipticæ oriens, qui erit locus Directionis Horoscopi. Huic loco adijce denique distantiam Lunæ à Sole natalitiam, prodibit locus directionis Partis Fortunæ, DIVÆ Chaldaicæ.

secundum præcep. 208

VT IN Genesi Rudolphi IMP. sit propositus annus 59 ætatis completus. Sol est in 5 11 Anomalia ejus fuit 30 17 post Apogæum. Huic proximus arcus invenitur 30 30, ad diem in margine 32. Adde numerum annorum 59, sunt dies 91, qui dant arcum 87 38 Hinc ablato 30 30, manet differen. 57 8. Hanc adde ad locum Solis, prodibit locus directionis Solis 2 17 ubi est fere quadratus & Quincunx Saturni. Eadem differentiam adde ad locum Luna 2. 6 69, fiet

Tabb. f. 92

locus Directionis ejus 29 14. Propinquante opposito Saturni. Et quia Asc. R. loci Directionis Solis, est 182 6, adde horas natalitias 6 52, seu Temp. 103, venit Asc. R. 289 6, cum quâ culminat 13 53. Locum Directionis M. Cæli. Sequitur autē proximè opp. & Cum culminante excerpitur & angulus & Declinatio, per qua methodo superiore detegitur Horoscopus 0 46 8, atque hic est locus directionis Horoscopi, ultra quadratum suum, propinquante Sextili Saturni.

Et quia Luna in radice distat à Sole per 326 55, hoc addito ad 0 46 8, venit locus Directionis partis Fortunæ 27 41 X.

ELECTO LOCO, AD QUEM DIRIGENDUS SIT SIGNIFICATORUM unus, (seu, Dato loco Promissoris, vel ejus radij) invenire numerum Annorum, quibus is venit ad Significatorem.

PRÆCEP. TVM 108

SI rursus nota anomaliam Solis, & arcus ei proximus ex Tabula, & numerus dierum hujus arcus.

Igitur si Pars Fortunæ significatrix est; à loco directionis electo aufer distantiam Lunæ à Sole natalitiam; relinquetur locus directionis Horoscopi, in quam sic resolvitur & partem Fortunæ directio. Si ergo dirigendus est Horoscopus ad locum, vel sic elicitum (per absolvenda directione partis For.) vel initio electum (pro ipsius Horoscopi propria directione) constituatur loci vel elicitus vel oblatus Asc. Obliquus; cum hac verò innotescit & Asc. recta Medij C. qui quod ostendit punctum culminans, is est locus directionis Medij Cæli, in quâ sic resolvitur directio Horoscopi & partem Fortunæ. Si rursus dirigendus est M. C. ad locum vel sic elicitum pro prioribus directionibus absolvendis, vel per se electum, pro prias ab hujus loci Asc. Rectâ aufer tempora æq. horarum natalitiarum; residua erit Asc. R. loci directionis Solis. Erin hanc ultimò exeunt etiam antecedentes. Sic propemodum & Luna, si dirigenda est ad locum promissoris electum; aufer ab eo loco distantiam Lunæ à Sole natalitiam; restabit & sic locus directionis Solis, in quam hoc modo etiam Lunæ directio resolvitur.

Per præcep. 103 vel 205

Tandem igitur si dirigendus erit Sol ad locum aliquem Eclipticæ, seu is pro ipso fuerit electus, sive ad tempus præmissarum directionum determinandum elicitus; siquidem ad manus fuerit Ephemeris quæcunque cum motu Solis Tychnico; in eâ sine ambage dinumera intervallum dierum, quibus sol è loco suo natalitio movetur ad locum promissoris, extensâ numeratione, si ferat usus, in Eph. sequenti; & quot erunt intermedij dies, totidem annos pronuntiato. Si sol non utroque in meridie loca illa præcisè obtinet; expēde differentias, & eam quæ existit in meridie natalitio, aufer ab ea quæ in mer. directionis, aut si negt, ab ea igitur, quæ in mer. antecedente, cum residua indaga horas appendices, per binis singulos addens menses; sic indagatum erit tempus directionis, non Solis tantum ad suum locum promissoris electum, sed etiam cæterorum significatorū ad illa loca, ex quibus ultimò locus hic directionis Solis erat elicitus.

Vt verò hæc directio Solis etiam per Tabulam Diurnorū peragatur; aufer locum solis natalitium, ut prius, à loco promissoris; intervallū Anomalie solis natalitix post Apog. adde, ante Ap. aufer ab ejus complo ad semic. & in margine Tab. ut prius in Ephem. dinumera intervallum dierum & horarum, quibus sol à natalitia coæquatâ pervenit illic ad apogam, hic ad residuam. Quo loco si dies natalitius adeo vicinus fuerit Perigæo solis vel Apogæo; ut dies, directionis index, porrigatur in semissem anni succedentem, cautiones existunt factis spinosæ. Nam in primo casu duplicandus est motus ad d. 183, adscriptus, & ab hoc duplo auferenda Anomalia per intervallum aucta, & tunc numerandum in margine à die, quæ dat natalitiam, usque ad finem Tabulæ, indeque retrò, usque ad d. quæ dat residuam illius duplicatæ. In secundo casu, complm Anom. natalitix tam parvū subtrahatur ab intervallum, & tunc à die, ad quam stat complem. natalitix, numerandum retrò, usque ad initium Tabulæ, seu diem 0. indeque porrò, usque ad diem, quæ exhibet residuum intervalli modò factum.

Ita partem Fortunæ directio præsupponit & Horoscopi & M. C. & Solis directionem; Horoscopi directio utitur M. C. & Solis directione; Medij Cæli & Lunæ directiones utuntur directione Solis; Solis verò sola simplex est.

IN Genesi Rudolphi, cum distet Luna à ☉ 326 55, addita hæc distans. ad Horoscopus 22 21 per metam fig 19

igitur parti Fortuna, secundum astrologos, in 196 \rightarrow . Sit hujus directionis electus locus oppositus Δ . 12 34 tanquam Promissor. Ab hoc igitur loco auferro distantiam dictam, restat 1539 X. Atque hic est locus, ad quem eodem tempore, quod quarendum est, venit Horoscopus. Quaratur, p. superiora, ejus Asc. obliqua, q. est Vienna 352 13. Erit ergo A R M C 263 13, culminatus, 23 46 \rightarrow . Hic iterum erit locus directionis M.C. eodem adhuc quarendo tempore. Auferro ergo ab hac Asc. R hora natalitia Temp. 103, restant 160 13, A. R loci directionis Solis, scilicet 8 31 \rightarrow . Ut igitur tandem sciatur, quoto anno contingant directiones hae, aut ut Sol etiam pp. seipsum ad hunc locum dirigatur, auferro ab hoc, locum Solis natalitium, restant 33 20, qui ferè totidem sunt anni: sed accurate, Cum Analia natalitia proximus arcus ex Tabula, sit 30.30, cui ad marginem adscripti sunt Dies 32, adde ad hunc arcum illud intervallum, sit arcus 63 50. Et Verò arcus 63 11 ostendit Dies 66, residua igr. scr. 38 addunt horas circiter 15, unde ablati illis 32, restant 34, cum horis 15, significantes totidem annos & menses 77 quibus exactis venit pars fortuna ad oppos. Ascendens, Medium Caeli, Sol, qd. ad locum prius definitum, Etiamq. Luna ad 5 26 Δ , addito eodem arcu 33 20, ad locum Luna radicalem 2.6 Δ .

onis Solis Asc. rectam prius constitutam; relinquentur tempora æquatoria, quæ in horas conversa, dant correctum, ex hac hypothese, tempus natalitium, eadem tempora addita ad Asc. rectam loci Solis natalitij, dant Asc. rectam M.C. radicis, & per hanc, ipsum Medium Caeli correctum, & per processum superiorem, etiam Horoscopum correctum, ut & Partem Fortunæ, quam tradunt Astrologi.

Loca verò Solis & Lunæ dantur cum die; nec corriguntur per accidentia.

IN Genesi Rudolphi IMP. Tempus Gulgo fertur h. 6 52. quæ oritur 22 ϕ . Verum esto, ut anno 28 aetatis completo morbus incidere, qui visus sit attribui posse directioni Horoscopi ad corpus Δ . Quaratur qua proditura sit hora Natalitia, qd. Ascendens seu Horoscopus? Ergo ad Anomalia Solis 30 17, arcus ex Tabula proximi 30 30, dies 32 in margine adscriptos, adde numerum annorum 28, Summa Dierum 60 ostendat in tabula arcum 57 23, unde ablato arcu 30 30, manet arcus Directionis Solis 26 53, qui ad 31 Δ additus, dat locum Directionis Solis 2.4 Δ .

Atq. hic quidem est ipse locus oppositus Saturni, qua sola Directio penes astrologos sustinere potest opinionem causa morbi. Sed nos jam in hancam es, quod fuit positum, pergentes ad inquirendum Verum Ascendens, tanquam genuinum significatorem. Locus directionis Solis jam scitur, ejus A.R. est 154 4. Quarendum est & alia Asc. Recta, unde hac subtrahatur, illa scilicet, q. est Medi Caeli, oriente Promissore, corpore Saturni. Hoc Verò cum sit in 2 15 X, lat. 1 17 Mer. invenietur illic oriens 6 57 X & A. obliqua 348 56. Hinc, ut dictum, facta subtractione, remanet pro Temporibus natalitij à Meridie, sic correctis, arcus 104 52, qui valet Horas 7.0. Per has Verò invenitur methodo superiore, Medium Caeli correctum 25 W, Ascendens 24 s ϕ , correctus Horoscopus.

precepto 208

precepto 20

PRÆCEPTUM 209

DATO NUMERO ANNORUM A-
licujus Accidentis, electioq. ejus & Promissore & Significatore, qui sit vel Horoscopus, vel Medium Caeli, vel Pars Fortuna: corrigere tempus Nativitatis, & sic, locum Significatoris.

PONO quæ ponunt Astrologi, fides sit penes opinionem cuiusq. de quolibet accidente.

Per p. 207
Per p. 208

Igitur per datum numerum annorum, exquire locum directionis solis, ejusque Asc. Rectam. Deinde per electum locum directionis partis Fortuna, constitue locum directionis Horoscopi, per Horoscopi locum directionis constitue loci directionis Medij Caeli Asc. rectam, à qua aufer loci directionis

Vides, in hoc etiam processu directionem partis Fortuna & significatoris, reduci ad directionem Ascendentis, Medij Caeli & Solis; ita directionem Horoscopi fieri per directiones Medij Caeli & Solis; denique directionem Medij Caeli fieri per directionem Solis; at directionem Solis immediate fieri.

HAEC hæcenus, in gratiam gentis astrologicæ; ne mater vetula (quæ similitudine sum usus in præfatione ad lectorem) se destitutam & despectam à filiâ ingratâ & superbâ queratur.

FINIS.



93

NOTÆ



NOTÆ ET ANIMADVERSIONES
NONNULLE AD PRÆCEPTA TABU-
LARUM RUDOLPHI.

Preceptis 34 38. adhibentur Mesologarithmi: qui etsi a-
ctu non inveniuntur expressi in his Tabulis (præterq̄ primo-
rum decem Graduum, scorsim f. 22): facile tamen eliciuntur, sub-
tracto Log-o arcus dati ab eisdem Antilog-0, vel vicissim, si quis
caret libris alijs, unde eos petat. Sed quia molestia est excerptio &
subtrahitio: adduntur etiam Præcepta alia, qua Mesolog-orum
mentionem faciunt nullam. Totum Verò Caput XIV. ampliatur
declaraturq̄, passim Præceptis in SPORTVLA.

Ad præc. 4. in margine adscribe, Videndam fac. 97.
Præceptum 4. 8. memineris etiã ad Luna locū pertinere, ejusq̄
distantiam à puncto oriente: datã parallaxi Luna horiz. òt ali, la-
titudine Luna, & (p̄ istã) puncto, qd cum loco Luna oriretur, si
eam in horiz. òte esse contingeret.

Ad Cap. XX. f. 56. Schema annotatum in margine, inveniens in
fine Indicis explicatus, quam in figura ex arc. præliminari: sed li-
teras Q & L. contusis integra.

Præceptum 99. incipit quidem à Varietate casuum: at desinit
in unum solū. Sic igitur interpretetur Col. 2. 1. 3. --- inæqualitatem,
Inclinatione illic, hic inclinationis complemento ad semicirculum & c̄
& l. 6. à Sole, ut hæc vel ipsa sit (vel hæc, in superiorum oppositione cū
Sole), ablatã à semicirculo, restet latitudo quaesita. Et nota, quia propor-
tione intervallorum ad hanc operationem habemus opus, ex eã delendam
esse hac vice curtationem.

Præcepto 100. Num. 8. sic legendum: Constituta & limata Elongatio
planetæ à Sole (qua inferioribus est etiã in Prosthaphætesis Orbis)
secundūm & c̄. Et in margine, pro 96. adscribe 97.

Præcepto 102. quod dixi, Tertio ponere oportere, studens facili-
tati calculi: id, p̄terquam in Apudibus, cum damno sic ponitur,
quod hac ratione cavebitur, si, qui hac methodo eliciuntur tan-
quam Commutationis anguli, non verè hoc esse intelligantur, qd
dicuntur, non se constitutis per coæquatum planeta locum in Eccli-
ptrico, sed per semiaquatam, hoc est, ex Anomalia Eccentri cum
Aphelij loco commissi constitutum: quod expedit annotari ad ti-
tulos, Anomalia Commutationis, in calculibus ff. 53. 59. 65. 71. 75. Tabb.
& ad titulum Præcepti 83. apponatur, & pro Stationibus Planetarum.

Præceptum 131. extendatur etiam ad Parallaxin Solis, in titu-
lo sic, DE SOLIS ET LVNAE PAR-, & Maximam Solis & Lu-
nae in ipso Præcepto, in Sole quidem statim ipsa exhibet sexagesuplū
Parallaxeos quaesita: deinde aucta hæc parte sui sexagesimã, dat duplum
diametri: in Luna verò differentia hæc augeat in exemplo deniq̄, sic
Vt, si Sol sit in Anomalia 0. Vel 180. differentia coæquatarum sunt
ibi 38'. 56". hic 1. 1. 6". Ergo Parallaxis est, illi 0. 59. hic 1. 1.
Adde jam has parallaxes seu partes sexagesimas differentijs ipsijs,
sunt Summa 59. 55. & 1. 2. 7. Semisses 29. 58. & 31. 4. sunt Di-
ametri Solis. At si Luna & c̄.

Præcepti 142. fundamentum est hoc: Si in aliquo annorum Sol
sit apogæus in ipso meridie: motus ut sunt expressi in tabula diurno-
rum, pro diebus in semestri sequente adduntur simpliciter, pro
antecedentibus auferuntur. Si verò anticipavit meridiem, ac-
cessus isto Solis in apogæum: primum ad ipsum meridiem, qui pro-
ximè apogæum sequitur, locus Solis constituitur, addendo diurni
apogæi partem horum competentem. Deinde ad hunc solis locum meri-
dianum adduntur motus ex diurnorum tabulã, ut prius, sed au-
ferri parte de Summis differentiarum ad latus positus, proportionali
horum ysdem auferuntur diminiuti eã. Cõpendium sentiet qui utetur.

Præcepto 143. necessarium est exemplum de annis ante Chris-
tum, propter diversitatem nonnullam. Vt si sit comput. apud ad
13. Martij currente anno 4. ante Christi. Hic Tabula exhibet Ep-
ocham proximè majorem, Ann. 101. finientem, D. 1. H. 3. 0. 2. 6. Er-
go pro eo scribe Completum 100. & c̄. & aufer currentem datum 4.
restant copleri 96. qui appositos habent in tab. D. 1. 4. H. 1. 4. 11. 16.
qui cum completi Februarij diebus 59. & cum Martij completis
12. (quia annus 4. ante Chr. non est bissextilis) addit ad D. 1. H. 3.
0. 2. 6. constituent summam D. 86. H. 17. 11. 4. 2. cetera ut in an. p. C.

Hinc præc. 99. subjuncta est mētio Motus Apogæi in diebus sic le-
ge, non duobus asservandi ad usus altos. Eos hic ostendo. Adscribe:
Nam si per motum fictum tendimus ad verum extra copulas: motus hic
Apogæi, competens intervallo D. 9. H. 23. rursus est auferendus à 4. 7. 13. 23
ut restet motus Anomaliæ primò æquatus. Cade verò in tabella, de qua
hic agitur, columnis 4. ultimis, ne omittas Gradum unū, qui angus-
tissimè spacijs plerisq̄, à lineis exclusus, in omnibus tñ est subintelligendus.

Ad Præc. 149. Humanitas aliquid contigit Hipparcho meo,
ut inter ejus (quippe nondum editi, nec curã nisi à smatis) theor-
emata, esset unum spursum, cui cum subjunctam viderem: quasi
demonstratioem: perinde ac si ea esset legitima, usus eo, elatus hoc
præceptum. Reformandum est sic. Parallaxis Luna horizontalis tota
æquat semidiametrum Disci. Eiq̄, de causã etiã Præc. 158. f. 104.
sic legendum in unam Summam semidiametri utriusq̄ luminaris, Paralla-
Lunæ, & Parallaxeos Solis dimisium: hac enim ec. & secundum hanc
correctiunculam etiam exemplum ibi sequens erit reformandum,

(in quo etiam pro ð scribe 8) nec non & exẽpla in Ephemeridi-
bus editis: & Epitomes Astróf. 874. quod miror ab aduersarijs
meis per totos jam 10. annos mihi non fuisse objectum! Nimirum
subtilitatem unsci scrupuli nõ curat, qui non capit. Sed & solaris
Eclipsium termini, Tabb. f. 98. sunt ob hanc causam augendi sc. 19.

Præcepto 160. scribe Scrupulis latit. Semidiametrum umb. & in ex-
emplo, differentia sit 32. 55. Osciã etiã, subtrahens 585.
institante signo ---, qui addi jubetur à præcepto: sed parẽ daturum.

Præcepto 162. cum in animo essent margines Luna, memoria
judanda causã: Verba tamen ceciderunt ut de marginibus Solis,
de ijs enim q̄ritur. Corriganur sic. Si Sol debet stringi à plagã cõtra-
riã ejus, quæ lat. & c̄ Sin Sol stringi debet ex plagã latitudinis lunaris cog-
nomine: tunc vel f. & c̄. & ad finem præcepti adde, excepto casu ultimo.

Præcepto 164. omniã sic inferre (sed quæ sint constituta per arcum
inter centra, auctum port. & c̄.

Ad Præceptum 165. in margine annota istã: Mora hæc penum-
bræ in disco, computatur ut mora Lunæ in tenebris, cõmuni præc. 151.

F. 107. Vox PRIMVM accipienda est, non de tempore Vranibur-
gico, sed de ordine locorum ab Occasu in Ortum.

PRÆCEPTVM 170. f. 109. in margine assigna, ut cetera: &
ad finem eius f. 110. adde aliquis lucis causã: bilitatem motus Lunæ
visibilis Quo loco præcipuus erit usus præcepti 29. ut ex inventa ad mo-
mentum existimatum initij vel finis distantia eclipticã luminarium visibili-
li, & latitudine etiã visibili, tanquam duobus lateribus circa rectum, in-
quiratur tertium recto subtensum, quod erit distantia centrorum visibilium
quæ si æquat Summam semidiametrorum: merum eo momento erit initi-
um vel finis: si discrepet, momento temporis addendum erit vel subtra-
hendum, & sic repetendus calculus. In maxima verò obscuracionis mō-
mento exacto, locus Luna visibilis in Ecliptica semper in illam à Sole plagam
vergit, ubi latitudo visibilis ejusdem denominationis est minor. Vterius
nullum est remedium generale correctiois plenariæ, nisi in crebra repeti-
tione totius calculi circa medium, & attentione, qua vice distantia centro-
rum eliciatur omnium minima.

EXEMPLA Præceptorum quod attinet, eorum aliqua inter
corrigendã accesserunt, quod speciosiora viderentur, aut ut sup-
plerentur columna. Ea depererat, nec, ut par erat, reperita, Si-
tium traxerunt ex importunitate operarum, qua iniro lenta in
sine p̄cipuerunt. Ab alijs rectisã supflua, ut charta cõsuleretur aut
errori dinumeracionis, amiserunt aliquid de integritate. Quada
etiã non vitiosa indigent declaracione. F. 22. col. 2. lo. 1663. 51. et-
si exhibet 10. 55. ut quia præceptum jubet secundo p̄dere aliqd minus
emergente: placuit id esse 10. 44. Ergo & in Typo opationis, debent
esse dua distincta lines, Emergit 10. 55. & Positio secun. 10. 44.
& l. penult. scribe 86. 4. 1. Post Præc. 40. sic lege, Vt, quia pun-
cti 0. 7. 12. X jam orientis, angulus in Meridiano esset 69. & c̄.
paulo post, -- ab alt. P. 35. Post Præc. 46. ad 3385. pone M. in mar-
gine. Post Præc. 54. trajecta sunt Voces, lege, Anomalia coæ-
quata residuum. Post Pr. 56. quis nescit, à 63. subductis 23. restare
31? Ego tamen 48. posui, cum damno usus Minuti in 20. 10. deberet
enim 19. 31. adscribi Gratia. Sic post præc. 57. quis nescit, de 20. 57.
semisse esse 10. 29? Quatuor ergo deinceps numeri corrigendi,
etsi dãmum in sine nullum. Consilijs subiecit amicus, Rudolphi-
nus nomine Tabulis, Genesis in inferere RVDOLPHI, exẽplo Prute-
nicarum. At ecce dum id deperero, f. 53. sub Apogæo cū 18. dieb.
addidit totidem Sec. cum non duo debeantur: sed sub fixã, le. 3. 3. 1.
& cū an 48. excerpti 44. 8. 4. eff. 2. l. 2. 50. 59. Sed sic conditor error
f. 58. in coæquata Solis. Ad N. putabam me addere partem prop. O.
addidit vero suppositum totum L. Caveat ergo tyro, error est, non
mysterium corrigatq̄, & coæquatur, ut sit 30. 16. 38. & nũeros ex
illa vitiosa p̄pagatos p̄cep. 88. 93. 96. 100. 113. 114. 122. 123. 128. &
et si eff. etus in H. 4. insensibilis, in 8. 0. 9. 2. citra 3. 11. 7. 15. sc.
Ita vaneferent etiam alij huius exẽpli errorculi in planetis quinque.
Singulariter tamen arguendus est hic in Marte f. 64. ne turbet ty-
ronem, quod Elongatio Martis p̄peram ponitur 18. 37. 13. pro 51. 4. 21.
ut usurp. f. 67. in cuius etiam marg. inf. p. 74. scribe 47. F. 68.
in Sole Log. 1. Interd. alit. suto 436. & 460. in Marte, sub motu me-
atio 85. 34. 38. sub Nodo 13. 38. 17. locum 16. 37. 45. Infra ad duas stellulas
Log. us sit 22080. In 8. Lo. Intercol. 1350. Interd. ulli 32969. Cõtra-
tionis 77. locus hic Solis 19. 21. 47. ut in Marte. Infra, stellula simplex
est loco superiore, duplex inferiore, ut in Marte. Post Præc. 12. 5.
lege, do auferens à loco Solis vero & c̄ locum Nodi. Præcepti
128. non est obseruatum ad litteram in exemplo seq. Pro his ergo
Antecedit igitur Nodũ Gr. 47. 6. sic scribe, eius igitur à Nodo desc.
distantia est Gr. 112. 54. Post præc. 139. corriganur secunda ex ip-
sis tabulis. Post præc. 140. lege, retrò Gr. 30. 7. 38. paulo post, pro
d. 153. scribe 153. proinde etiam p̄ximè legendi 283. & 10. Octob. Post
præc.

Prac. 155. par. (Cum igitur) pancela Secunda Variant. Post ꝑc. 157. locus Solis in mer. 13. Martij ex alieno saculo propanti obrep-
 sit. debuit esse 20. 42. 11. Igitur ꝑ hac Eclipsis, inter correctiões typi
 demum ascit. tota est refingenda. Prodit a. ꝑ major. Digno rü
 scilicet semis, ꝑ maturior, ad horam 13. 34. in horam 16. 29. in Indaa
 qd circumstantijs historia Iosephi accommodatus est: ne quis Chro-
 nologorum hic me capret in anno mortis Herodis, ex quantitate
 contempta Eclipsis, inq. auroras descendit. Et si etiam ꝑ 171. ꝑc-
 ptum adhuc maturius fieret hoc deliquium, quippe lunare mensis
 Martij. F. 111. col. 1. 2. 5. a fine, lege ꝑ Sumam Sem. Ib. col. 2.
 Quotiens ex aliena opatione mansit, expressa quippe Six tertiã
 parte exempli ex mscr. Ergo ꝑ H. 1. 1. pone H. 1. 4. durationem H. 2. 9.
 initium Horã 10. 28. finem H. 12. 36. Deleantur etiam Verba -- tanto

p. q. ꝑ i. supra. ꝑ ꝑ is reponantur hac, quia Varietas para-
 xium lege triang. rectilinei coereeri nequit. Post prac. 173. scri-
 be Luna à Gradu oriente 96. Post prac. 175. le. -- habitura sit
 53. 50. Sep. sub finem exēpli textus sic restituatur, -- dat locum
 Luna correctum in Eclipticã, sat fidum 16. 13. Verum ergo additã
 parallaxi occidua, 16. 13. ut sit Vera antecessio 26. 2.

Plura etiam ꝑc. 174. 175. 176. corrigenda essent, si ꝑter exē-
 pla quæretur jam Veritas exacta. Locus Solis crasse, q. ad ho-
 ram 12. 47. mediam Vranib. debuit ad apparentem Gratiij. Sic
 Reductio nõ erat auferenda à lecl. sed addenda, ꝑ parallaxes
 congruunt ante Horam 10. 10. nam in ijs, q. hic sunt à textu re-
 secta, monueram de duratione plonanda obseruatiõnis Huen.
 ex indicio Rostochiensis ꝑ calculi.

Supersunt SPHALMATA TYPOGRAPHICA, q. se. ꝑ dñi ipsa.
 ut signatura b 3. ꝑ nũeri f. 12. 13. ꝑ Præcepti 38. ꝑ signum --
 ambiguum, ut qd plerumq. quide est nota ꝑ variatã: interdum in
 merus ductus concorsus, ex msc. non necessariõ expressus: ut ꝑ 155.
 sub primã lin: ubi etiam ꝑ xime, Hic ꝑ Hinc. Pr. 5. le subtraçio
 299000. à 299573, restat 1973 cuius semillis est 787. Pr. 11. ex. 2. li. 3. H. 19. 42
 Prac. 12. sub lineã 28427. Prac. 13. calius. F. 18. sub lineã, 4371
 Prac. 19. tercolumnio 1756. ꝑ msc. à log. 404825. ꝑ Differentia 62857.
 Prac. 20. 21. ꝑ initialibus 406. ꝑ 405 octies scribendũ 460. An-
 te Præceptum 24. scr. 0. 423. F. 22. lin. 15. situs MIN ꝑ lin. 3. a
 fine 21. 35. Prac. 32. in margine Mediatio. In exēplo altero, Alc. R.
 341. 14. 40. Prac. 43. lin. 3. a si. 30. 24. Prac. 45. relinqt 29. 35. 11.
 F. 34. li. 6. idq. F. 35. li. 10. a fin. vel faltem Prac. 53. ad ꝑ dñi q.

F. 41. lineã. 7. dextrã arcum 39. 41. Post Prac. 74. laterculi 240.
 F. 52. appone omissa signa II 69 X Pr. 101. in diuisione 531796.
 F. 79. in tabella scr. 4. 59. 33. F. 80. l. 23. a fine. ꝑ CO. scribe TO.
 F. 88. l. 2. a fine ultetoti. F. 93. ad finis. l. 8. a si. sumtus est L. Para-
 lin. a dextrã 10. a fine Log. us 11086. F. 95. l. 16. a fine restant 52.
 F. 96. l. 16. a fine Diem 2 F. 98. l. 4. a fine 11. 6. 26. 19. Capite
 XXXI. in margine, ꝑ 721. scribe 127. Prac. 160. in exemplo, Diffe-
 2255. F. 111. in medio latera 2850. 8c Prac. 176. in exēplo abin-
 dat signum X F. 114. l. 15. a fine Dies 3. 14. 15. 7. In fine ꝑcepti
 188. titulo diuisi contratio. Etiam pralimnare carmen trans-
 scribendo malè habitum Præses ingenij pro Ingenij præses, passimq.
 accentus ꝑ distinctiones omissa aut præsa, ꝑ litera permutata,
 excessus ꝑ excelsus, orbis a ꝑ urbica, moveant ꝑ moucant, 8c.

IN TABVLAS IPSAS NOTÆ ꝑ Sphalmata Typographica,
 F. 6. sexagesima 29. 30. F. 13. Log. 1. 157064. 97044. 5394 F. 22.
 Mesolog. 1. 349787. 13153. 244297 F. 23. antilog. 1. 1. 567. 10. 507. 11. 960.
 ꝑ 13. 032 FF. 26. 27. 29. sub Altr. Polt 12. 29. 50. lineis 18. a fin.
 4. a fin. ꝑ 4. scribe, 87. 1. 84. 5. 16. F. 34. Florentia dat Pteronius
 Alt. Polt 43. 49. ex obseruatione. Id consentit cum Notã ad No-
 Variam. Messana dat Remus 39. 24. Vel 30. Oeniponto 47. 18. Pa-
 ta. 810 45. 22. Venetij 45. 30. Roma 41. 53. ꝑ Andr. Argoli Ta-
 gliaco. 2. 15. 50. Parisij Franc. Petadins 48. 45. F. 38. lin.
 23. 24. dext. ꝑ Augusti scr. Iulij. F. 42. ad Diem 31. scr. 1. 0. 31. 18.
 F. 52. Log. 219551. F. 60. ad Dies 5. scr. 2. 37. 11. ad Dies 8. sc. 4. 11. 33
 F. 63. Intercol. 0. 57. 46. F. 64. Cozquata 120. 31. 33 F. 65. Mesolo.
 437781. F. 66. ad Iuniũ 9. 19. 59. 37. ad No. Vembrem 5. 25. 7. 34. ad
 horas 31 scribe 2. 4. 12. F. 67. ad Ann. 92. ꝑ 99. ꝑ Sig. 10. scr. 11.
 F. 69. Log. Inter. Valli 31165. F. 71. ad Gradum 29. Inclin. 1. 37. 55.
 Mesolo. 351319. F. 72. ad Dies 6. scr. 24. 33. 16. ꝑ post Horam 24.
 scrupula prima corrigantur, ut sint 15. 26. 36. 46. 56. Gt. 5. 6. Gt. 5. 17.
 F. 75. sub An. Eccenri 63. aequationis par. physica 10. 54. 19. F. 76.

in laterculo Mensium, Apogai Lunæ. F. 80. sub Anõ. Ecc. 61. aqñ.
 pars phys. 2. 11. 9. ꝑ differentia coquat arum 58. 45. F. 84. 85
 in Tabula multis usus, inter binas columellas, 55. ꝑ 60. in fronta-
 libus quidem, supra scalam, in calcis sero, infra scalam (sed qua
 transire debet sup octo areas, non sup septem) memineris annihili-
 laris aequationem, ut differentia intercolunaris non sit 0, sed 2. In
 columellis calcis 45. ꝑ 50. e regione 303. ꝑ 351. dextrorũ, scribe
 47. ꝑ 3. F. 89. anni 12084. F. 92. ad Diem 10. scribe 1758. cor-
 rigatur ꝑ D 59. ad Dies. 164. scr. 160. 58. 59. F. 96. 97. corrig.
 Log. 62890. 51710. et motus, 0. 2. 0. 58. ꝑ 4. 20. 5. 6. ꝑ 5. 9. 36. 52.
 indeq. usq. ad horam 23. ubiq. deme unum Primum: ut hora 10.
 habeat 5. 11. 59. 57. 45. 9. 6. 4. 3. 16. F. 104. Ad Ann. 500. scr. 2. 7.
 ad 600. scr. 2. 21
 Hi sunt, quos ad hoc usq. temporis deprehendimus, errores, e-
 go vel amicos, super illos, quos habet Index Præceptorũ, quorum si-
 miles alio si quis, horum exemplis admonitus, obseruatos
 mecum communicauerit: is me officio, ceteros be-
 neficio demerabitur.

Typis SAGANENSIBUS. Anno 1629.



